ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा को प्रज्वल रेवन्ना के वीडियो पर अपना रुख करना...: लक्ष्मी हेब्बालकर @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 30 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-120

सात लोगों के रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद हुआ खुलासा

बिहार के मुस्लिम लगा रहे उत्तराखंड के जंगलों में आग

पौड़ी/लैंसडाउन/कोटद्वार, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग राज्य और केंद्र सरकार के साथ-साथ दुनियाभर के पर्यावरण प्रेमियों को गहरी चिंता में डाले हुई है। जंगल में लगी आग लगातार फैलती ही जा रही है। आग बुझाने की कोशिशें नाकाम साबित हो रही हैं। एनडीआरएफ के अलावा अब सेना से भी मदद ली जा रही है। इस जद्दोजहद के बीच बेहद चौंकाने वाली खबर मिली है कि उत्तराखंड के जंगलों में जेहादी मुस्लिम आग लगा रहे हैं। प्रदेश में समान नागरिक कानून लागू किए जाने के फैसले से नाराज जेहादी तत्व उत्तराखंड के असली धन वन-सम्पदा को ही नष्ट करने की हरकतें कर रहे हैं। जंगल में आग लगाते हुए सात बिहारी मुस्लिमों और एक नेपाली नागरिक को रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पकड़े गए बिहारी मुस्लिमों ने कहा कि बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को भगाए जाने को लेकर सरकार से नाराजगी के कारण वे जंगल में आग लगा रहे थे। हालांकि, खुफिया अधिकारियों का कहना है कि वे किन लोगों के इशारे और आदेश पर जंगल बर्बाद कर रहे थे, इसका पता लगाने की प्रक्रिया चल रही है।

पता चला है कि अलग-अलग वन क्षेत्र में आरक्षित वनों में आग लगाने के काम में अलग-अलग जेहादियों की टीम लगी हुई है। सात आरोपियों को वन विभाग की टीम ने रंगे हाथों दबोचा। उनसे मिले सुराग पर सुरक्षा एजेंसियां अलग-अलग दिशा में काम कर रही हैं। लैंसडौन वन प्रभाग के कोटद्वार रेंज में पकड़े गए एक आरोपी और दूसरी जगह से

23 नामजद समेत 196 पर मामला दर्ज, जनता को सतर्क किया गया

उत्तराखंड में यूसीसी लागू होने से नाराज जेहादी कर रहे ऐसी हरकतें

पकड़े गए छह अन्य आरोपियों से सघन पूछताछ चल रही है। भूमि संरक्षण वन प्रभाग लैंसडाउन के वन कर्मियों ने जंगल में आग लगाते हुए एक नेपाली नागरिक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। उसके तीन अन्य साथियों ने भी आरोपी के खिलाफ बयान दिए हैं। भूमि संरक्षण वन प्रभाग लैंसडाउन के जयहरीखाल रेंज अधिकारी बीडी जोशी ने बताया कि रविवार को वनकर्मी कुल्हाड़ के जंगल में लगी आग बुझाने के बाद वापस लौट रहे थे, तभी उनकी निगाह कुल्हाड़ मोड़ के समीप सड़क किनारे जंगल में आग लगाते एक व्यक्ति पर पड़ी। उसे दौड़ा कर पकड़ लिया गया।

घटना के चश्मदीद तीन लोगों राजेंद्र, सतीश कुमार और रंजीत सिंह ने पुलिस के समक्ष अपना बयान भी दर्ज कराया है।

गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध ने बताया कि रविवार को पौड़ी रेंज के तहत खिर्सू में आरक्षित वनों को आग से बचाने के लिए फॉरेस्टर जगदीश नेगी और उनकी टीम गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान टीम ने छह लोगों को खिर्सू के समीप आरक्षित वन में आग लगाते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया गया। विभाग के अनुसार पकड़े गए लोगों में मोसार आलम, नाजेफर आलम, फिरोज आलम, नुरूल, शालेम और एक अन्य शामिल है। ये सभी बिहार के रहने वाले हैं।उत्तराखंड के जंगलों में पिछले कई हफ्तों से आग लगी हुई है। यह आग लगातार बढ़ती जा रही है। 24 घंटों में प्रदेशभर में आग लगने की आठ नई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें से चार कुमाउं क्षेत्र में, दो गढ़वाल क्षेत्र में और दो अन्य वन्यजीव क्षेत्रों में हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने दिया संकेत, राहुल गांधी अर्बन-नक्सल

सम्पत्ति बंटवारे का विचार अर्बन नक्सल सोच

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कांग्रेस पर जमकर हमला बोल रहे हैं। राहुल गांधी के विचार पर सैम पित्रोदा के विरासत-कर के बयान पर प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को घेरा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह देश में कभी भी विरासत-कर लागू नहीं होने देंगे। पीएम मोदी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के सम्पत्ति बंटवारे के विचार को एक अर्बन नक्सल सोच बताया है। ऐसा कह कर पीएम मोदी ने राहुल गांधी के अर्बन-नक्सल होने का संकेत दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक विशेष साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने समझाया कि कैसे राहुल गांधी का सम्पत्ति बंटवारा विचार एक अर्बन नक्सल सोच है। पीएम मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा कि विरासत-कर की वकालत कांग्रेस की तरफ से की जा रही है जिसे भाजपा की सरकार कभी लागू होने नहीं देगी। पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस के एक नेता ने अमेरिका में एक इंटरव्यू दिया। उसमें उन्होंने विरासत-कर का जिक्र किया। इसमें आपकी सम्पत्ति का 55 प्रतिशत टैक्स

मैं विरासत संजोने की बात करता हूं, वे लूटने की बात करते हैं

लगता है। मैं अब विकास और विरासत की बात कर रहा हूं, लेकिन वे उस विरासत को लूटना चाहते हैं। यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं लोगों को बताऊं कि वे देश को किस दिशा में ले जा रहे हैं। अब आप ही तय करें कि आपको वहां जाना है या नहीं।

पीएम मोदी ने भाजपा का रुख स्पष्ट करते हुए कहा, भाजपा क्या योजना बना रही है, इसका जिक्र घोषणापत्र में किया गया है। हम अपने घोषणापत्र और कार्यों को लेकर देश के सामने आते हैं। पीएम मोदी से राहुल गांधी की जाति आधारित जनगणना के एक्स-रे वाले बयान पर भी सवाल किया गया।

इस पर प्रधानमंत्री ने कहा, एक्स-रे का मतलब है, हर घर में छापेमारी करना। अगर किसी महिला ने अपने घर में अनाज की जगह सोना छिपाकर रखा है तो उसका भी एक्स-रे होगा। उनके गहने जब्त कर लिए जाएंगे। भूमि को पुनः वितरित किया जाएगा। यह पूरी तरह से अर्बन नक्सल सोच है।

पहले दो चरणों में ही पीएम मोदी सौ सीटें जीत चुके : अमित शाह

मैनपुरी, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सौ सीटें जीत चुके हैं। सात चरणों के लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल और दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान हुआ था। केंद्रीय गृह मंत्री का दावा कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दलों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है।

उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा, दोनों राजकुमारों का खाता नहीं खुला है।

मेघालय में रोहिंग्या घुसपैठियों ने की जघन्य वारदात

आदिवासी लड़कियों से रोहिंग्याओं ने किया सामूहिक बलात्कार

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष मेघालय पहुंचे

नेपाल से हिंदू लड़कियों को भगा ले आया जेहादियों का गिरोह

अमपाती (मेघालय), 29 अप्रैल (एजेंसियां)। मेघालय दक्षिण-पश्चिम गारो हिल्स के अमपाती जिले में एक जनजातीय उत्सव के दरम्यान रोहिंग्या घुसपैठियों ने हमला बोल कर जनजातीय समुदाय की नाबालिग लड़कियों के साथ सामूहिक बलात्कार किया। लड़कियों के साथ रोहिंग्या घुसपैठियों ने बर्बर सलूक किए। मामला इतना संवेदनशील और सनसनीखेज था कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो को मेघालय पहुंचना पड़ा। उन्होंने जनजातीय उत्सव के दौरान नाबालिग लड़कियों पर हमले और उनके साथ किए गए सामूहिक बलात्कार के मामलों की तहकीकात की। घटना वाला इलाका असम और बांग्लादेश से सटा हुआ है। प्रियंक कानूनगो ने पीड़ितों और उनके परिजनों से मुलाकात की।

आदिवासी युवतियों के साथ हुए सामूहिक बलात्कारकांड में कुछ लोगों को गिरफ्तार किए जाने का दावा किया गया है। पुलिस का कहना है कि मुख्य आरोपी समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। साउथ वेस्ट गारो हिल्स पुलिस के प्रमुख विकास कुमार यादव ने बताया कि असम पुलिस के साथ किए गए संयुक्त ऑपरेशन में मांकचर से मुख्य आरोपी को पकड़ा गया। पुलिस प्रमुख ने कहा कि सामूहिक बलात्कारकांड में 12 से 15 आरोपी शामिल थे। इनकी उम्र 25-27 के बीच बताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि मेघालय की राजधानी शिलॉन्ग में मंगलवार 23 अप्रैल को 26 वर्षीय यूट्यूबर और उसकी दोस्तों के साथ भी सामूहिक बलात्कार की घटना प्रकाश में आई थी। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इंदौर के कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन वापस लिया

सूरत के बाद इंदौर भी निर्विरोध के रास्ते पर

कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए अक्षय कांति

इंदौर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय बम ने अपना नाम वापस ले लिया है। अब वे चुनाव मैदान में नहीं हैं। विधानसभा चुनाव में उन्होंने चार नंबर सीट से टिकट मांगा था, लेकिन तब कांग्रेस उन्हें टिकट नहीं दिया गया था। इस बार लोकसभा चुनाव में उन्हें प्रत्याशी बनाया गया था। अक्षय के चुनाव मैदान से हटने से इंदौर में भी भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी के निर्विरोध चुने जाने की संभावना है। सूरत में भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध जीते. अब इंदौर की बारी आने वाली है।

कांग्रेस प्रत्याशी के हटने से मध्य प्रदेश में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के गृह नगर इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय बम ने नाम वापस ले लिया। कांग्रेस प्रत्याशी चुनावी मैदान से बाहर हो गए। इससे इंदौर में भाजपा की जीत का रास्ता साफ माना जा रहा है।

कांग्रेस प्रत्याक्षी अक्षय बम सोमवार सुबह कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। उनके साथ भाजपा विधायक रमेश मेंदोला और एमआईसी मेंबर जीतू यादव थे। अक्षय ने नाम वापस लिया और फिर मेंदोला के साथ कार्यालय के बाहर निकल गए। कुछ देर बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने फेसबुक पर अक्षय के साथ फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि अक्षय का भाजपा में स्वागत है। वे अक्षय को लेकर सीधे भाजपा कार्यालय पहुंचे। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, इंदौर से कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय कांति बम का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नेतृत्व में भाजपा में स्वागत है।

आतंकी फंडिंग की आशंका पर केंद्र ने जारी की चेतावनी

खुफिया एजेंसियों के निशाने पर दो दर्जन लोग और संस्थाएं

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। आतंकी फंडिंग की जांच के लिए देश की वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने पूंजी बाजारों, बीमा कंपनियों, ऑनलाइन भुगतान गेटवे मध्यस्थों और क्रिप्टोकरेंसी सेवा प्रदाताओं के लिए ताजा चेतावनी जारी की है। यह चेतावनी धनशोधन रोधी व आतंकवाद विरोधी फंडिंग व्यवस्था के तहत इनके चैनलों में संदिग्ध लेनदेन की प्रभावी जांच के लिए जारी की गई है। करीब दो दर्जन लोगों और संस्थाओं को आतंकी फंडिंग और अन्य संदेहास्पद गतिविधियों के लिए पहचान की गई है। इन पर निगरानी रखी जा रही है। धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। ये दिशा-निर्देश धनशोधन रोधी और आतंकवाद के फंडिंग का मुकाबला करने (सीएफटी) की व्यवस्था का हिस्सा है। इसके मुताबिक, वित्तीय संस्थानों और बिचौलियों को संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) एफआईयू के साथ साझा करनी होगी।

वित्तीय संस्थानों और एजेंटों को देनी होगी लेन-देन की रिपोर्ट

मनी-लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर प्रभावी रोक की तैयारी

एफआईयू रिपोर्ट का विश्लेषण कर इन्हें विभिन्न जांच एवं खुफिया एजेंसियों को भेजा जाएगा।

नए दिशानिर्देशों में प्रतिभूति बाजार लेनदेन के संबंध में एफआईयू को जानकारी पाने के तरीके में रणनीतिक बदलाव किया गया है।

चुनाव ड्यूटी में यूपी के कर्मचारियों को लाने की मांग

माधवी लता को योगी के शासन पर भरोसा

फिर क्या मजाल कि ओवैसी गड़बड़ी कर लें

हैदराबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। माधवी लता को हैदराबाद की नई सनसनी के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा प्रत्याशी के बतौर माधवी लता चार बार के सांसद ऑल इंडिया-मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी को सीधी चुनौती दे रही हैं। सियासत में नई हैं, किंतु दांव-पेच में एकदम माहिर।माधवी लता ने कहा, हैदराबाद में सामाजिक सेवा करते हुए हमने सिर्फ गरीबी नहीं देखी, और भी बहुत कुछ देखा है। 40 साल से राज करने वालों ने गरीबों का गलत फायदा उठाया।

राजनीति में लोग पैसा खा लेते हैं, गरीब-गरीब रह जाते हैं। लेकिन यह मुद्दा नहीं है यहां पर। मुद्दा है, लोगों को भड़काना, उन्हें गलत दिशा में ले जाना। मजहब की बात कर मजहब वालों की तरक्की का कोई काम नहीं करना। उनके अपने पसमांदा मुसलमान तक ओवैसी से नाखुश हैं।माधवी लता कहती हैं, डर कभी देखा नहीं मैंने। किसी ने देखा क्या, मुझमें कोई डर? जो इंसान सच के सहारे लड़ता है, उसको डर किस बात का? डर तो असदुद्दीन ओवैसी को होना चाहिए, क्योंकि आज तक उनका सच सामने लाने कोई आया नहीं। 30 अप्रैल को पीएम मोदी के हैदराबाद आने की चर्चा के बारे में पूछने पर माधवी लता ने कहा, मोदीजी हमारे पिता समान हैं। उनकी आज्ञा से हम आगे बढ़े हैं। अभी हमारे दिमाग में बस एक ही मुद्दा है असदुद्दीन को उखाड़ फेंकने का।

कार्टून कॉर्नर

गृह मंत्री का फर्जी वीडियो जारी करने का मामला अत्यंत गर्म

दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना के सीएम को तलब किया

एक मई को पूछताछ के लिए दिल्ली बुलाए गए रेवंत

चुनाव के वक्त की गई साजिश में कई दिग्गज लिप्त

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एडिटेड वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। नोटिस के मुताबिक सीएम रेड्डी समेत पांच लोगों को एक मई को दिल्ली बुलाया गया है। इन सभी ने अमित शाह को लेकर बने फर्जी वीडियो को सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट किया था। दिल्ली पुलिस ने सीएम रेड्डी को वह मोबाइल फोन को भी साथ लाने को कहा है जिससे उन्होंने उक्त वीडियो पोस्ट किया था।

फर्जी वीडियो मामले में एक आरोपी गिरफ्तार, कई रडार पर

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जुड़े फर्जी वीडियो मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम रीतम सिंह है। चुनाव के समय किए गए इस आपराधिक कृत्य को लेकर दिल्ली पुलिस पूरी तरह एक्टिव हो गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किस-किस व्यक्ति और दल ने गृह मंत्री अमित शाह का फर्जी वीडियो शेयर किया, उसका पता लगाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल उन सभी सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नजर रख रही है, जो इस वीडियो को पोस्ट कर रहे हैं, या पोस्ट करने के बाद उसे डिलीट कर रहे हैं।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,580/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 83,445/- (प्रति किलोग्राम)

अरिहंत एवेंजर्स ने जीता मोतीलाल मुणोत कप

श्री स्ट्राइकर्स उपविजेता रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री काँठाप्रांत युवक परिषद, बेंगलूरु द्वारा आयोजित केपीप-ीएल-6 मोतीलाल मुणोत कप क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब अरिहंत एवेंजर्स ने जीत लिया। एम. जी. कॉलोनी स्थित रेलवे ग्राउंड में आयोजित रोमांचक फाइनल मुकाबले में सुरेंद्र गुन्देचा के स्वामित्व वाली अरिहंत एवेंजर्स टीम ने अंतिम ओवर में तीन छक्के लगाकर धर्मीचंद डंक के स्वामित्व वाली श्री स्ट्राइकर्स को हराकर खिताब अपने नाम किया। प्रवीण सुराणा को प्रतियोगिता का मैन ऑफ द सिरीज, प्रतीक सेहलोत को बेस्ट बल्लेबाज तथा प्रवीण सुराणा को बेस्ट गेंदबाज चुना गया। महेंद्र मुणोत के मुख्य, ललित गांधी के फूड, राजेंद्र कोटरिया के खिलाड़ी नीलामी, विनोद चानोदिया के जर्सी, शांतिलाल सुराणा के पारितोषिक, उत्तमचंद भलगट के गिफ्ट, वसंतराज पितलिया के पेवेलियन, अमरचंद डागा के हिट ए सिक्स व हसमुख लुणिया के ड्रिंक्स प्रायोजन में आयोजित इस प्रतियोगिता के 20 लीग मैंच बेल व रेलवे ग्राउंड में तथा क्वार्टर-सेमी व फाइनल मुकाबलें रेलवे ग्राउंड पर खेले गये। भंवरलाल शांतिलाल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा प्रतियोगिता के प्रत्येक छक्के पर निश्चित धन राशि काँठा परिषद की डायलिसिस योजना में प्रदान की गई। पारितोषिक समारोह में परिषद के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप सम्मिलित भारतीय सेना के मेजर प्रदीप सेहलोत ने युवाओं को प्रेरणा देते हुए कहा कि अगर मन में कुछ करने का जज्बा हो तो दुनिया का कोई भी कार्य कठिन नहीं है। उनका परिचय खेल समिति सदस्य शेखर चानोदिया ने दिया। मुख्य प्रायोजक महेंद्र मुणोत ने कहा कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से न केवल काँठा समाज के युवाओं में मेलजोल बढ़ता है अपितु सैकड़ों की संख्या में मैंच देखने को उमड़े काँठाप्रांतीय दर्शकों से एक मिनी सम्मेलन जैसा आभास होता है। विजेताओं को शुभ कामनाएँ देते हुए राजेंद्र कोटरिया ने कहा कि काँठा प्रांत के युवाओं को खेल प्रतिभा दिखाने का यहां अच्छा अवसर मिलता है। विशेष अतिथि के रूप से उपस्थित जीतो साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने जीतो की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं का विवरण रखा। काँठा समाज के श्रीपाल खींवेसरा ने कहा कि युवा इस मंच से खेल के साथ-साथ उचित व्यवसायिक अवसर भी खोज सकते है। केपीपीएल संयोजक विजय गुगलिया एवं सह संयोजक अमित कोठारी के अनुसार मेजर प्रदीप सेहलोत की माता किरणबाई सेहलोत ने विजेता एवं उपविजेता टीम के मलिकों को सेना का एक प्रत्येक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इनकी रही उपस्थिति

उन्होंने सफल आयोजन में समर्पण भाव से कार्य करने वाले परिषद के ट्रस्टियों व खेल समिति सदस्यों का आभार व्यक्त किया। विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी व नकद पुरस्कार तथा सभी खिलाड़ियों को मेडल प्रदान की गई। इस अवसर पर सभी प्रायोजकों व टीम मलिकों के साथ विशेष अतिथियों के रूप में डा. प्रकाश मुणोत, हुकमीचंद भलगट, पारसमल बोहरा, प्यारेलाल टपरावत, रमेशचंद बोहरा के साथ समाज के कई गणमान्य नागरिक तथा सैकड़ों की संख्या में दर्शक उपस्थित थे। राष्ट्रगान से प्रतियोगिता का समापन हुआ। संचालन परिषद के मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने किया।

भाषा साहित्य मंच की त्योहारों पर आधारित गोष्ठी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाषा साहित्य मंच की अप्रैल माह की त्योहारों पर आधारित गोष्ठी गूगल मीट से ऑनलाइन सम्पन्न हुई। यह गोष्ठी नव वर्ष, नवरात्रि, राम नवमी, हनुमान जयंती आदि पर्वों पर आधारित थी। सर्वप्रथम मंच की संस्थापिका अध्यक्षा डॉ उषा श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलन के साथ गोष्ठी का शुभारंभ किया।

प्रत्येक कार्यक्रम की तरह गोष्ठी में स्वर एवं विद्या की देवी सरस्वती जी का आहवान डॉ कविता सिंह ने सरस्वती वंदना गाकर किया। उषा श्रीवास्तव ने स्वागत उद्बोधन किया। तत्पश्चात देश के विभिन्न प्रदेशों से ही नहीं अपितु विदेश से भी सदस्यों ने ज्ञानवर्धक, सुरीली एवं मनमोहक प्रस्तुतियां दी। गोष्ठी में डॉ सीमा भाँति, शकुन्तला श्रीवास्तव, डॉ. वत्सला किरण, डॉ भूमिका श्रीव-ास्तव, भगवती गौड़, अचला प्रवीन, डॉ नीता सिंह, मंजु तँवर, अर्चना सिंह, सरिता श्रीवास्तव, सुषमा सुनील कुलश्रेष्ठ, नलिनी पोपट, पूनम कटियार, कविता सिंह और प्रवीणा कुलश्रेष्ठ ने उत्कृष्ट प्रस्तुतियों द्वारा मंच पर भक्ति प्रवाह कर आनन्दमय बना दिया तथा सभी सदस्यों में आशा एवं स्फूर्ति का संचार कर दिया। डॉ. वत्सला किरण ने अपने अध्यक्षीय भाषण द्वारा सभी सदस्यों को अनुगृहीत किया। अंत में पूनम कटियार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2623वें जन्म कल्याणक महोत्सव पर तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा अयोजित निःशुल्क बोन मिनरल डेंसिटी चेक-अप, त्वचा संबंधित रोग परामर्श कैंप एवं नमस्कार महामंत्र जाप की व्यवस्था में सराहनीय सेवाएं प्रदान करने के लिए सम्मानित किया गया। जैन युवा संगठन के पदाधिकारियों ने तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना और सुनील मेहता को सम्मानित किया।*

मेघवाल ने प्रवासी बंधुओं से की चाय पर चर्चा

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के कद्दावर नेता और भारत सरकार के कानून एवं विधि मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने हुब्बल्ली प्रवास के दौरान एमडब्ल्यूबी ग्रुप के कॉर्पोरेट ऑफिस एमडब्ल्यूबी प्लाजा का दौरा किया और वहां पर उपस्थित प्रवासी राजस्थानी बंधुओं से विभिन्न मुद्दों पर चाय पर चर्चा की। साथ ही भाजपा प्रत्याशी प्रल्हाद जोशी के पक्ष में मतदान करने का निवेदन किया। इस दौरान एमडब्ल्यूबी ग्रुप के प्रमुख व स्थानकवासी समाज के अध्यक्ष उकचंद बाफना, दादावाड़ी ट्रस्ट व अखिल भारतीय राजस्थानी युवा मंच के अध्यक्ष रमेश बाफना, भारतीय जैन संघठना (बीजेएस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम बाफना, राकेश बाफना, मुकेश बाफना, श्रीपाल बाफना ने मंत्री को सम्मानित किया। इस दौरान अखिल भारतीय राजस्थानी युवा मंच के अध्यक्ष रमेश बाफना ने केंद्रीय मंत्री मेघवाल को विश्वास दिलाया कि प्रवासी राजस्थान समाज सदैव भाजपा के साथ रहकर विश्व के सर्वमान्य नेता मोदी के 400 पार के लक्ष्य पर कार्य करेगा और केंद्रीय मंत्री जोशी को 4 लाख से अधिक मतों से जीता कर दिल्ली पुनः भेजेंगे। इस दौरान जैन युवा मंच के अध्यक्ष इन्दर जैन, मारवाड़ी युवा मंच हुब्बल्ली के अध्यक्ष सुभाषचंद्रा डंक, सुथार समाज के पूर्व अध्यक्ष हरीश सुथार, उसब संकलेचा, अशोक शारश्वत, हेमल चोपड़ा, हरीश सुथार, प्रकाश समब्रानी अन्य लोग मौजूद थे।

कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का दीक्षांत समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में कॉन्फिडेंट पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला के दीक्षांत समारोह का आयोजन तेरापंथ सभा भवन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष-अभातेयुप पवन मांडोत की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया गया। एचबीएसटी संचालित महाश्रमण सुर संगम द्वारा विजय गीत के संगान उपरान्त श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन पवन मांडोत ने कराया। तेयुप एचबीएसटी अध्यक्ष अंकुश बैद ने सभी का स्वागत किया। मुख्य अतिथि प्रकाशचंद लोढ़ा ने अभातेयुप के इस आयाम की प्रशंसा की और सभी सहभागियों से कहा कि ऐसे आयोजन समाज में नई प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर प्रदान करती है। राष्ट्रीय प्रभारी सीपीएस व प्रशिक्षक दिनेश मरोठी, राष्ट्रीय प्रशिक्षक विनीत सिंघवी, आयाम सलाहकार सीपीएस सतीष पोरवाड़, संभाग प्रमुख बेंगलूरु अमित दक, सभा अध्यक्ष तेजमल सिंघवी ने अपने विचार व्यक्त किए। 21 सहभागियों ने अपनी प्रस्तुति दी। तत्पश्चात् परिषद् द्वारा उन्हें प्रमाणपत्र दिए गए। 6 श्रेष्ठ सहभागियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। सभी पधारे हुए अतिथियों का जैन पट से सम्मान किया गया। इस अवसर पर अभातेयुप से एमबीडीडी प्रभारी आलोक छाजेड, गौतम खाब्या, रोहित कोठारी, राष्ट्रीय प्रशिक्षक पद्मम संचेती, एचबीएसटी निवर्तमान अध्यक्ष महावीर चावत, परमार्शक महावीर बोल्या, धर्मेश कोठारी, विक्रम पुगलिया, कार्यकारिणी सदस्य गण, महिला मंडल अध्यक्षा सरोज दूगड़, तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष कमलेश गन्ना समेत अन्य लोगों की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक ललित बाफना, मोहित भण्डारी, दीपक बोल्या, उपाध्यक्ष महावीर कटारिया, उपाध्यक्ष द्वितीय विजय कटारिया, सह मंत्री द्वितीय सुमित चिंडालिया, संगठन मंत्री दीक्षित सोलंकी का विशेष श्रम रहा। आभार मंत्री राजीव हिरावत ने व्यक्त किया।

कांग्रेस ने ओबीसी वर्गों के साथ किया अन्याय: सीटी रवि

आरक्षण को तत्काल वापस लिया जाये

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार आरक्षण के मुद्दे पर पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ अन्याय कर रही है।

जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने मांग की कि पिछड़े वर्ग को दिये गये आरक्षण में कटौती कर सरकार द्वारा मुसलमानों को दिये गये आरक्षण को तत्काल वापस लिया जाये। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो एक संवैधानिक विशेषज्ञ और वकील हैं, को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या उन्होंने जो किया है वह संविधान के अनुरूप है। उन्होंने कहा, यदि वह ऐसा नहीं करते हैं, तो पिछड़े वर्ग के लोग उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आई तो ऐसा कुछ नहीं होने देगी। इस प्रकार कांग्रेस सरकार ने पिछड़े वर्ग को एक कवच दिया है। रवि ने बताया कि ओबीसी के नाम पर वोट बैंक की राजनीति हो रही है। राज्य में शिक्षा व्यवस्था चरमरा गयी है।

शिक्षा मंत्री को पता ही नहीं कि वह क्या बात कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कक्षा 5, 8 और 9 के लिए सार्वजनिक परीक्षा की घो-षणा करने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई है। सीईटी प्रश्नपत्रों में, प्रश्न पाठ के बाहर से आते हैं। केपीएससी में भी भ्रम की स्थिति है। मुख्यमंत्री ने इस पर चुप्पी साध रखी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बच्चों के भविष्य को लेकर जानबूझकर चुप्पी साध रखी है। देश में भाजपा तीन मुद्दों नीति, नेतृत्व और प्रतिबद्धता पर लोगों से वोट मांग रही है। बीजेपी का मानना है कि देश पहले है। विदेश नीति से लेकर आंतरिक सुरक्षा तक नीति एक जैसी है। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास ही भाजपा का मूल मंत्र है। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भाजपा में चार जातियां हैं। गरीब, किसान, महिलाएं और युवा।

उसे प्रगति की ओर ले जाने की कई योजनाएं हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया मोदी की लोकप्रियता और सक्षम नेतृत्व की प्रशंसा कर रही है। कांग्रेसियों का दावा है कि गारंटी शब्द उनका अपना है और वे इसे अपना पेटेंट कहते हैं। कोटेशन के अनुसार गारंटी योजना लागू की गई है। रवि ने आरोप लगाया कि वे प्रचार कर रहे हैं कि उन्होंने सरकारी खजाने से पैसा दिया है।

कांग्रेस की गारंटी बहुत बड़ा धोखा है, राजनीतिक चाल है। जैसे केंचुओं का उपयोग मछली पकड़ने के लिए किया जाता है, वैसे ही यह गारंटी है। उन्होंने कहा कि मछली मिलने के बाद वे मसालों का चयन करते हैं।

मोदी की गारंटी गरीबों के जीवन को बदलने की क्षमता रखती है। इन दस वर्षों में देश के 25 करोड़ गरीब लोग मध्यम वर्ग तक पहुंच गये हैं।

उन्होंने कहा यह बीजेपी का कार्यक्रम है। इस बार एनडीए राज्य की सभी 28 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी द्वारा धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र में किए गए विकास कार्य लोगों के मन में हैं। आईआईटी, दुनिया का सबसे बड़ा रेलवे प्लेटफार्म, अस्पताल, हाईवे आदि कार्य हैं। धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि जोशी फिर से चुने जाएंगे।

सूखा राहत के मामले में भी प्रदेश कांग्रेस केंद्र में उल्लू बैठाकर बदनामी फैला रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कोर्ट ने इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं किया है।

गुड पेरेंटिंग कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल बेंगलूरु गांधीनगर द्वारा गुड पेरेंटिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का प्रारम्भ नमस्कार महामंत्र के द्वारा किया गया।

महिला मंडल अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने आए हुए सभी का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की परामर्शिका लता जैन ने आत्मा के सिंचन का मार्ग प्रेक्षा ध्यान के बारे में बताते हुए 'अर्हम ध्वनि 'के सुंदर प्रयोग करवाये। उपसिका उर्मिला सुराणा ने महाप्राण ध्वनि के प्रयोग से मन को कैसे शांत किया जाता है के बारे में प्रयोग करवाया। इस कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक शासन सेवी, युवारत्न बजरंग जैन ने विषय पर अपनी प्रस्तुति देते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों के साथ दोस्त बनकर रहना चाहिए और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करते रहे। बात-बात पर उन्हें टोका टोकी ना करें। बच्चों के खान-पान पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बच्चों को बादाम, काली मिर्च और ब्राह्मी का सेवन जरूर करवाएं। पर्याप्त नींद बच्चों को लेनी चाहिए। बच्चों को प्रारम्भ से ही पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ना की एग्जाम टाइम के पास पढ़ाई के लिए दबाव दें। बच्चों को सबसे बढ़िया समय है सुबह जल्दी उठकर पढ़ाई करना, ना की रात को क्योंकि उस समय हमारे न्यूरॉन्स डीएक्टिवेट रहते हैं जो रात को पढ़ा हुआ हमें याद भी नहीं रहता। सुबह जल्दी उठकर पढ़ने से बहुत फायदे रहते हैं। इस तरह से हमें बहुत सारे सूत्र बताए जिससे हम अपने बच्चों के सही भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। इस कार्यशाला में सहमंत्री वीणा पोरवाल, प्रचार प्रसार मंत्री संगीता आंचलिया आदि की उपस्तिथि थी। संगठन मंत्री पवन संचेती ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं आभार ज्योति डूंगरवाल ने व्यक्त किया।

एटीडीसी राजाजीनगर में ज्वाइंट स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यरो। तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्रोस्टिक सेंटर राजाजीनगर में अहमदाबाद के सुप्रसिद्ध ऑर्थो सर्जन डॉक्टर धीरज मरोठी के निर्देशन में ज्वाइंट स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया। रियायती दरों पर समायोजित यह शिविर प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक चला। एपिक मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल अहमदाबाद के डॉ धीरज मरोठी ने मरीजों की हड्डी से संबंधित समस्याओं का उचित समाधान प्रदान किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में तेयुप अध्यक्ष रजत बैद एवं तेरापंथ सभा राजाजी नगर अध्यक्ष रोशन लाल कोठारी ने डॉ मरोठी का स्वागत किया। शिविर में 25 लाभार्थियों ने परामर्श प्राप्त किया। संयोजक विनय बैद ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में एटीडीसी पैलेस गुट्टहल्ली संयोजक विनोद कोठारी, उपाध्यक्ष आलोक कुंडलिया, सह मंत्री संदीप चोपड़ा, प्रदीप चोपड़ा, अंकित छाजेड़, वंदना कोठारी, जतिन बोराणा एवं पंकज मांडोत का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

उत्तर प्रदेश सेवा मंडल का होली उत्सव सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश सेवा मंडल का होली उत्सव रविवार को गांधीनगर में स्थित वैष्णो समाज में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मंडल के पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित के साथ समारोह की शुरुआत हुई। अध्यक्ष के के दुबे ने सभी पधारे हुए अतिथियों, सदस्यों महिलाओं व बच्चों का स्वागत करते हुए मंडल की सेवा कार्यों में सहयोग देने के लिए समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं दानदाताओं की सराहना की। होली में महिलाओं व बच्चों, युवाओं सहित सभी लोगों ने संगीत का आनंद उठाया। प्रवीण मिश्रा और नरेश रश्मि लहरी समेत अन्य ने सदाबहार व फिल्मी होली के गीतों के साथ आनंद लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डी-सीपी लोकायुक्त वलीपाषा भी मौजूद रहे। इस अवसर पर सचिव वीके पटेल, कोषाध्यक्ष विवेक गोयल, पूर्व अध्यक्ष नरेंद्र गर्ग, गोपाल चौरसिया, एन के गुप्ता, प्रमोद जैन, छोटेलाल चौरसिया, अजय जैन, अशोक शर्मा, जितेंद्र गुप्ता, सूरज गोयल, सुभाष अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, पूर्व सचिव योगेश मित्तल एवं समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा ने किया।

भाजपा को प्रज्वल रेवन्ना के वीडियो पर अपना रुख करना चाहिए स्पष्ट: लक्ष्मी हेब्बालकर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।
महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने सोमवार को मांग की कि भाजपा को महिलाओं के यौन उत्पीड़न को दिखाने वाले वीडियो पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए, जहां जद (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना, जिस पार्टी के साथ भाजपा गठबंधन में है, को फंसाया गया है। यहां पत्रकारों से वार्ता में हेब्बालकर ने कहा कि सैकड़ों महिलाओं के साथ प्रज्वल के वीडियो सामने आने से उनका सिर शर्म से झुक गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता देवराजगौड़ा और पूर्व विधायक प्रीतमगौड़ा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा

प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र को प्रज्वल के यौन उत्पीड़न के वीडियो के बारे में अवगत कराया था। इसके बावजूद भाजपा ने राजनीतिक लाभ के लिए लोकसभा चुनाव में जद (एस) के साथ गठबंधन किया। जिन परिस्थितियों में ये महिलाएं शिकार बनीं, उनका पता जांच के बाद लगाया जाएगा। यह देखना होगा कि क्या प्रज्वल ने एक सांसद के रूप में अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया या उन्हें अन्य आश्वासनों का लालच दिया। जब नेहा हिरेमथ की हत्या हुई तो भाजपा नेताओं ने राज्य भर में विरोध प्रदर्शन किया। लेकिन जब प्रज्वल के 'कर्मकांड' की बात आती है तो वही नेता अंधे और बहरे की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि बेलगाम संसदीय क्षेत्र से लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार जगदीश शेट्टर ने नेहा की हत्या की घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था, लेकिन अपने गठबंधन सहयोगी नेता के विकृत कृत्यों के बारे में चुप हैं। उन्होंने मांग की कि जब पूर्व विधायक संजय पाटिल ने मेरा अपमान किया था, शेट्टर और सांसद मंगल अंगड़ी हंस रहे थे। अंगड़ी ने नेहा की हत्या का विरोध किया था और अब उन्हें प्रज्वल के कृत्यों का भी विरोध करना चाहिए। हेब्बालकर ने कहा कि सैकड़ों महिलाएं प्रज्वल की हरकतों का शिकार हो चुकी हैं। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक का यह कहना कि जद (एस) नेता इस बारे में बोलेंगे, स्वीकार्य नहीं है। भाजपा को अपना रुख बताना चाहिए। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे और स्मृति ईरानी भी चुप हैं। चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली में नेहा की हत्या के बारे में बात की, लेकिन प्रज्वल के वीडियो के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा गया। जब उडुपी के एक कॉलेज में बाथरूम में लड़कियों के वीडियो बनाए जाने की घटना सामने आई थी, तब राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्यों ने कॉलेज का दौरा किया था, लेकिन उनमें से कोई भी हासन नहीं आया। हमें बताया गया है कि प्रज्वल के मामले में पीड़ित 16 से 60 वर्ष की आयु के थे। उनमें से कुछ शहर नगर परिषद आयुक्त, पुलिस अधिकारी और अन्य अनुसूचित जाति/जनजाति से भी थे। कुछ तो भवानी रेवन्ना के रिश्तेदार भी थे। सरकार ने मामले की जांच के लिए बी के सिंह के नेतृत्व में विशेष जांच दल का गठन किया है। उन्होंने कहा हम चाहते हैं कि सरकार इंटरपोल की मदद ले क्योंकि प्रज्वल विदेश चला गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री, भाजपा नेता वी श्रीनिवास प्रसाद का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
चामराजनगर के सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता वी श्रीनिवास प्रसाद का सोमवार की सुबह बेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। प्रसाद ने 17 मार्च को अपने राजनीतिक करियर की स्वर्ण जयंती के अवसर पर अपनी राजनीतिक सेवानिवृत्ति की घोषणा की थी। हालाँकि, मैसूरु के जयलक्ष्मीपुरम में उनका निवास राजनीतिक व्यस्तताओं के साथ सक्रिय रहा। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा सहित कांग्रेस और भाजपा दोनों के नेत-ाओं ने उनसे मुलाकात की और उनका समर्थन मांगा।

लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र समेत कई नेताओं ने उनके आवास का दौरा कर उनसे मुलाकात की थी। 2 अप्रैल को, प्रसाद के रिश्तेदार और समर्थक, जिनमें उनके भाई वी रामास्वामी और भतीजे भरत रामास्वामी शामिल थे, सिद्धरामैया के नेतृत्व में कांग्रेस में शामिल हो गए। इस बीच, प्रसाद के दामाद डॉ. एनएस मोहन और पूर्व विधायक बी. हर्षवर्द्धन ने कई चुनावी बैठकों में हिस्सा लिया, जिनमें 14 अप्रैल को मैसूरु में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई बैठक भी शामिल थी। 6 जुलाई, 1947 को मैसूरु के अशोकपुरम में एम वेंकटैया और डी वी पुट्टम्मा के घर जन्मे प्रसाद ने 17 मार्च, 1974 को कृष्णराज विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में निर्दलीय के रूप में अपनी चुनावी यात्रा शुरू की। उनका 1972 तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ पुराना जुड़ाव था और वह जनसंघ और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) में सक्रिय थे। एक दलित नेता के रूप में उनके राजनीतिक कद के अलावा, उनकी बौद्धिक गतिविधियों के लिए भी उनकी प्रशंसा की जाती थी। प्रसाद ने 14 चुनाव लड़े, जिनमें से आठ में जीत हासिल की। इनमें से उन्होंने चामराजनगर निर्वाचन क्षेत्र से नौ लोकसभा चुनाव लड़े और छह में जीत हासिल की। उन्होंने लोकजनशक्ति सांसद का प्रतिनिधित्व करते हुए 1999 से 2004 तक एबी वाजपेयी मंत्रिमंडल में केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्य किया। इसके अतिरिक्त, वह दो बार विधायक के रूप में चुने गए और कर्नाटक के राजस्व मंत्री के रूप में कार्य किया। उनकी राजनीतिक यात्रा कांग्रेस में जाने से पहले 1980 में जनता पार्टी के साथ शुरू हुई, बाद में जनता दल (यूनाइटेड) में शामिल हो गए और फिर कांग्रेस में लौट आए। 2016 में, सिद्धरामैया के मंत्रिमंडल से हटाए जाने के बाद उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन किया। प्रसाद के परिवार में उनकी पत्नी भाग्यलक्ष्मी और तीन बेटियां हैं। उनका पार्थिव शरीर सोमवार सुबह 7.30 बजे उनके आवास पर पहुंचा और जनता के सम्मान के लिए सुबह 9 बजे मैसूरु के दशहरा प्रदर्शनी मैदान में रखा गया। कई राजनीतिक नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्य में रिकॉर्ड तापमान से बेंगलूरु बेहाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले साल की मानसूनी बारिश की तरह इस बार प्री-मानसून बारिश के विफल होने से राज्य में धूप बढ़ती जा रही है। राजधानी बेंगलूरु में अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि रायचूर में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बेंगलूरु में रविवार को अधिकतम तापमान 38.5 प्रतिशत दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने कहा, यह भी एक रिकॉर्ड तापमान है। 25 अप्रैल 2016 को बेंगलूरु शहर का तापमान 39.2 डिग्री सेंटीग्रेड दर्ज किया गया था।

3 अगस्त 1999 को उच्चतम तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस और 25 अप्रैल 2016 को केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 38.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। बेंगलूरु में रविवार को 8 साल का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। मार्च और अप्रैल के महीनों में गर्मी या प्री-मानसून बारिश आम है। अप्रैल के मध्य में राज्य के कुछ हिस्सों में हुई बारिश के अलावा राज्य में अच्छी बारिश नहीं हुई है। अधिकतम तापमान में इस वृद्धि के कारण गर्म हवा का वातावरण देखने को मिल रहा है। इससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ी है। न केवल लोगों को बल्कि मवेशियों और जंगली जानवरों को भी पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कर्नाटक एक प्रकार से धूप भूमि बन गया है। कर्नाटक के कल्याण भाग में अधिकतम तापमान 40 डिग्री से अधिक है।

बेलगावी हवाई अड्डे पर 34.4, बीदर में 39.8, विजयपुरा में 41.2, बागलकोट में 42.3, धारवाड़ में 40.2, कलबुर्गी में 42.9, हावेरी में 39.8, कोप्पल में 42, चामराजनगर में 40.1, चित्रदुर्ग में 39.8, दावणगेरे में 39.6, शिवमोग्गा में 38.4 डीसी दर्ज किया गया। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक राज्य में शुष्क हवा जारी है और फिलहाल अच्छी बारिश के कोई संकेत नहीं हैं। लेकिन मई के पहले सप्ताह में बेंगलूरु सहित राज्य के कुछ अंतर्देशीय हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है।

अश्लील वीडियो मामला

कुमारस्वामी ने प्रज्वल रेवन्ना से दूरी बनाई, पार्टी विधायकों ने की बर्खास्तगी की मांग

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
जेडीएस के सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित अश्लील वीडियो मामले पर विवाद के बीच कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि अगर कोई भी गलत काम में शामिल है तो उसे कानूनी प्रावधानों के मुताबिक सजा भुगतनी होगी।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एचडी कुमारस्वामी ने कथित वीडियो जारी करने के समय पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यह तीन दिन पहले किसने जारी किया और अब क्यों जारी किया, पहले क्यों नहीं जारी किया गया? चुनाव के समय पुराना मुद्दा क्यों जारी किया? अभी इसके बारे में नहीं बताऊंगा। एसआईटी का गठन हो चुका है और सच सामने आने दीजिए। जिन्होंने गलतियां की हैं उन्हें सजा भुगतनी होगी। देश के कानून के मुताबिक जो गलतियां करेंगे उन्हें सजा भुगतनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि इस घटना

का लोकसभा चुनाव के नतीजों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना हासन से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। जहां तक हासन चुनाव की बात है तो हमें प्रत्यक्ष जानकारी है कि हमारा उम्मीदवार जीतेगा।

ऐसा हर कोई कह रहा है। मैं कांग्रेस नेताओं से पूछना चाहता हूं कि इसमें परिवार का नाम क्यों लाया गया। यह कोई पारिवारिक मुद्दा नहीं है कि इसमें कुमारस्वामी और देवेगौड़ा का नाम लाया जाए। एसआईटी का गठन किया गया है और सच्चाई सामने आने दीजिए। प्रज्वल रेवन्ना के देश से भागने की खबरों पर उन्होंने कहा क्या वह मुझसे पूछकर हर दिन जाएंगे? सरकार को उन्हें वापस लाने का फैसला लेने दीजिए। हमें पहले इसके बारे में कुछ भी नहीं पता था। अगर मुझे इसके बारे में पता होता तो मैं सब कुछ रोक देता, यह एक व्यक्तिगत मामला है, मैं हर दिन उसके पलों की जांच कैसे कर सकता हूं? उन्होंने कहा यह रेवन्ना के परिवार का मुद्दा है, हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं है, वे चारों अलग-अलग रह रहे हैं। अगर कोई यह मुद्दा लेकर आया होता तो यह उसी समय सुलझ गया होता। इससे पहले पार्टी विधायक शरण गौड़ा कंडाकुर ने पार्टी अध्यक्ष एचडी देवेगौड़ा को पत्र लिखकर कथित अश्लील वीडियो मामले में प्रज्वल रेवन्ना को पार्टी से निष्कासित करने की मांग की। कंडाकुर ने कहा कि एचडी देवेगौड़ा के पोते का निष्कासन पार्टी को और शर्मिंदगी से बचाएगा। जेडीएस के एक अन्य विधायक समृद्धि मंजूनाथ ने भी इस मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए शर्मिंदगी का विषय बन गया है। राज्य में न केवल पार्टी के आम कार्यकर्ता शर्मिंदा हैं, बल्कि पार्टी का नाम लेना भी शर्मनाक हो गया है। पहली बार विधायक होने के नाते, मैं मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दे पा रहा हूं। ऐसे में एच.डी. देवेगौड़ा को उचित निर्णय लेना चाहिए। प्रज्वल रेवन्ना राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार के रूप में हासन से निचले सदन में एक नया कार्यकाल चाह रहे हैं और उनका मुकाबला कांग्रेस के श्रेयस पटेल से है। कर्नाटक सरकार ने सांसद रेवन्ना के खिलाफ कथित अश्लील वीडियो मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। आईपीएस अधिकारी विजय कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली एसआईटी, जिसमें डीजी सीआईडी सुमन डी पेनेकर और आईपीएस अधिकारी सीमा लाटकर शामिल हैं, ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पेन ड्राइव मामले में उनके परिवार के खिलाफ साजिश:एचडी रेवन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के पूर्व मंत्री और विधायक एचडी रेवन्ना ने पलटवार करते हुए कहा कि पेन ड्राइव मामले में उनके परिवार के खिलाफ साजिश की गई है और वह इससे डरने वाले नहीं हैं। शहर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह इससे डरेंगे नहीं बल्कि उनके परिवार पर लगे आरोपों के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। पिछले 40 सालों से पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के परिवार को सीओडी, लोकायुक्त समेत कई जांचों का सामना करना पड़ा है। पहले ही तय हो गया था कि सांसद प्रज्वल रेवन्ना विदेश जाएंगे। राज्य सरकार की एसआईटी जांच कर रही है, कानून के मुताबिक इसकी जांच हो। उन्होंने कहा कि एसआईटी के बुलाने पर प्रज्वल पेश होंगे, चार-पांच साल पहले की कहानी लेकर आये हैं और अब शिकायत दर्ज करायी गयी है। ये सब राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि एसआईटी पेन ड्राइव मामले की जांच कर रही है और वह इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने देवेगौड़ा से इस मुद्दे का जिक्र नहीं किया है।

हासन सेक्स स्कैंडल ने कन्नडिगाओं और भारतीयों की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया: अलका लांबा

भाजपा और जेडीएस चुप्पी तोड़ें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने सोमवार को भाजपा और जद (एस) पर हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना से जुड़े कथित सेक्स स्कैंडल पर चुप रहने का आरोप लगाया और कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा के भयावह मामले ने देश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा पिछले कुछ वर्षों

में सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा सैकड़ों महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न, उल्लंघन और यहां तक कि क्रूरता के 3000 से अधिक वीडियो ने कन्नड़ लोगों और भारतीयों की अंतरात्मा को समान रूप से झकझोर दिया है।

प्रज्वल (33) जद (एस) सुप्रीमो और पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं। जद(एस) पिछले साल सितंबर में एनडीए में शामिल हुई थी। वह हासन लोकसभा क्षेत्र में एनडीए के उम्मीदवार थे, जहां 26 अप्रैल को मतदान हुआ था।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वोटिंग खत्म होने के बाद वह देश छोड़कर चले गए। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने कथित सेक्स स्कैंडल की जांच के लिए रविवार को एक विशेष जांच दल का गठन किया। कथित तौर पर प्रज्वल से जुड़े कुछ स्पष्ट वीडियो क्लिप हाल के दिनों में हासन में प्रसारित होने लगे थे। लांबा ने कहा कि असहाय महिलाओं के खिलाफ यौन क्रूरता के इन कृत्यों ने सांसद प्रज्वल रेवन्ना की अनैतिकता को उजागर कर दिया है, लेकिन इस भयावह मामले में भाजपा और जेडीएस की चुप्पी और उदासीनता बिल्कुल शर्मनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि पीड़िता की सहमति के खिलाफ रिकॉर्ड किए गए इन वीडियो में महिलाएं बख्शे जाने की गुहार लगाती दिख रही हैं लेकिन सांसद उनके साथ क्रूरता और यौन उत्पीड़न करना जारी रखते हैं। पार्टी के 'कार्यकर्ताओं', पंचायत सदस्यों, बुजुर्ग महिलाओं, उनसे मदद मांगने आई महिलाओं और यहां तक कि नौकरानियों को भी नहीं बख्शा गया है। उन्होंने आर-ोप लगाया कि भयानक तथ्य यह है कि इस यौन शिकारी सांसद प्रज्वल रेवन्ना के कृत्यों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 अप्रैल, 2024 को पुराने मैसूरु क्षेत्र में प्रचार करते समय समर्थन किया था। बीजेपी जेडीएस अभी भी चुप है जो आपको उनका असली महिला विरोधी डीएनए दिखाता है। क्या बीजेपी या जेडीएस जवाब देंगे?

भाजपा नेता ने जेडीएस सांसद के 'अश्लील वीडियो' घोटाले पर पार्टी को चेताया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जनता दल (सेक्युलर) के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के अश्लील वीडियो' से जुड़े घोटाले के बीच, कर्नाटक बीजेपी नेता द्वारा लिखा गया एक पत्र सामने आया है। राज्य के पार्टी अध्यक्ष को संबोधित पत्र में, नेता ने दावा किया कि उनके पास एक पेन ड्राइव है जिसमें लगभग 3,000 वीडियो हैं जिनमें महिलाओं को यौन कृत्यों में लिप्त दिखाया गया है। कथित तौर पर रेवन्ना द्वारा ब्लैकमेल उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए गए ये वीडियो संभावित रूप से राज्य में भाजपा-जद(एस) गठबंधन को एक बड़ा झटका दे सकते हैं। 8 दिसंबर, 2023 को देवराजे गौड़ा का पत्र, जो 2023 के विधानसभा चुनावों में होलेनरसिपुरा निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा के उम्मीदवार के रूप में खड़े थे, ने एनडीए के उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना सहित एचडी देवेगौड़ा परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ गंभीर आरोपों पर प्रकाश डाला है। गौड़ा के अनुसार, पेन ड्राइव में कुल 2,976 वीडियो थे, जिनमें से कुछ में सरकारी अधिकारी भी थे। इन वीडियो का इस्तेमाल कथित तौर पर महिलाओं को यौन गतिविधियों में शामिल होने के लिए मजबूर करने के लिए किया गया था। इसके अलावा, भाजपा नेता ने दावा किया कि तस्वीरों के साथ वही वीडियो वाली एक और पेन ड्राइव कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं को दी गई थी। चिंता व्यक्त करते हुए, गौड़ा ने संभावित नतीजों की चेतावनी दी कि क्या भाजपा को जद (एस) के साथ गठबंधन करना चाहिए और हासन में लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी से एक उम्मीदवार को नामांकित करना चाहिए। उन्होंने वीडियो को 'ब्रह्मास्त्र' (विनाशकारी हथियार) बताया, जो राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की प्रतिष्ठा को खराब कर सकता है।

पेन ड्राइव मामले में उल्लेखित लोगों पर होगी कार्रवाई: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा है कि हासन के पेन ड्राइव वीडियो के मामले में पीड़ित ने अपनी शिकायत में जिस किसी का भी जिक्र किया है, उसकी जांच की जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि महिला आयोग को मिली शिकायत के आधार पर राज्य सरकार ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है, जिसमें एसपी रैंक की दो महिला अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि अधिकारी जांच

करने के लिए किस प्रक्रिया का पालन करेंगे, लेकिन सरकार हस्तक्षेप नहीं करेगी। आमतौर पर ऐसे मामलों में 10 से 15 दिनों के भीतर जांच पूरी कर रिपोर्ट देने की सलाह दी जाती है। हासन के मामले में, जांचकर्ताओं को आंतरिक रूप से समय सीमा का संकेत दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर समय सीमा नहीं होगी तो जांच वर्षों तक चलने की संभावना है।

नामित जांच टीम के अधिकारी पेन ड्राइव को जब्त कर सत्यापन के लिए एफएसएल को भेजेंगे। इसके बाद सबूत जुटाने होंगे। खबर है कि पेन ड्राइव वीडियोज के लीड एक्टर प्रज्वल रेवन्ना विदेश चले गए हैं। उन्होंने कहा कि एसआईटी उन्हें वापस बुलाएगी। जांच और एसआईटी रिपोर्ट आने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसआईटी के अधिकारी यह जांचने जा रहे हैं कि क्या कई पेन ड्राइव गायब हैं या उन्हें बाहर आने से रोकने के लिए रोक दिया गया है। उन्होंने कहा कि वह तथ्यों की पूरी जांच करेंगे। जैसा भी मामला होगा, जानकारी के साथ शिकायतकर्ता द्वारा बताए गए व्यक्तियों के खिलाफ जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह एचडी रेवन्ना या कोई और भी हो सकता है और इसकी उचित जांच होनी चाहिए। जरूरत पड़ने पर सरकार शिकायतकर्ताओं और पीड़ितों को सुरक्षा देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा पाया गया कि पीड़ितों में डर का माहौल है तो सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी और निष्पक्ष जांच की जाएगी ताकि किसी को परेशानी न हो। चामराजनगर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा सांसद श्रीनिवास प्रसाद का निधन एक अपूरणीय क्षति है। उनके निधन से समाज क्षत-विक्षत हो गया है। श्रीनिवास प्रसाद ने अपने लंबे राजनीतिक कार्यकाल में सौहार्द को उच्च प्राथमिकता दी।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले को सुप्रीम कोर्ट का संरक्षण

सीबीआई जांच के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले की सीबीआई से जांच कराने के कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने उस फैसले पर रोक लगाई है, जिसमें हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाले में पश्चिम बंगाल सरकार के अधिकारियों की भूमिका की जांच के लिए सीबीआई को निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई की। पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी थी, जिसमें हाईकोर्ट ने राज्य संचालित और राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा की गई 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति को अमान्य कर दिया था। पीठ अब इस मामले की सुनवाई छह मई को करेगी। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि हम कलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगाते हैं, जिसमें सीबीआई को राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ जांच करने के आदेश दिए गए थे।

हाईकोर्ट ने नियुक्तियां अमान्य करते हुए कहा था कि जिन लोगों को एसएससी पैनल की समाप्ति के बाद नौकरी मिली, उन्हें जनता के पैसे से भुगतान किया गया। सभी को चार सप्ताह के अंदर ब्याज सहित वेतन लौटाना होगा। सभी को 12 फीसदी सालाना ब्याज के साथ पैसा लौटाना होगा। नए लोगों को नौकरी मिलेगी। हाईकोर्ट ने 15 दिनों के अंदर अंदर प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया है।

देश में 10 साल में 300 गुना बढ़ी स्टार्टअप की संख्या

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र भारत के पास है। खास बात है कि यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते यूनिकॉर्न का घर है। ि

जतेंद्र सिंह ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पिछले 10 साल में देश में स्टार्टअप की संख्या करीब 300 गुना बढ़ी है। 2014 में देश में करीब 350 स्टार्टअप थे।

जितेंद्र सिंह ने कहा, मोदी सरकार के आने के बाद से अंतरिक्ष क्षेत्र पर ज्यादा जोर दिया है।इसे निजी क्षेत्र के लिए खोले जाने के बाद से करीब चार वर्षों में अंतरिक्ष स्टार्टअप की संख्या इकाई अंक से बढ़कर तिहरे अंकों में पहुंच गई है।मोदी सरकार के

प्रयासों से देश 10 साल से कम अवधि में दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब रहा।उम्मीद है कि इस साल हम चौथी व मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी बन जाएंगे। सरकार ने 2047 तक भारत को दुनिया की नंबर-1 अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है।

स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार देश के युवाओं को पीएम के रूप में मोदी ने यह समझाने का प्रयास किया कि रोजगार सिर्फ सरकारी नौकरी तक सीमित नहीं है। उन्होंने आजीविका के नए तरीकों को बढ़ावा दिया है, जो सरकारी नौकरी से अधिक आकर्षक हो सकते हैं।

गुजरात-राजस्थान से 230 करोड़ का एमडी ड्रग्स जब्त

चार फैक्ट्रियों पर छापा, 13 गिरफ्तार

कर्णावती, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
गुजरात एटीएस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के एक संयुक्त ऑपरेशन में गुजरात और राजस्थान से 230 करोड़ का ड्रग्स जब्त किया है। टीम ने शुक्रवार देर रात अमरेली, गांधीनगर और राजस्थान में एमडी ड्रग्स बनाने वाली चार फैक्ट्रियों पर छापे मारे। लिक्विड और क्रिस्टल फॉर्म में एमडी ड्रग्स जब्त किया गया। इस कार्रवाई में पुलिस ने 13 लोगों को गिरफ्तार किया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि एमडी ड्रग्स बनाने की सामग्री वापी में एक फैक्ट्री से सप्लाई की जा रही थी। इस रैकेट के बारे में गुजरात एटीएस को 2 महीने पहले सूचना मिली थी। अहमदाबाद के थलतेज में रहने वाले मनोहर लाल एनाणी और कुलदीप सिंह राजपूत बड़े पैमाने पर एमडी ड्रग्स तैयार करवाते थे। इस खबर के आधार पर गुजरात एटीएस के अधिकारियों की अलग-अलग टीम अलग-अलग जगहों पर पिछले डेढ़ महीने से टेक्निकल और ह्यूमन सर्विलांस के जरिये नजर रख रही थी। इस दौरान एटीएस के अधिकारियों को जानकारी मिली कि गांधीनगर के पीपलज, अमरेली और राजस्थान के सिरोही और जोधपुर में एमडी ड्रग्स तैयार की जा रही है। लेकिन एक ही जगह पर अगर छापा मारा जाए तो अन्य फैक्ट्री से आरोपियों के भाग निकलने की संभावना दिख रही थी। इसलिए एटीएस के अधिकारियों ने डीजीपी विकास सहाय के साथ बैठक की। इस बैठक में पूरा ऑपरेशन नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की अलग-अलग टीम को साथ रखकर करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद अलग-अलग टीम को

अलग-अलग लोकेशन पर भेज कर छापे मारे गए। गांधीनगर के पिपलज में किए गए छापे के दौरान एक मकान में एमडी ड्रग्स की फैक्ट्री मिली। पुलिस ने वहां से बड़ी मात्रा में लिक्विड एमडी और क्रिस्टल एमडी ड्रग्स जब्त किया। दूसरी ओर राजस्थान के सिरोही जिले के लोठिवाला बंदा गांव में फैक्ट्री पर छापा मारा गया जिसमें लिक्विड एमडी और एमडी ड्रग्स मिला।

राजस्थान के जोधपुर के ओशिया गांव से पुलिस को अलग-अलग केमिकल और बड़े पैमाने पर मशीनरी मिली। ऐसे कुल मिलाकर 22 किलो एमडी ड्रग्स और 124 लीटर लिक्विड एमडी मिलाकर 230 करोड़ की कीमत का ड्रग्स जब्त किया गया है।

इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने गांधीनगर के पिपलज से कुलदीप सिंह राजपूत, रितेश दवे, हरीश सोलंकी, दीपक सोलंकी और शिवरतन अग्रवाल को गिरफ्तार किया। अमरेली में भक्ति नगर विस्तार में आई मारुति इंडस्ट्रियल एस्टेट में छापा मार कर नितिन काबरिया और किरीट मदलिया को गिरफ्तार किया। राजस्थान के सिरोही जिले के लोठिवाला बंदा गांव से रंगाराम मेघवाल, बजरंग लाल बिश्नोई, नरेश मकवाना और कन्हैयालाल गोहिल को गिरफ्तार किया। जबकि जोधपुर के ओशियां गांव से एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुलिस की जांच में सामने आया कि मनोहर लाल और कुलदीप एमडी ड्रग्स रैकेट के मास्टरमाइंड हैं। पिछले 1 साल से दोनों ने साथ मिलकर अरबों रुपए का एमडी ड्रग्स तैयार कर बड़े पैमाने पर भारत के अलग-अलग शहरों के अलावा विदेश में भी सप्लाई किया था। एमडी ड्रग्स तैयार करने के लिए माफिया की तरफ से बड़े पैमाने पर आर्डर मिलता था, जिसके चलते उन्होंने पहले पिपलज में फैक्ट्री शुरू की थी। बाद में राजस्थान में दो और अमरेली में कुछ महीने पहले ड्रग्स की फैक्ट्री शुरू की थी। ड्रग्स का आर्डर लेने और लोगों तक पहुंचाने का काम मनोहर लाल करता था, जबकि कुलदीप फैक्ट्री का काम संभालता था। मनोहर और कुलदीप की से पूछताछ के दौरान ड्रग्स के रॉ मटेरियल से शुरू करके ड्रग्स के सप्लाई तक के वित्तीय लेन-देन का महत्वपूर्ण लिंक पुलिस के हाथ लगा है। इसमें अन्य कई नाम सामने आ सकते हैं। यह लेन-देन हवाला के द्वारा, आंगड़िया के द्वारा एवं अन्य तरीकों से किए गए हैं। वित्तीय व्यवहारों की जांच के लिए एक विशेष टीम लगाई जाने की संभावना है।

नौसेना ने हूतियों के हमले का शिकार पनामा का जहाज बचाया

22 भारतीयों समेत 30 क्रू-सदस्य सुरक्षित

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले के बाद भारतीय नौसेना ने पनामा के झंडे वाले जहाज की तेजी से सहायता की। नौसेना की त्वरित जवाबी कार्रवाई के चलते 22 भारतीयों समेत 30 क्रू सदस्यों की जान बच गई। अधिकारियों ने बताया कि जहाज एमवी एंड्रोमेडा स्टार पर कच्चा तेल था, जिस पर 26 अप्रैल को हूती विद्रोहियों ने मिसाइल हमला कर दिया। इसके बाद नौसेना के विध्वंसक पोत आईएनएस कोच्चि ने त्वरित जवाबी कार्रवाई की और क्रू के सभी सदस्यों को बचा लिया।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि ईरान समर्थित हूती आतंकियों ने यमन से लाल सागर में सफर कर रहे व्यापारिक जहाज मैशा और एमवी एंड्रोमेडा स्टार पर तीन जहाजरोधी बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले में जहाज को मामूली नुकसान पहुंचा है। यह हमला हूती आतंकियों के लाल सागर में विभिन्न वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच सामने आई है। विद्रोहियों ने नवंबर के बाद से लाल सागर में हमले बढ़ा दिए हैं।

नौसेना ने बताया कि 26 अप्रैल को पनामा का झंडा लगा जहाज एमवी एंड्रोमेडा स्टार पर

मिसाइल हमले के बाद सुरक्षा के लिए विध्वंसक आईएनएस कोच्चि को तैनात किया गया था। एमवी एंड्रोमेडा स्टार को नौसेना के आईएनएस कोच्चि ने बीच में रोका और जहाज की स्थिति का आकलन करने के लिए हेलिकॉप्टर ऑपरेशन समेत हवाई टोही की गई। नौसेना की विस्फोटक आयुध निपटान (ईओडी) टीम को भी जोखिम का पता लगाने के लिए तैनात किया गया था।

नौसेना ने बताया कि एमवी एंड्रोमेडा स्टार पर 22 भारतीय नागरिकों समेत 30 क्रू सवार थे। ये सभी सुरक्षित हैं और जहाज अपने अगले गंतव्य के लिए रवाना हो चुका है। हमारी त्वरित कार्रवाई क्षेत्र से गुजरने वाले जहाजों-नाविकों की सुरक्षा में भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता और संकल्प को दोहराती है। पिछले कुछ हफ्तों में भारतीय नौसेना ने पश्चिमी हिंद महासागर में कई व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद उन्हें सहायता प्रदान की है।

इस्राइल-हमास जंग के बीच फलस्तीनियों के समर्थन में हूती विद्रोही लगातार लाल सागर में जहाजों पर हमला कर रहे हैं। इस वजह से कई जहाज अपना रास्ता भी बदल रहे हैं। हमलों के जवाब में अमेरिका और ब्रिटेन ने मिलकर अब तक चार बार यमन में हूतियों के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिकी मीडिया ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, लाल सागर में लगातार हो रहे हूतियों के हमलों के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर गंभीर असर पड़ रहा है।

वैश्विक व्यापार का करीब 30 फीसदी कंटेनर हर साल लाल सागर के स्वेज कैनाल से होकर गुजरता है। लेकिन हूती विद्रोहियों के हमलों से यूरोप और एशिया के बीच मुख्य मार्ग पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। भारत का 80 प्रतिशत व्यापार समुद्री रास्ते से होता है। वहीं 90 प्रतिशत ईंधन भी समुद्री मार्ग से ही आता है। समुद्री रास्ते में हमले से भारत के कारोबार पर सीधा असर पड़ता है। इससे सप्लाई चेन बिगड़ने का खतरा रहता है। हूतियों से निपटने के लिए अमेरिका ने करीब 10 देशों के साथ मिलकर एक गठबंधन भी बनाया है, जो लाल सागर में हूतियों को रोकने और कार्गो शिप्स को हमले से बचाने का काम कर रहा है।

केजरीवाल, कन्हैया और उदित राज के कारण कांग्रेस में भगदड़

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
दिल्ली प्रदेश कांग्रेस में मची घमासान अंततः सड़क पर आ गई। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। कांग्रेस पार्टी ने जब से उत्तर-पश्चिमी दिल्ली से उदित राज और उत्तर-पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार को अपना उम्मीदवार बनाया था, उसी समय से पार्टी के अंदर घमासान मच गया था। पार्टी नेता बाहरी लोगों को लोकसभा उम्मीदवार बनाए जाने के सख्त खिलाफ थे, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं को अनसुना करते हुए बाहरी चेहरों को टिकट दे दिया गया। कांग्रेस को यह फैसला भारी पड़ गया और अंततः दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने अपना इस्तीफा देकर अपनी नाराजगी जता दी।

दरअसल, अरविंदर सिंह लवली खुद भी उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी के सामने लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उनकी इच्छाओं को दरकिनार करते हुए पार्टी ने दूसरे चेहरे को लोकसभा चुनाव में उतारने की योजना बनाई। स्वयं जयराम रमेश ने कन्हैया कुमार को उत्तर पूर्वी दिल्ली से टिकट दिलाने के लिए खूंटा गाड़ दिया। इसे देखते हुए लवली ने खुद चुनाव में न उतरने की बात कह दी, लेकिन पार्टी के नेता जानते हैं कि लवली इस फैसले से बिल्कुल भी खुश नहीं थे।

कन्हैया कुमार की उम्मीदवारी के खिलाफ संदीप दीक्षित भी थे, जो स्वयं उत्तर पूर्वी दिल्ली से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। एक बैठक के दौरान कन्हैया कुमार और उनके बीच बहस भी हो गई थी। लेकिन इसके बाद भी पार्टी ने कन्हैया कुमार की उम्मीदवारी को ही सही ठहराया। इसी प्रकार, उदित राज को उत्तर पश्चिम दिल्ली से उम्मीदवार बनाए जाने का राजकुमार चौहान लगातार विरोध कर रहे थे। जिस दिन उम्मीदवारों का मीडिया के सामने परिचय सम्मेलन करवाया जा रहा था, उस दिन भी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय के सामने कार्यकर्ता लगातार उदित राज और कन्हैया कुमार की उम्मीदवारी का विरोध कर रहे थे। इससे यह साफ था कि कार्यकर्ताओं का इन उम्मीदवारों को सहयोग नहीं मिलने वाला था। इसका असर लोकसभा चुनाव में देखने को मिलना तय था।

अरविंदर सिंह लवली शुरुआत से ही आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस से समझौते के सख्त खिलाफ थे। उनका कहना था कि जिस केजरीवाल ने तमाम झूठे आरोप लगाकर कांग्रेस को बदनाम करने का काम किया और उसे सत्ता से बाहर करने में अपनी बड़ी भूमिका निभाई, आज उसी केजरीवाल के साथ में समझौता करना पार्टी के लिए किसी भी तरह से ठीक नहीं है। उच्च स्तर पर बैठे नेताओं ने भी इस निर्णय के खिलाफ आवाज उठाई थी। निचले स्तर के कार्यकर्ता भी इस निर्णय से खुश नहीं थे। अरविंदर सिंह लवली ने पार्टी आला कमान के सामने यह प्रस्ताव रखा था कि जिस तरह पंजाब में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं, उसी तरीके से दिल्ली में भी दोनों पार्टियों को अलग-अलग चुनाव लड़ना चाहिए। आम आदमी पार्टी के इंडिया गठबंधन में रहने से उन्हें कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन उनके साथ चुनावी मैदान में जाना उन्हें घाटे का सौदा लग रहा था। उन्होंने कहा था कि यदि केजरीवाल के साथ दिल्ली का चुनाव लड़ा जाएगा तो विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को मजबूत करना कठिन हो जाएगा क्योंकि पार्टी उस समय केजरीवाल के खिलाफ कोई मजबूत स्टैंड नहीं ले सकेगी। इस बात की जानकारी उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेताओं को भी दे दी थी, लेकिन उनकी नाराजगी को दरकिनार करते हुए पार्टी ने केजरीवाल के साथ चुनाव में जाने का फैसला कर लिया।

लवली ने आरोप लगाया है कि पार्टी के उच्च पदों पर बैठे शीर्ष नेताओं (कांग्रेस महासचिव और दिल्ली प्रभारी) ने उनके काम करने के लिए कोई जगह नहीं छोड़ी थी। उनकी हर फैसले में टांग अड़ाई जा रही थी। यहां तक कि लवली अपनी चहेते कार्यकर्ता को पार्टी के मीडिया सेल का प्रमुख तक नहीं बना सके थे। इससे भी लवली की पार्टी वाला कमान से नाराजगी बढ़ती चली गई। अरविंदर सिंह लवली ने अपने इस्तीफे में भी कहा है कि लगभग आठ महीने पहले जब उनको अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई थी, पार्टी बहुत संकट से गुजर रही थी। पार्टी का कोई बड़ा कार्यक्रम तक नहीं हो रहा था, कार्यकर्ता बिखरे हुए थे। लेकिन पार्टी की जिम्मेदारी संभालते ही उन्होंने सब को एक साथ जोड़ने की कोशिश की। लेकिन पार्टी के महासचिव और दिल्ली प्रभारी उनके काम में लगातार टांग अड़ाते रहे। अभी तक डेढ़ सौ से ज्यादा ब्लॉक स्तर पर कार्यकर्ताओं को

लखनऊ के सांसद भाजपा प्रत्याशी राजनाथ सिंह का जोरदार रोड शो

विकास-रथ पर साथ-साथ राजनाथ आदित्यनाथ

राजनाथ ने पूरे दमखम के साथ दाखिल किया नामांकन

लखनऊ, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

राजधानी लखनऊ की सड़कों पर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी का विकास रथ निकला। इस पर सवार रक्षा मंत्री, लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह हाथ जोड़ आमजन का अभिवादन करते रहे तो दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हाथ में कमल का फूल और चेहरे पर मुस्कान लिए आमजन से जुड़े रहे। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय से प्रारंभ हुआ रोड शो कलेक्ट्रेट तक पहुंचा। कार्यकर्ताओं के हौसलों के आगे चिलचिलाती धूप भी बौनी दिखी। रास्ते में कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं समेत समाज के विभिन्न वर्गों ने योगी-राजनाथ पर पुष्पवर्षा भी की।

रोड शो के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तरांखड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय, कौशल किशोर, महापौर सुषमा खर्कवाल, देवरिया के सांसद डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, राज्यसभा सांसद संजय सेठ, विधायक राजेश्वर सिंह, नीरज बोरा, पंकज सिंह आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीच-बीच में स्वयं कमान संभाल लेते हुए व्यवस्था संभालने का आह्वान जनसमुद्र से करते रहे। योगी ने लखनऊवासियों का आभार जताया तो भारत मां की जयकार, वंदे मातरम, फिर एक बार-मोदी सरकार आदि नारे लगवाते रहे। योगी आदित्यनाथ रास्ते की व्यवस्था को भी माइक से संभालते रहे। अव्यवस्था न हो, इसके लिए बीच-बीच में भाजपा कार्यकर्ताओं व व्यवस्था से जुड़े लोगों को रथ से ही निर्देश भी देते रहे। विकास रथ पर राजनाथ सिंह हाथ जोड़ आमजन का अभिवादन करते रहे तो योगी आदित्यनाथ कमल का फूल चुनाव चिह्न लेकर अबकी बार-400 पार का संवाद भी करते रहे।

रोड शो के दौरान देशभक्ति गीत भी लोगों में जोश भरता रहा। जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे. ऐ वतन-ऐ वतन आदि गीतों पर ढोल-नगाड़े संग लोग झूमते रहे। वहीं बीच में आई एंबुलेंस को भी रास्ता देकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपनी संजीदगी को दर्शाया। रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं का अनुशासन व जोश भी दिखा। रास्ते में अल्पसंख्यक समाज ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सीएम योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया। मंच पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों संग समाज की महिला-पुरुषों ने भी विकास रथ पर पुष्पवर्षा की। साथ ही व्यापार मंडल, अधिवक्ता समाज, बैंड बाजा एसोसिएशन, रेलवे से जुड़े संगठनों के पदाधिकारी, अग्रवाल समाज, विभिन्न वर्गों और भाजपा के सभी आनुसांगिक संगठनों के लोगों ने विकास रथ और इस पर खड़े नेताओं का जोरदार स्वागत किया। राजनाथ सिंह के नामांकन में उमड़ी भीड़ पल-पल की तस्वीर को कैमरे में कैद करती रही। भाजपा का कार्यकर्ता हो या आम जनमानस, हर कोई अपने मोबाइल में पल-पल की तस्वीर को खींच रहा था। वहीं राजनाथ सिंह और योगी आदित्यनाथ कार्यकर्ताओं की हौसला अफजाई और आमजन का अभिवादन भी करते नजर आए।

योगी की मौजूदगी में राजनाथ ने किया नामांकन

लखनऊ, 29 अप्रैल (एजेंसियां) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लखनऊ लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी सूर्यपाल गंगवार के समक्ष रक्षा मंत्री ने पर्चा दाखिल किया। पर्चा दाखिला के समय सभागार में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी आदि मौजूद थे।

एक्सीडेंटल हिंदुओं का भारत के इतिहास पर बोलना हास्यास्पद

लखनऊ, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा अपने वक्तव्यों के माध्यम से चर्चा में बने रहने के आदि हैं। जिन्हें भारत के इतिहास और भूगोल की जानकारी नहीं है, वो इस प्रकार की अनर्गल टिप्पणी ही करेंगे। जिन लोगों ने अपने आपको एक्सीडेंटल हिंदू कहा है, वे भारत के इतिहास के बारे में चर्चा करेंगे तो यह हास्यास्पद ही होगा। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत की एक समृद्ध परंपरा रही है। मुझे आश्चर्य इस बात का होता है कि राहुल गांधी बोलते समय उन राजाओं के योगदान को क्यों भूल गए, जिन्होंने भारत को बनाने में योगदान दिया। जिन्होंने हिंदुस्तान का इस्लामीकरण करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी थी, जिन लोगों ने अत्याचार की सभी सीमाओं को लांघ डाला था, राहुल गांधी को इसके बारे में भी चर्चा करनी चाहिए।

बसपा की रैली में रुपए बांटने वालों में शिक्षक भी शामिल

कौशांबी, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

मूरतगंज में बसपा प्रत्याशी के पक्ष में हुई रैली में आए लोगों को रुपए देने का मामला वीडियो वायरल होने के बाद तूल पकड़ने लगा है। इस प्रकरण में संदीपन घाट थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। जिन लोगों पर मुकदमा दर्ज है, उनमें दिलीप सिंह इंटर कॉलेज बाकरगंज में तैनात अर्थशास्त्र के शिक्षक विजय प्रकाश भी शामिल हैं। कॉलेज के प्रबंधक ने प्रकरण की शिकायत डीआईओएस से की है।

जनसभा के दौरान रुपए बांटे जाने की जानकारी के बाद फ्लाइंग स्क्वाड के सदस्य सूबेदार यादव ने संदीपन घाट थाने में बसपा जिलाध्यक्ष महेश चौधरी, रत्नेश और विजय प्रकाश समेत चार अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया। आरोप है कि विजय प्रकाश संदिग्ध गतिविधियों में हमेशा लिप्त रहते हैं। करीब छह साल पहले कौशाम्बी क्षेत्र के करीब 10 युवकों ने उन पर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का आरोप लगाया था। इस प्रकरण में बाद में समझौता हो गया था। मामला पुलिस तक नहीं पहुंचा।

दिलीप सिंह इंटर कॉलेज के प्रबंधक नरेंद्र ने बताया कि विजय प्रकाश अर्थशास्त्र के प्रवक्ता हैं। जिस दिन का यह वीडियो है, उस दिन वह प्रधानाचार्य के चार्ज पर थे। दोपहर में वह विद्यालय से जनसभा तक कैसे पहुंचे, यह जांच का विषय है। फिलहाल, इसकी जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक को दे दी गई है। डीआईओएस डॉ. एसएन यादव ने कहा, पुलिस की ओर से अब तक विजय प्रकाश को लेकर कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। जैसे ही पुलिस या प्रशासन की ओर से इस संबंध में रिपोर्ट आती है। कार्रवाई की जाएगी। प्रबंधक ने मौखिक जानकारी दी है।

अमेठी में रोड शो कर स्मृति ईरानी ने दिखाई ताकत

स्मृति ने दाखिल किया नामांकन

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद थे

अमेठी, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री व भाजपा उम्मीदवार स्मृति जूबिन ईरानी ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में अमेठी लोकसभा सीट पर सोमवार को नामांकन दाखिल कर दिया। वह तीसरी बार इस सीट पर प्रत्याशी बनाई गई हैं। 2019 में गांधी परिवार का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट पर उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मात दी थी। इस बार भी कयास लगाए जा रहे हैं कि अमेठी सीट पर गांधी परिवार का ही कोई सदस्य चुनाव लड़ेगा।

नामांकन से पहले भाजपा प्रत्याशी ने रोड शो कर शक्ति प्रदर्शन किया और जीत की दावेदारी पेश की। रोड शो में बड़ी

संख्या में भाजपा कार्यकर्ता नजर आए। अगर कांग्रेस अमेठी सीट पर गांधी परिवार के किसी व्यक्ति को उम्मीदवार बनाती है तो मुकाबला रोचक हो सकता है। नामांकन की अंतिम तारीख 3 मई है। इस सीट के लिए मतदान 20 मई को होगा। कांग्रेस जल्द ही इस सीट पर उम्मीदवार घोषित करेगी।

नामांकन से पहले स्मृति ईरानी ने अमेठी स्थित अपने आवास पर पूजापाठ किया। इस दौरान उनके परिजन भी नजर आए। स्मृति ने बीती फरवरी को ही नए बने इस आवास में गृह प्रवेश किया था। 2019 में उन्होंने वादा किया था कि वह अमेठी में अपना घर बनाएंगी और उन्होंने अपना वादा पूरा किया।

अमेठी लोकसभा सीट से सोमवार को पहला नामांकन निर्दलीय उम्मीदवार सुरेंद्र कुमार ने किया।

उन्होंने दो सेट में नामांकन पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी निशा अनंत के समक्ष दाखिल किया। वैसे अभी तक 15 उम्मीदवारों ने 22 सेट में पर्चे लिए हैं। नामांकन को लेकर कलेक्ट्रेट में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

मायावती ने पीएम मोदी पर किया सीधा सियासी वार

मुफ्त राशन जनता के टैक्स से मिल रहा है, पीएम की जेब से नहीं

बदायूं, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने बदायूं के इस्लामनगर में आयोजित चुनावी सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा सियासी वार किया। गरीबों को दिए जा रहे राशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आपके टैक्स के रुपए से फ्री में थोड़ा सा राशन मिलता है। यह राशन, मोदी या भाजपा की की जेब से नहीं मिलता। इसलिए जब भाजपा और आरएसएस के लोग आएं और नमक का कर्ज याद दिलाएं तो आप उनके बहकावे में न आएं।

मायावती ने सोमवार को बदायूं, संभल और आंवला लोकसभा क्षेत्र के बसपा उम्मीदवारों के समर्थन में चुनावी

सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वह खासकर गरीब जनता से कहना चाहती हैं कि पिछले कुछ समय से अति गरीब परिवारों को अस्थायी तौर पर फ्री में जो थोड़ी सी खाद्य सामग्री दी जा रही है, उससे स्थायी तौर पर भला होने वाला नहीं है लेकिन जब जब चुनाव आते हैं भाजपा और आरएसएस के लोग खासकर गरीब बस्तियों में जाते हैं और कहते हैं कि भाजपा और नरेंद्र मोदी ने आप लोगों को खाने के लिए फ्री में राशन दिया है। ये कर्ज तो अदा करना ही है। लेकिन उनके बहकावे में नहीं आना है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि आपको जो फ्री में थोड़ी बहुत खाद्य सामग्री दी जा रही है, ये मोदी या भाजपा की जेब से नहीं दी जा रही है बल्कि आप लोग जो टैक्स देते हैं। उस टैक्स के पैसे से खाद्य सामग्री मिलती है। यह नहीं सोचना है कि हमने नमक खाया है इनका। ये तो आपका अपना ही नमक है। जो टैक्स के पैसे से आया है। वैसे भी गरीब लोगों की जटिल समस्या देश में हर हाथ को काम देने से हल होगी। मायावती ने कहा कि गलत नीतियों की वजह से कांग्रेस के सत्ता से हटी थी तो पिछले कुछ वर्षों से भाजपा और इनके सहयोगी दल केंद्र एवं काफी राज्यों की सत्ता में काबिज हैं लेकिन इनकी ज्यादातर जातिवादी, पूंजीवादी व द्वेषपूर्ण नीतियों व कथनी व करनी में अंतर होने की वजह से अब लगता है कि इस बार भाजपा भी केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस आने वाली नहीं है। इस बार चुनाव में भाजपा की नाटकबाजी, जुमलेबाजी और कागजी गारंटी काम में आने वाली नहीं है।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान के लिए निर्वाचन आयोग मुस्तैद

दो महीने में 32977.30 लाख की शराब, ड्रग्स, सोना-चांदी और नकदी जब्त

28 अप्रैल को 182.07 लाख की शराब, ड्रग्स और नकदी पकड़ी गई

लखनऊ, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव-2024 को उत्तर प्रदेश में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व भयमुक्त कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से निरंतर कार्रवाई की जा रही है। आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। प्रवर्तन एजेंसियों, उड़नदस्तों की ओर से अवैध शराब, नकदी की जब्ती संबंधी कार्रवाई निरंतर जारी है। इसके तहत 1 मार्च से 28 अप्रैल तक कुल 32977.30 लाख रुपए की शराब, ड्रग्स, बहुमूल्य धातुएं व नकदी जब्त की गई हैश्र सिर्फ 28 अप्रैल की ही बात करें तो प्रदेश में 182.07 लाख रुपए की शराब, ड्रग्स व नकदी पकड़ी गई।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए आदर्श आचार संहिता प्रभावी है। ऐसे में आबकारी, आयकर, पुलिस, नारकोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों की ओर से पहली मार्च से 28 अप्रैल तक कुल 32977.30 लाख रुपए की शराब, ड्रग्स, बहुमूल्य धातुएं व नकदी आदि जब्त की गई हैश्र इसमें 3211.02 लाख रुपए नकद, 4583.70 लाख रुपए की शराब, 21850.88 लाख रुपए की ड्रग्स, 2175.30 लाख रुपए कीमत की बहुमूल्य धातुएं एवं 1156.39 लाख रुपए की अन्य सामग्री जब्त की गई।

आबकारी, आयकर, पुलिस, नारकोटिक्स विभाग एवं अन्य प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 28 अप्रैल को कुल 182.07 लाख रुपए कीमत की शराब, ड्रग्स व नकदी जब्त की गई। इसमें 4.39 लाख रुपए नकद, 51.58 लाख रुपए की 18989.75 लीटर शराब, 112.38 लाख रुपए की 441702.58 ग्राम ड्रग्स व 13.72 लाख रुपए कीमत की 5916 ग्राम बहुमूल्य धातुएं जब्त की गईं।

श्रीलंका में सीता अम्मा मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 19 मई को

अयोध्या से जाएगा सरयू नदी का पवित्र जल

अयोध्या, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। देवी सीता को समर्पित सीता अम्मा मंदिर के अभिषेक समारोह के लिए भारत पवित्र सरयू नदी का जल श्रीलंका भेजेगा। प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सीता अम्मा मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह 19 मई को होगा। श्रीलंका ने उत्तर प्रदेश सरकार को लिखे पत्र में धार्मिक समारोहों और मंदिर में देवी सीता की मूर्ति की प्रतिष्ठा के लिए सरयू नदी के जल का अनुरोध किया था।

सावधान! खतरनाक हो सकता है खड़े होकर पानी पीना

जल ही जीवन है! पानी पीना सेहत के लिए कितना महत्वपूर्ण है शायद यह बताने की जरूरत नहीं है। भरपूर मात्रा में पानी का सेवन करने से आप कई तरह की बीमारियों से बचे रह सकते हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमें पानी कैसे पीना चाहिए?

शायद नहीं, क्योंकि ज्यादातर लोगों को खड़े होकर पानी पीने की आदत होती है, अगर आप भी ऐसा ही करते हैं तो सावधान हो जायें क्योंकि आयुर्वेद के अनुसार अगर आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो आप कई तरह की बीमारियों को दावत देते हैं। आइए जानें आपकी इस आदत के कारण आपको कौन-कौन सी बीमारी हो सकती है।

किडनी की बीमारी

किडनी का काम पानी को छानना होता है लेकिन खड़े होकर पानी पीने से पानी किडनी से सही तरीके से बिना छने ही बह जाता है। जिससे किडनी और मूत्राशय में अक्सर गंदगी रह जाती है इसके परिणामस्वरूप आपको यूरीन मार्ग में इंफेक्शन और किडनी की बीमारी हो सकती है।

अर्थराइटिस का कारण

खड़े होकर पानी पीने से सबसे प्रमुख समस्या जो सामने आती है, वह अर्थराइटिस है। अगर आपको भी खड़े होकर पानी पीने की आदत है तो भविष्य में आपकी यह आदत आपको अर्थराइटिस का शिकार बना सकती है। खड़े होकर पानी पीते रहने से जोड़ों में मौजूद तरल पदार्थों का संतुलन बिगड़ जाता है और इन तरल पदार्थो का संचय अधिक मात्रा में जोड़ों में होने लगता है। जिससे अर्थराइटिस की समस्या होती है।

पेट की बीमारी

खड़े होकर पानी पीने से पानी फूड पाइप के जरिए तेजी से नीचे बह जाता है। तेज धार पड़ने से पेट की अंदरूनी दीवार और आसपास के अंगों को नुकसान पहुंचता है। बार-बार ऐसा होते रहने से पाचन तंत्र बिगड़ जाता है।

शरीर में एसिड का स्तर कम नही होता

यहां तक कि आयुर्वेद में यह उल्लेख किया गया है कि बैठ कर भी आपको धीरे और छोटे-छोटे घूंट में पानी पीना चाहिए। यह पानी के आवश्यक अनुपात के साथ मिलकर शरीर में एसिड के स्तर को ठीक से करने में मदद करता है। लेकिन खड़े होकर पानी पीने से शरीर में एसिड का स्तर कम नहीं होता है।

पानी पीने के बावजूद प्यास रहेंगे आप

जब आप खड़े होकर पानी पीते हैं तो आपकी प्यास पूरी तरह से बुझ नहीं पाती है। और आपको बार-बार पानी पीने की इच्छा करती है। इसलिए अपनी प्यास को बुझने के लिए बैठ कर छोटे-छोटे घूंट में पानी पीएं।

हमेशा अपच का शिकार

जब आप बैठकर पानी पीते हैं तो आपकी मसल्स और नर्वस सिस्टम अधिक रिलैक्स होता है और इस तरह नर्वस तेजी से तरल को पचाने में मदद करता है। जबकि खड़े होकर पानी पीने से आप हमेशा अपच के शिकार रहते हैं। इस तरह से खड़े होकर पानी पीने की आदत बीमारियां को न्यौता देती है तो समझ गए न आप कि आपको सेहतमंद रहने के लिए क्या करना है।

तैरते समय आंखों का ऐसे रखें विशेष ध्यान

गर्मियों में लोग स्वीमिंग करना पसंद करते हैं। यह अच्छा व्यायाम है लेकिन इस दौरान आंखों का खयाल रखना जरूरी होता है।

स्वीमिंग पूल की सफाई

पूल में कई लोग एक साथ तैरते हैजिससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा पूल में क्लोरीन भी डाली जाती है। इन दोनों का प्रभाव सबसे पहले आंखों पर पड़ता है। इसलिए जरूरी है कि पूल के पानी की नियमित साफ-सफाई की जाए।

लालिमा आने पर

बैक्टीरियल इंफेक्शन होने पर आंखों में चुभन या जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। कई बार उनमें से गंदा पानी भी आने लगता है जिससे कंजक्टिवाइटिस रोग हो जाता है। यदि समय रहते डॉक्टर को न दिखाया जाए तो आंखों की रोशनी पर असर पड़ सकता है। इसलिए तकलीफ होने पर फौरन नेत्र रोग विशेषज्ञ को दिखाएं।

ग्लासेज पहनें

बीमारी की रोकथाम उसके उपचार से बेहतर मानी जाती है। स्वीमिंग पूल में जाने से पहले ग्लासेज पहन लें, यह आपकी आंखों को न सिर्फ संक्रमण बल्कि सूर्य की हानिकारक अल्ट्रावॉयलेट किरणों से भी बचाता है।

बाद में नहाना

तैराकी करने के बाद एक बार नहा लें। आंखों को विशेषतौर पर ताजे पानी से धोएं। अगर आप आंखों में जलन या चुभन महसूस कर रहे हैं तो तुरंत नेत्र रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें और उनके द्वारा बताई गई दवाओं व आई ड्रॉप्स का प्रयोग करें। ध्यान रहे किसी भी प्रकार की तकलीफ में अपनी मर्जी से आई ड्रॉप का प्रयोग न करें।

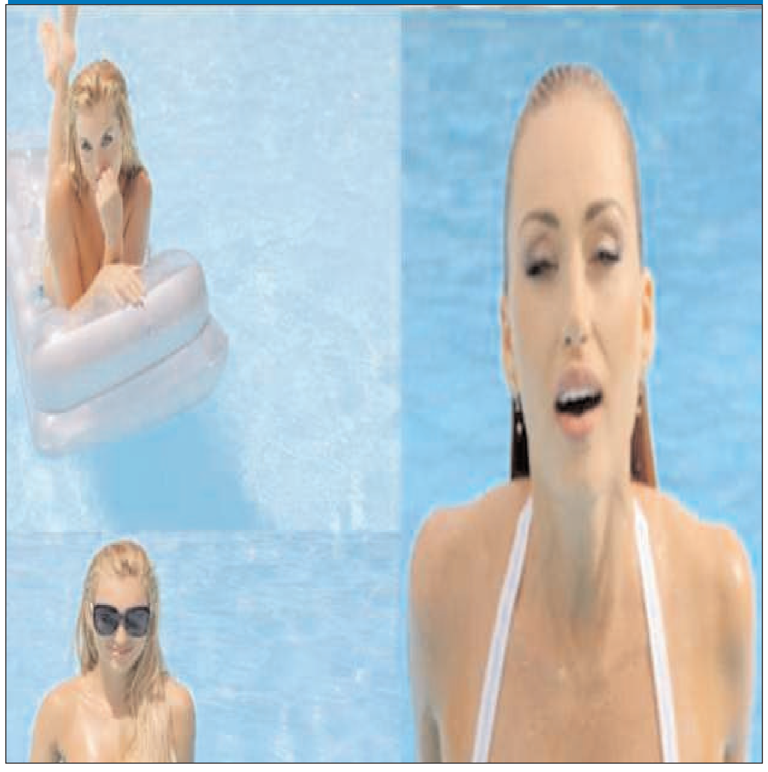

एसी में ज्यादा रहने से होता है ड्राई आई सिंड्रोम

करें ये उपाए

आंखों में जलन, खुजली व असहजता महसूस हो या दिखने में धुंधलापन लगे तो ये ड्राई आई के लक्षण हो सकते हैं। यह रोग दो प्रकार का होता है, अस्थायी और क्रॉनिक (ड्राई आई सिंड्रोम)। यदि इसका समय पर इलाज न कराया जाए तो संक्रमण होने व रोशनी जाने का खतरा रहता है।

अस्थायी ड्राई आई: एयर कंडीशनर (एसी) में लंबे समय तक रहने, ठंडी हवाओं और घंटों स्क्रीन पर नजरें टिकाए रखने से भी ऐसा हो सकता है।

क्रॉनिक ड्राई आई : पलकों की सबसे बाहरी परत तैलीय होती है जो आंसुओं को तेजी से वाष्पीकृत होने से रोकती है। यदि ये परत सूखने लगे तो ड्राई आई सिंड्रोम की समस्या हो सकती है।

प्रमुख उपाय

एयर कंडीशनर में लंबे समय तक न बैठें। आंखों के लिए लुब्रीकेंट्स का प्रयोग करें। थोड़ी-थोड़ी देर में पलकों को झपकाते रहें। कम्प्यूटर या लैपटॉप पर काम करते समय एंटीग्लेयर चश्मे का प्रयोग करें। दिन में तीन से चार बार आंखों को ठंडे पानी से धोएं। गंदे हाथों से आंखों को न छुएं। ज्यादा तकलीफ होने पर नेत्र रोग विशेषज्ञ को दिखाएं।

प्लास्टिक की पुरानी बोतलों से सजाएं घर

गर्मियों के मौसम में घर में जब भी कोई आए तो उन्हें कोल्ड-ड्रिंक सर्व की जाती है। ऐसे में घर में कितनी सारी प्लास्टिक की खाली बोतलें इकठ्ठी हो जाती हैं जिन्हें लोग कबाड़ी को बेच देते हैं या बाहर फेंक देते हैं लेकिन इन पुरानी बोतलों का इस्तेमाल घर के कई कामों के लिए किया जा सकता है। इन्हें पक्षियों के लिए चारा डालने और गार्डनिंग के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा और भी कई तरीके हैं जिन्हें अपना कर घर को सजाया जा सकता है।

1. बर्ड फिडर : प्लास्टिक की बोतल में नीचे दो अलग-अलग जगह पर छेद करें। अब इन दोनों में लकड़ी के चौड़े मुंह वाले चम्मच फंसा दें और चम्मच का मुंह बाहर निकालें। अब इस बोतल में दाना डालें और बोतल को बाहर लटका दें। पक्षी आराम से यहां बैठकर दाना खा सकेंगे।

2. लैंप : कुछ छोटी प्लास्टिक की बोतलें लें और चाकू से इनके नीचले किनारे काट लें। इन सभी किनारों को फैवीकोल की मदद से एक-दूसरे के साथ जोड़ें और एक फूल की शेप दें। इसे लैंप पॉट के ऊपर रखें और बल्ब जगाएं।

3. घौंसला : पक्षियों के लिए घोंसला बनाने के लिए बड़ी प्लास्टिक की बोतल का बीच वाला हिस्सा काट दें। अब इसके ऊपर और नीचे वाले हिस्से पर रंग बिरंगे कलर से पेंट करें। नीचे वाले हिस्से को थोड़ा सा काट दें ताकि चिड़िया आसानी से उसके बीच में से निकल सके। अब दोनों हिस्सों को फैवीकोल की मदद से जोड़ दें और धागे की मदद से किसी पेड़ पर टांग दें।

4. पेड़-पौधे : बोतल को लंबे रूख में बीच में से काटें और उसमें मिट्टी भर कर अपनी पसंद के फूल लगा लें। इसे अपने बगीचे में रख सकते हैं।

5. पैन स्टैंड : बोतल को काटकर उसका पैन स्टैंड भी बना सकते हैं। इसके लिए बोतल को ऊपर से काट दें और अच्छी तरह पेंट या कलरफुल टेप लगा कर उसमें पैन रख सकते हैं।

बंद नाक को तुरंत खोलने के लिए अपनाएं ये नुस्खे

गर्मी के मौसम में सारा दिन एसी के नीचे बैठे रहने के बाद एकदम धूप में निकलने पर जुखाम होना आम बात है। नाक बंद होने के कारण बेचैनी सी होने लगती है। कई बार कफ जमने से गला भी खराब हो जाता है। बंद नाक को खोलने के लिए लोग कैमिकल युक्त नेसल ड्राप्स का भी इस्तेमाल करते हैं लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से बाद में सेहत से जुड़ी और भी कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

1. नाक बंद हो जाए तो इसके लिए ठंड़ा पानी पीने से परहेज करना चाहिए। कोशिश करें कि गुनगुने पानी की सेवन करें।
2. बंद नाक को खोलने के लिए गुनगुने पानी में नमक डाल लें। इस पानी को नाक में डालने से आराम मिलता है। इस बात का ध्यान रखें कि एकदम से ही नाक में सारा पानी न डालें। 1-2 बूंद कॉफी है।
3. गर्म पानी की स्टीम लेने से नाक बंद नाक जल्दी खुल जाता है। दिन में 2-3 बार स्टिम जरूर लें।
4. तुलसी सेहत के लिए रामबाण है। अदरक के रस में तुलसी के पत्तों का रस और शहद मिला लें। इस मिश्रण का सेवन दिन में 2-3 बार करें।

कब्ज से परेशान हैं तो यह रहे आपके लिए कुछ उपाय

तीस वर्षीय अरविद रोज सुबह समय पर उठने के बावजूद भी ऑफिस देर से पहुंचता है। यह देरी उसे ट्रैफिक जाम या बस न मिलने के कारण नहीं होती। उसके देर से पहुंचने का कारण है कब्ज। हर सुबह उसे टायलेट में कम से कम आधा घंटा बैठना पड़ता है। साथ ही कब्ज के कारण दिन भर उस पर सुस्ती भी छाई रहती है।

दरअसल कब्ज एक आम समस्या है। हम में से बहुत से लोग इस समस्या से कभी न कभी जूझते ही हैं। केवल बड़े ही नहीं बच्चे भी इसके शिकार हो सकते हैं। रहन-सहन और खान-पान के गलत तरीके इस रोग को जन्म देते हैं। इसमें रोगी को निश्चित समय पर मल नहीं आता या कम मात्रा में आता है। कई बार कई दिनों तक मल नहीं आता। कब्ज से पीड़ति व्यक्ति को टायलेट में पन्द्रह से तीस मिनट तक का समय भी लग सकता है। इतना समय लगने पर भी हो सकता है मल सख्त, गांठदार, बदबूदार और काफी कम मात्रा में हो।

कब्ज का रोगी दिनभर सुस्ती और थकान महसूस करता है। उसका मन किसी काम में नहीं लगता। भूख भी कम लगती है। सिर तथा पेट में दर्द के साथ-साथ दिल की धड़कन भी बढ़ जाती है। पुराना होने पर कुछ अन्य बीमारियां जैसे सायटिका, शरीर में सूजन, पैरों की नसों का फूलना, अंतडी में घाव और आंतों में कृमि आदि हो सकती हैं। कब्ज से आंतों में विष उत्पन्न होते हैं जिससे रक्त दूषित होता है तथा बाद में रक्त विकार पैदा होते हैं।

आवश्यकता से अधिक या कम खाना दोनों ही स्थितियां कब्ज का कारण बन सकती हैं। सैर, व्यायाम तथा शारीरिक मेहनत की कमी, मानसिक तनाव, पाचन तंत्र का दूषित पदार्थों से भर जाना, मल त्यागने की इच्छा को दबाना आदि भी कब्ज के कारण होते हैं। चाय, कॉफी, चटपटे तथा तले हुए खाद्य पदार्थों का ज्यादा सेवन या कम पानी पीना भी कब्ज की स्थित उित्पन्न कर देता है। शरीर में उपस्थित थायराइड तथा पीयूष ग्रंथियों के स्त्रावों में कमी आने से भी कब्ज हो सकती है।

प्राकृतिक तरीके से कब्ज के निदान में रोग महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कब्ज के रोगी यदि नियमित रूप से पादहस्तासान का अभ्यास करें तो उनकी यह समस्या आसानी से दूर हो सकती है। इसे करने के लिए दोनों हाथों को बगल और जाघों से सटाकर सीधे खड़े हो जाइये। फिर हथेलियों को खुला रखकर हाथों को ऊपर उठाएं और धीरे-धीरे शरीर को आगे की झुकाएं (जितना आसानी से झुका सकते हों)। थोड़ा झुककर खुली हथेलियों को पैरों के पास जमीन पर लगाएं ऐसे में हाथों की अंगुलियां सामने की ओर होनी चाहिएं तथा सिर

को पैरों के घुटनों के बीच लगाएं। आसन करते समय यदि झुकने में परेशानी हो तो धीरे-प्रयास करें साथ ही घुटनों को मोड़े नहीं बिल्कुल सीधा रखें। पूर्व स्थिति में आने के लिए बल प्रयोग न करें साथ ही आसन करते समय तनाव मुक्त रहना भी बेहद जरूरी है। जब तक आसन का पूरा अभ्यास न हो जाए तब तक इसे किसी विशेषज्ञ की देखरेख में ही करें। वे व्यक्ति जिन्हें पीठ दर्द तथा गर्दन में दर्द की शिकायत हो वे इसे न करें। साथ ही यदि उच्च रक्तचाप व हृदय रोग की शिकायत हो तो भी इस आसन से बचें।

यह आसन कब्ज, अजीर्ण तथा मंदाग्नि को तो दूर करता ही है साथ ही आंतों को ठीक रखता है तथा पाचन क्रिया को सुचारू बनाता है। यह शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करे शरीर को सुन्दर तथा सुडौल बनाता है। यह आसन श्वास संबंधी रोगों में लाभकारी है तथा यह रीढ़ की हड्डी को लचीला भी बनाता है।

कुछ साधारण नियमों का पालन करके भी कब्ज से बचा जा सकता है जैसे- निश्चित समय पर शौच क्रिया की आदत डालें। मल विसर्जन की इच्छा को दबाए नहीं। रात को तांबे के बर्तन में पानी रख दें। सुबह उठकर कुल्ला करके उसे पी लें। यदि ऐसा न कर सकें तो सुबह उठकर एक गिलास ताजा पानी भी पिया जा सकता है, ऐसा करने से कब्ज से राहत मिलती है। गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर सुबह-सुबह पानी भी फायदेमंद होता है। रात को सोते समय दो चम्मच ईसबगोल की भूसी को दूध या जल के साथ लेने से शौच साफ होता है।

खाने पीने की आदतों में बदलाव और प्रतिदिन सैर और व्यायाम भी कब्ज दूर करने में सहायक होती है। कब्ज से बचने का सबसे आसान तरीका है कि फलों और सब्जियों का सेवन अधिक करें। हरी पत्तेदार सब्जियों, गाजर आदि में रूक्षांश अधिक होता है इसलिए इन्हें प्राथमिकता दी जानी चाहिए। फलों में आम, पपीता तथा केले का प्रयोग किया जा सकता है। अनाज का अधिक सेवन करें आटे को बिना छाने (चोकर समेत) प्रयोग करें क्योंकि यह रेशे का उत्तम स्त्रोत होता है। चाय-कॉफी तथा चटपटे-तले हुए पदार्थों का अधिक मात्रा में सेवन न करें। खाली पेट चाय या कॉफी बिल्कुल न लें। जहां तक संभव हो शाकाहारी भोजन का ही प्रयोग करें क्योंकि यह मांसाहारी भोजन की तुलना में आसानी से पच जाता है। पानी की उचित मात्रा भी कब्ज निवारण के लिए जरूरी है। भोजन के बीच में या भोजन के तुरन्त बाद पानी नहीं पीना चाहिए। कम से कम दस गिलास पानी रोज पीना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हमेशा भूख से थोड़ा कम खाना चाहिए। पेट के दो हिस्से अन्न, दाल-सब्जी व सलाद से भरने चाहिएं तथा एक हिस्सा पानी से भरना चाहिए। एक हिस्सा वायु के आने-जाने के लिए खाली छोड़ देना चाहिए।

सभी उपायों को अपनाने के बावजूद भी यदि लंबे समय तक कब्ज बनी रहे तो किसी विशेषज्ञ से सम्पर्क करना जरूरी होता है।

रेसिपी

चोको चिप केक

सामग्री

वनीला एसन्स 1 टेबल स्पून, दूध 2/3 कप, चीनी 1 कप, मैदा 1 + 1/4 कप, अंडे 3, बेकिंग सोडा 1 + 1/4 टेबल स्पून, मक्खन 150 ग्राम, चोको चिप 1 कप।

चीनी और मक्खन को किसी बड़े बाउल में निकालकर अच्छी तरह से तब तक फेंटे जब तक मक्खन चीनी के साथ अच्छे से मिल नहीं जाता (फेंटने के लिए आप मिक्सर का उपयोग कर सकते है)। अंडों को फोड़कर मिक्सर में 1 मिनट तक फेंटना है। अंडे दुगने लगने लगेंगे। एक छलनी मे मैदा और बेकिंग सोडा डाल कर छान लीजिये, ताकि इसमें हवा भर जाए। अंडों को चीनी वाले घोल के साथ अच्छे से फेट लीजिए। इसके बाद वनीला एसेंस चीनी वाले घोल में डाल दे। उसके बाद दूध डाल दीजिये और अच्छी तरह फेट लीजिए। इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से फिर से फेट लीजिए। केक को बर्तन में डालने से पहले उस बर्तन में चारों तरफ तेल या घी लगा ले, उपर से एक छोटी चम्मच मैदा चारो तरफ डाल दीजिये। फिर मैदा के घोल को केक बनाने वाले बर्तन मे डाल दीजिए और उपर से चोको चिप डाल दीजिए। ध्यान रहे इसे चम्मच से दबाना नहीं है बर्तन को हिला-हिला कर केक के पेस्ट को एक समान कर लीजिए। माइक्त्रोवेव में 20 मिनट टाइम सेट कर दीजिए या ओवन मे 180 डिग्री पर प्री हीट कर लीजिए और 20 से 25 मिनट पर पकने दीजिए। केक मे चाकू डाल कर देख लीजिए केक चाकू से चिपक तो नहीं रहा। केक बनकर तैयार है।

बसंती हलवा

साम्रगी

2 कप कसा हुआ कद्दू, 1 कप दूध, 200 ग्राम खोया, 1/2 कप चीनी, 1/2 कप मेवा (बादाम, किशमिश, काजू), 1/2 टी स्पून इलायची पाउडर, 1 चुटकी केसर, 1 टे.स्पून देसी घी।

सजाने के लिए- चांदी का वर्क, 1/2 कप सूखा नारियल (कसा हुआ)।

विधि

कद्दू को छीलकर धो लें और कद्दूकस करके पानी डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर हाथों से निचोड़कर सारा पानी निकाल दें। कड़ाही में घी डालकर उसमें कद्दू डालकर धीमी आंच पर भून लें। दूध में खोया और केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और कड़ाही में डाल दें। जब दूध हलवे में अच्छी तरह मिल जाए, तब उसमें चीनी, इलायची पाउडर और मेवे डालकर 15 मिनट तक चलाये, गर्मागर्म बसंती हलवा चांदी के वर्क और सूखे नारियल से सजाकर सर्व करें।

संपादकीय

आंतरिक लोकतंत्र के बागी

आम चुनाव, 2024 के संदर्भ में बागी उम्मीदवारों की भी चर्चा की जानी चाहिए। बागी उम्मीदवार किसी भी पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र के अभाव के संकेत होते हैं। राजनीतिक दल अपने ही नेताओं, प्रत्याशियों की राजनीतिक बगावत के कारण दोफाड़ तक हो जाते हैं। जनाधार विभाजित हो जाते हैं। काडर और समर्थक भी बंट जाते हैं, लेकिन कई बार यह बगावत अपरिहार्य लगती है। चुनाव लड़ने और सांसद, विधायक बनने की महत्वाकांक्षा औसत राजनीतिक कार्यकर्ता के भीतर होती है, नतीजतन लोकसभा चुनाव में भी 300 से अधिक बागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यह आंकड़ा कम-ज्यादा भी हो सकता है, क्योंकि बागियों की अधिकृत सूचना चुनाव आयोग जारी नहीं करता। पार्टियों में बागी चेहरे तभी सामने आते हैं, जब पार्टियों की चुनाव समिति किसी और को उम्मीदवार घोषित करती है और कई बार स्थापित नेताओं और जनप्रतिनिधियों के भी टिकट काट दिए जाते हैं। भाजपा ने एक-तिहाई सांसदों को इस बार अधिकृत उम्मीदवार घोषित नहीं किया है, लेकिन पार्टी कर्नाटक की शिमोगा सीट को लेकर चिंतित है। कर्नाटक के प्रख्यात नेता येदियुरप्पा के पुत्र एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेन्द्र के सामने, शिमोगा सीट पर, के. एस. ईश्वरप्पा निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। कभी ईश्वरप्पा राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री होते थे। वह आरएसएस के बहुत पुराने कार्यकर्ता रहे हैं। भाजपा ने उन्हें बदल कर विजयेन्द्र को अवसर देने का फैसला किया, लेकिन ईश्वरप्पा अचानक बागी हो गए। फिलहाल भाजपा नेतृत्व ने उन्हें 6 साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। मौजू सवाल यह है कि ऐसे बागी उम्मीदवार के कारण भाजपा को चुनावी नुकसान हुआ, तो क्या होगा? एक-एक सांसद बेहद कीमती होते हैं, तभी 370 या 400 की संख्या तक पहुंचना संभव होगा। राजस्थान की बाड़मेर सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार रवीन्द्र भाटी की खूब चर्चा है। उन्होंने निर्दलीय ही विधानसभा चुनाव, 2023 जीता था, तो वह भाजपा के करीब आए थे, लेकिन चुनाव समिति ने कैलाश चौधरी को टिकट दे दिया। अब रवीन्द्र भाटी निर्दलीय ही व्यापक जन-समूह को आकर्षित कर रहे हैं। स्थानीय मुद्दों से जनमत तैयार कर रहे हैं। उन्हें चुनावी चंदा भी खूब मिल रहा है। राजस्थान की चुरू सीट पर भी भाजपा में बागी पैदा हुआ है। वहां से भाजपा के राहुल कस्वां सांसद चुने गए थे। पार्टी ने इस बार पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी देवेन्द्र झाझरिया को अधिकृत उम्मीदवार बनाया, तो राहुल बागी होकर कांग्रेस में चले गए और कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। चुनाव नतीजे की भविष्यवाणी हम नहीं करते, लेकिन भाजपा को कुछ नुकसान जरूर हो सकता है। राजस्थान में ही कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने ही गठबंधन नेता के खिलाफ अभियान क्यों चला रहे हैं। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट 'इंडिया' गठबंधन के तहत बीएपी के हिस्से दी गई थी, लेकिन कांग्रेस के नाराज उम्मीदवार ने भी मैदान नहीं छोड़ा। अंजाम क्या होगा, सभी राजनीतिक विश्लेषक जानते हैं। महाराष्ट्र में अमरावती सीट पर 2019 में निर्दलीय उम्मीदवार नवनीत राणा जीती थी। इस बार भाजपा ने उन्हें अपना अधिकृत प्रत्याशी बना लिया। महायुति के स्थानीय नेता भी नाराज हैं और बागियों का उतरना भी तय है। ऐसे बागियों की सूची लंबी है। बेशक पार्टियां बागी नेताओं को मनाती हैं। उन्हें नामांकन न भरने या उसे वापस लेने को पुचकारती हैं। पार्टी के भीतर कुछ देने का आश्वासन भी दिया जाता है। इस संदर्भ में सफलता-दर बहुत कम है। बागियों को इतने वोट तक मिल जाते हैं कि वे या तो जीत के फासले के करीब पहुंच जाते हैं अथवा अधिकृत प्रत्याशी को पराजित कर देते हैं। छत्तीसगढ़ की रायपुर उत्तर सीट पर विधानसभा चुनाव, 2023 में ऐसा ही हुआ कि कांग्रेस उम्मीदवार बागी चेहरे के कारण चुनाव हार गया। यदि बागी उम्मीदवार के बावजूद मूल पार्टी का अधिकृत चेहरा चुनाव जीत जाता है, जैसा कि राजस्थान के विधानसभा चुनाव, 2023 में हुआ, तो बागी नगण्य और अप्रासंगिक भी हो जाता है।

राजनीतिक दल अपने ही नेताओं, प्रत्याशियों की राजनीतिक बगावत के कारण दोफाड़ तक हो जाते हैं। जनाधार विभाजित हो जाते हैं। काडर और समर्थक भी बंट जाते हैं, लेकिन कई बार यह बगावत अपरिहार्य लगती है। चुनाव लड़ने और सांसद, विधायक बनने की महत्वाकांक्षा औसत राजनीतिक कार्यकर्ता के भीतर होती है, नतीजतन लोकसभा चुनाव में भी 300 से अधिक बागी उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। यह आंकड़ा कम-ज्यादा भी हो सकता है, क्योंकि बागियों की अधिकृत सूचना चुनाव आयोग जारी नहीं करता। पार्टियों में बागी चेहरे तभी सामने आते हैं, जब पार्टियों की चुनाव समिति किसी और को उम्मीदवार घोषित करती है और कई बार स्थापित नेताओं और जनप्रतिनिधियों के भी टिकट काट दिए जाते हैं। भाजपा ने एक-तिहाई सांसदों को इस बार अधिकृत उम्मीदवार घोषित नहीं किया है, लेकिन पार्टी कर्नाटक की शिमोगा सीट को लेकर चिंतित है। कर्नाटक के प्रख्यात नेता येदियुरप्पा के पुत्र एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेन्द्र के सामने, शिमोगा सीट पर, के. एस. ईश्वरप्पा निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। कभी ईश्वरप्पा राज्य सरकार में उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री होते थे।

हजारों नक्सली मारे गए, बड़ी संख्या में हमारे जवान भी शहीद हुए

नक्सल विरोधी कार्रवाई पर हमदर्दी भरा दृष्टिकोण क्यों?

डॉ. रमेश ठाकुर

छत्तीसगढ़ के कांकेर में पिछले सप्ताह केंद्रीय सुरक्षाकर्मियों ने एक ऑपरेशन के तहत बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिराया। सूचनाएं थी कि नक्सली चुनाव में गड़बड़ी करने वाले थे। उनका निशाना पोलिंग बूथ थे। उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद हुआ। नक्सलियों पर इस कार्रवाई को लेकर एक दफा फिर कांग्रेस ने प्रमाणिकता पर सवाल उठाए हैं। वाजिब सवाल ये है कि आखिर चुनाव के बीच नक्सल और सुरक्षाबलों के बीच चले इस संघर्ष को राजनीतिक रंग देने में किसका भला होगा? भूपेश बघेल तो मुठभेड़ को फर्जी भी बता रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी बिना सोचे समझे नक्सलियों से हमदर्दी जताई। हालांकि, विरोध होने पर अब दोनों अपने बयानों को लेकर लीपापोती करने में लगे हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने इससे पूर्व भी नक्सलियों को शहीद बताकर उनके प्रति हमदर्दी जताई थी। यह तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है। जबकि, कायदे से देखें तो नक्सलियों ने उनके भी कई नेताओं को मौत के घाट उतारा है। बहरहाल, कांकेर मुठभेड़ को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जमकर वाकयुद्ध जारी है। पर, नक्सलवाद की समस्या चुनाव तक ही सीमित नहीं रहने वाली? क्योंकि देश विगत 70 वर्षों से नक्सल आतंकवाद झेलता आया है। अब समय की मांग है कि इसे जड़ से खत्म किया जाए। केंद्र की योजना फिलहाल इसी ओर अग्रसर भी है। अभी तक हजारों नक्सली मारे गए हैं जिनमें बड़ी संख्या में हमारे जवान भी शहीद हुए हैं। इसलिए इस समस्या को राजनीतिक चश्मे से देखने कतई औचित्य नहीं? इस समस्या को जड़ से मिटाने की राष्ट्रीय नीति के प्रति सभी को एक समान विचार रखना चाहिए। केंद्र सरकार ने गत दस वर्षों में नक्सल उन्मूलन की नीति पर एक निरंतरता बनाया हुआ है जिसके बेहतरीन परिणाम भी मिले हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो 2004-14 के यूपीए के दस सालों के नक्सली हमलों या मुठभेड़ों में 1,750 सुरक्षा बलों के जवानों की शहादत हुई थी, लेकिन 2014-23 में करीब 72 फीसदी तक कमी आई। इस दौरान 485 सुरक्षाबलों के जवानों की जान गई। इसी अवधि में नागरिकों की मौत की संख्या भी 68 प्रतिशत घटकर 4,285 से 1,383 हुई। कांग्रेस सरकार अपने वक्त में ये तय नहीं कर पाई थी कि वह आर्म्ड वाम विद्रोह के

नक्सलियों पर इस कार्रवाई को लेकर एक दफा फिर कांग्रेस ने प्रमाणिकता पर सवाल उठाए हैं। वाजिब सवाल ये है कि आखिर चुनाव के बीच नक्सल और सुरक्षाबलों के बीच चले इस संघर्ष को राजनीतिक रंग देने में किसका भला होगा? भूपेश बघेल तो मुठभेड़ को फर्जी भी बता रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी बिना सोचे समझे नक्सलियों से हमदर्दी जताई। हालांकि, विरोध होने पर अब दोनों अपने बयानों को लेकर लीपापोती करने में लगे हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने इससे पूर्व भी नक्सलियों को शहीद बताकर उनके प्रति हमदर्दी जताई थी। यह तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है।

खिलाफ केंद्रीय नीति किस तरह की रखे। कांग्रेस के नेताओं में इस पर एकमत था ही नहीं। प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह उच्चस्तरीय सुरक्षा सम्मेलनों में तो यह कहते रहे कि नक्सलवाद देश के लिए खतरा है। पर, गृहमंत्री के रूप में चिदंबरम ने सशस्त्र विद्रोह के प्रति कोई आक्रामक नीति कभी बनाई ही नहीं? मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह ने नक्सलवाद के मूल कारणों को ढूंढने के अपने सिद्धांत बना लिए और उसी की वकालत करते रहे। सन 2009 में यूपीए सरकार ने ऑपरेशन 'ग्रीन हंट' शुरू किया था। तब कहा गया था कि सरकार नक्सलियों को पूरी तरह खत्म कर देगी। सीआरपीएफ को इसके लिए खास तरह के टास्क दिए गए। इस अभियान में भारतीय सेना को भी लगाया गया। लेकिन, यह ऑपरेशन सुरक्षा बलों के लिए ही काल बन गया। अप्रैल-2010 में नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में एक ही दिन 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या कर दी। घरेलू मोर्चे पर यह ऑपरेशन 'ब्लूस्टार' के बाद सुरक्षाबलों की सबसे ज्यादा मौतों की यह घटना बन गई। यूपीए में तीन-तीन गृह मंत्री बनाए गए, शिवराज पाटिल, चिदंबरम और सुशील शिंदे। नक्सलवाद को लेकर तीनों की अपनी अलग-अलग राय थी। यूपीए सरकार में ही हिंसक नक्सलियों को गुमराह और नेक इरादे वाले लोगों के रूप में वर्णन किया गया। यूपीए सरकार ने ही मलकानगिरी के कलेक्टर विनील कृष्णा के बदले में आठ माओवादियों को रिहा किया। उसी दौरान माओवादी समर्थकों का एक पढ़ा लिखा वर्ग भी तैयार हुआ, जिन्हें आज अर्बन नक्सली कहा जाता है। फिलहाल केंद्र सरकार अब ये दावा करती है कि उसने हिंसक वाम आंदोलन और उग्रवाद खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ा है। नक्सल वामपंथी उग्रवाद को किसी भी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी। 2015 में मोदी सरकार ने आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ 'राष्ट्रीय नीति और कार्ययोजना' शुरू की थी, जिसमें हिंसा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही गई थी। सरकार ने उसी समय से किसी भी तरह की हिंसा से निपटने के लिए पुलिस और सुरक्षाबलों का आधुनिकीकरण करना शुरू कर दिया। प्रशिक्षण के लिए विशेष तौर पर फंड जारी किए। इसके साथ ही सरकार ने हिंसा प्रभावित राज्यों की सहायता के लिए विशेष बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजना पर काम शुरू किया। सुरक्षा जरूरतों में आने वाले खर्चों के लिए अलग से धनराशि जारी की। इतना ही नहीं इस पूरे काम की निगरानी करने के लिए सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय में एक अलग डिवीजन बनाया। इसे वामपंथी उग्रवाद प्रभाग का नाम दिया गया। वामपंथी उग्रवादियों का मुकाबला करने और राज्य पुलिस बलों की क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्यों में इंडिया रिजर्व बटालियन का भी गठन किया गया। लगातार ऑपरेशन से माओवादियों और नक्सलियों के पांव उखड़ गए हैं। हिंसा और अपराधों के आकड़े में लगातार कमी आई है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में 52 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस तरह कुल मौतों में भी 69 फीसदी की कमी आई है। सुरक्षाबलों के हताहतों की संख्या इस समय काफी कम है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। ये तभी संभव हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्र और राज्यों के बीच एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त किया, जिसके चलते ही विगत वर्षों में उग्रवादी गुटों के कई सदस्य सरकार के सामने आत्मसमर्पण करने को भी मजबूर हुए। केंद्र सरकार ने कई मर्तबा वामपंथी उग्रवादियों को हिंसा छोड़ने और बातचीत करने का प्रस्ताव दिया था। उनके लिए केंद्र ने कई विकास परियोजनाएं भी शुरू करने की बात कही। इनमें वामपंथी उग्रवाद से ग्रस्त क्षेत्रों में 17,600 किलोमीटर सड़कों को मंजूरी देना। केंद्र ने राज्यों को नियमित निगरानी के लिए हेलीकॉप्टर और मानव रहित हवाई वाहन उपलब्ध करवाना। सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए स्पेशल फंड्स जारी किए। इस मद में करीब 971 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूरी भी हुईं। इन परियोजनाओं में 250 किलेबंद पुलिस स्टेशन स्थापित करने का काम शुरू भी हुआ।

दृष्टि कोण

देश के अधिकांश हिस्सों पर मंडराता लू का खतरा

मौसम विज्ञानियों द्वारा वर्ष 2023 को पिछले 174 सालों का सबसे गर्म साल घोषित किए जाने के बाद अब भारतीय मौसम विभाग ने भी चालू वर्ष की ग्रीष्म ऋतु को सामान्य से अधिक गर्म होने की चेतावनी दे दी है। जाहिर है कि हमारे सामने एक नहीं बल्कि दो खतरे मुंह बाए खड़े हैं। इनमें एक खतरा लू का और दूसरा खतरा अतिवृष्टि से बाढ़ आदि का है, इसलिए आशा की जानी चाहिए कि हमारी सरकारें और खासकर आपदा प्रबंधन तंत्र इन खतरों से निपटने के लिए तैयार हो चुका होगा। इस साल कोलकाता में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका है जबकि अभी ग्रीष्म ऋतु की शुरुआत ही हुई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) द्वारा इस साल की ग्रीष्म ऋतु के बारे में जारी पूर्वानुमान के अनुसार अप्रैल से जून के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। केवल उत्तर पूर्व और उत्तर पश्चिम भारत के इक्का दुक्का क्षेत्रों में तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना व्यक्त की गई है। देश के अधिकांश हिस्सों में मासिक न्यूनतम तापमान भी सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। विभाग द्वारा मैदानी इलाकों में हीट वेव यानी कि लू चलने की चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों और मध्य भारत के कई हिस्सों, उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत, पूर्व और उत्तर पूर्व के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने का पूर्वानुमान मौसम विभाग ने जारी किया हुआ है। भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान भारत के हीटवेव संकट की भयावहता के चिंताजनक आंकड़े रेखांकित कर रहे हैं। विभाग के अनुसार पिछले एक दशक में लू की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हो रही है। हीटवेव संकट सिर्फ मौसम संबंधी या कृषि संबंधी मुद्दा नहीं बल्कि यह एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती भी है। भारत में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने हीटवेव्स की गंभीरता को पहचानते हुए इन्हें

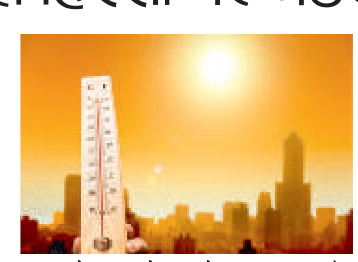

2021 में आपदा के रूप में वर्गीकृत किया है। विभाग की रिपोर्टें गर्मी से संबंधित मृत्यु दर में बढ़ती प्रवृत्ति का संकेत देती हैं। हाल के वर्षों में हजारों मौतें हीटवेव के कारण हुई हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम राजीवन एवं कमलजीत रे, एस एस रे, आर के गिरि और ए पी डिमरी आदि वैज्ञानिकों द्वारा 2021 में प्रकाशित एक शोध पत्र के अनुसार भारत में 50 वर्षों में हीटवेव ने 17,000 से अधिक लोगों की जान ले ली है। इस शोध पत्र में कहा गया है कि 1971-2019 तक देश में 706 हीटवेव घटनाएं हुईं। एक अन्य शोध के अनुसार 2015 की घातक हीटवेव में 2,500 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इससे श्रम उत्पादकता, स्वास्थ्य देखभाल लागत और कृषि उत्पादन में नुकसान के साथ आर्थिक प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्र, जो पहले से ही आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं, इन प्रभावों का खामियाजा भुगत रहे हैं, जिससे गरीबी और स्वास्थ्य असमानताएं और बदतर हो रही हैं। अभी अधिकतम तापमान कहां तक उछलेगा, इसका पूर्वानुमान तो नहीं आया मगर 19 मई 2016 को राजस्थान के फलोड़ी में अधिकतम तापमान 51 डिग्री सेल्सियस तक उछल चुका है। भारत हाल के वर्षों में भीषण गर्म हवाओं का सामना कर रहा है। देश में अत्यधिक उच्च तापमान अक्सर 50 डिग्री सेल्सियस के करीब चला जाता है, जिससे गर्मी की लहरें या लू पैदा होती है। ये गर्मी की लहरें आम तौर पर अप्रैल और जुलाई के बीच होती हैं, जो लाखों लोगों के जीवन और आजीविका को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं। इन लू के थपेड़ों से कृषि प्रधान ग्रामीण क्षेत्र विशेष रूप से अधिक प्रभावित होते हैं। इस विकट मौसम के कारण फसल की पैदावार प्रभावित होती है और किसानों पर काम का बोझ बढ़ जाता है। गर्म हवाओं से शहरी क्षेत्र भी अछूते नहीं हैं। क्योंकि कंक्रीट और डामर की गर्मी से तापमान में वृद्धि होती है। एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2020 में हीटवेव के दिनों की संख्या चार थी। इसी प्रकार 2021 में गर्म लहरों के दिनों की संख्या तीन और 2022 में 17 थी। इस साल अप्रैल और जून के बीच गर्मी की लहरों के पूर्वानुमान से पता चलता है कि गर्मी की लहर वाले दिनों की संख्या सामान्य से ऊपर होगी, खासकर गुजरात, मध्य महाराष्ट्र और उत्तरी कर्नाटक जैसे क्षेत्रों में, इसके बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तरी छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में हीटवेव्स दिनों की संख्या अधिक रहेगह। शोधों से पता चला कि देश के विभिन्न हिस्सों में चार से आठ दिनों की सामान्य गर्मी की तुलना में इस बार दस से 20 दिनों तक गर्म लहरें चलने की आशंका है।

कुछ अलग

चलो नई गारंटी दी जाए...

बाजारवाद का दौर है। पब्लिक एकदम नई चीज पसंद करती है। चाहे राजनीति हो, चाहे चाय पकौड़े की दुकान। राजनीति में कुछ नया दिखता है तो पब्लिक एकदम से दीवानी हो जाती है। पकौड़े की दुकान में कोई नई आइटम आ जाती है तो ग्राहक खिंचे चले आते हैं। अब चुनावों का मौसम है तो नई-नई गारंटियां दी जा रही हैं। पुरानी गारंटियां पब्लिक भूल रही हैं, इसलिए पुरानी गारंटियां कैंसिल हो रही हैं और नई गारंटियां ध्यान आकर्षित कर रही हैं। पब्लिक अब 10 गारंटियां भूल गई है। उसे इतना याद है कि गोबर खरीदने की बात हुई थी और गोबर के ढेर लगे हैं, लेकिन सरकार ने सत्ता में आने के बाद सब कुछ गुड गोबर कर दिया है। क्योंकि पार्टी के ही कुछ विधायक साथ छोड़ कर चले गए हैं और सरकार गुड़ बचाने में लगी है। गोबर की तरफ अभी ध्यान नहीं है। गोबर इक_ा वाले सरकार के खिलाफ कहीं मोर्चा न खोल दे, इसलिए नई गारंटियां चुनावी घोषणा पत्र में परोस दी गई हैं। इसमें रोजगार की बात नहीं है। महंगाई की बात नहीं है। पारदर्शी प्रशासन की बात नहीं है। स्वास्थ्य सुविधाओं की बात नहीं है। कानून व्यवस्था की बात नहीं है। सिर्फ एक ही वादा किया गया है कि जो बिक गए हैं, वह सलाखों के पीछे डाले जाएंगे। बिकने वाले क्यों बिक गए, इस पर घोषणा पत्र खामोश है। कुछ दल धर्म को भी घोषणा पत्र में घसीट कर ले आए हैं, ताकि पब्लिक को लगे कि अगर धर्म खतरे में हुआ तो देश भी खतरे में होगा। सबका अपना अपना एजेंडा है, लेकिन सबका एक ही फंडा है कि कैसे पब्लिक के वोट जुटाए जाएं और फिर कैसे पब्लिक को दरकिनार कर दिया जाए। क्योंकि पब्लिक बीच में रहेगी तो सरकार को खतरा रहेगा। पब्लिक पूछती रहेगी कि वायदों का क्या हुआ और गारंटियां कहां गई। जो दूरदर्शी राजनीतिक दल होते हैं, वे पब्लिक को फालतू के मसलों में उलझा कर रखते हैं ताकि मतलब के मसले पर जनता का ध्यान न जाए। पब्लिक का ध्यान कहीं और होगा तो सत्तारूढ़ दल अपना ध्यान अपने निशाने पर केंद्रित कर सकेगा। लेकिन पब्लिक का ध्यान भटक गया तो सत्तारूढ़ दल का मिशन भी भटक जाएगा। खैर बात हो रही थी गारंटी की। इसलिए सत्तासीन दल ने डिसाइड किया था कि अब पुरानी गारंटियों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए नई गारंटियां दी जाएंगी। इनमें चरणबद्ध ढंग से लोगों को चांद की सैर कराने का वायदा किया जाएगा ताकि चांद पर पहुंच कर लोग जब अपनी धरती को देखेंगे तो उन्हें चांद के विकास और अपनी धरती के डेवलपमेंट कार्यों पर तुलनात्मक अध्ययन करने का मौका मिलेगा। निश्चित रूप से चांद विकास के मामले में पीछे जाएगा। वहां पानी नहीं होगा, बिजली नहीं होगी, सडक़ें नहीं होंगी। इससे सत्तारूढ़ दल के नेताओं को यह प्रचार करने का मौका मिल जाएगा कि हम चांद से भी आगे हैं। कुछ नेता पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का उदाहरण देकर कह सकेंगे कि हम उनसे आगे हैं। पब्लिक इन बातों से बहुत खुश होती है। उन्हें लगता है कि चांद भी हमारी धरती के मुकाबले तरक्की में पीछे है और पाकिस्तान की तो लुटिया डूब रही है। इससे पब्लिक को गौरवान्वित होने का मौका मिलता है। पब्लिक गौरवान्वित होती रहे, इससे बढक़र चकाचक गारंटी और क्या हो सकती है। इसलिए यह गारंटी पब्लिक के बीच में आकर्षण का केंद्र बन रही है। चुनाव में कौन कितने में बिका, इस बारे पब्लिक फालतू में सोच कर अपना समय बर्बाद नहीं करना चाहती। पब्लिक को लगता है कि बाजारवाद का दौर है। इसमें हाईकमान भी खरीदा जा सकता है। हाईकमान का मु_ी में होना किसी भी दल के नेता जी के लिए अपने करियर में आगे बढ़ाने की सबसे बड़ी गारंटी है। यही गारंटी सर्वोपरि है। नेताजी यही गारंटी दे रहे हैं।

देश दुनिया से

जमानत एक नियम, जेल एक अपवाद है

संविधान की धारा 21 के अंतर्गत व्यक्तिगत जीवन व स्वतंत्रता का विशेष मौलिक अधिकार है, जो कि अपातकाल में भी समाप्त नहीं किया जा सकता। इसी तरह न्यायशात्र का भी यही सिद्धांत है कि जब तक किसी दोषी को सजा न हो जाए, तब तक उसे निर्दोष ही समझा जाना चाहिए। इसी सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (अब नागरिक सुरक्षा संहिता) में दोषियों को जमानत दिए या न दिए जाने का प्रावधान रखा गया है। न्यायालय जमानत देते समय उसके कानून व व्यवस्था पर पडऩे वाले प्रभावों का पूर्ण अवलोकन करता है। यह बात ठीक है कि जमानत देना या न देना किसी न्यायाधीश के व्यक्तिगत विवेक पर भी निर्भर करता है। आखिर जमानत क्या है? किसी भी अपराधी को गिरफ्तारी से बचने के लिए न्यायालय के सामने कोई निश्चित धन राशि या सम्पत्ति जमा करवाने या फिर अमुक धन राशि को न्यायालय के दिशा निर्देशों की अवहेलना न करने के लिए एक ऐसा बांड/प्रतिज्ञा पत्र होता है जो अपराधी व उसकी जमानत देने वाले को लिख कर देना होता है तथा दी गई शर्तों के अनुसार उसे अपना व्यवहार सुनिश्चित करना होता है। सात वर्ष तक की सजा वाले अपराधों में पुलिस को ही जमानत लेने का अधिकार दे दिया गया है, मगर इसमें भी अपवाद की अवधारणा डाली गई है कि यदि पुलिस को लगे कि अपराधी फरार हो सकता है या फिर सहयोग नहीं करेगा, तो इन हलात में पुलिस अपने स्तर पर जमानत नहीं लेगी तथा न्यायालय द्वारा ही जमानत दी जा सकती है। इस विवेक का पुलिस भी कई बार अनुचित लाभ उठा कर न्याय के साथ भद्दा मजाक करती रहती है। गंभीर प्रकार के अपराधों को गैर-जमानती बनाया गया है तथा आम तौर पर ऐसे अपराधों में जमानत नहीं दी जाती तथा दोषी अपने केस के ट्रायल के अंतिम निर्णय तक जेल के अंदर ही रहता है। इसी तरह यदि पुलिस किसी गैर जमानती मुकद्दमे का 90 दिन में अन्वेषण पूर्ण करके चालान नहीं भेज देती तब संबंधित अपराधी को न्यायालय जमानत पर छोड़ सकता है। इसी तरह जब कोई व्यक्ति अपनी गिरफ्तारी की आशंका से ग्रसित होता है, तो वह सत्र न्यायालय या फिर उच्च न्यायालयों में जमानत की मांग कर सकता है। मगर जमानत देना या न देना न्यायाधीश के व्यक्तिगत/विवेक पर भी निर्भर करता है। यदि मामला गंभीर प्रवृत्ति का हो तो आम तौर पर अग्रिम जमानत नहीं दी जाती। गौरतलब है कि भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत विचाराधीन मुकद्दमों की सुनवाई की कोई सीमा निश्चित नहीं की गई है, तथा परिणामस्वरूप विचाराधीन अपराधी कई बार बिना वजह से लंबे समय तक जेलों में अपने जीवन की अंतिम सांसें गिनते रहते हैं। पाया गया है कि वर्ष 2021-22 में भारत की जेलों में केवल 33 प्रतिशत कैदी ही ऐसे थे जिन्हें किसी अपराध में दोषी करार दिया गया था, जबकि 77 प्रतिशत कैदी ऐसे थे जो बिना सजा के ही जेलों में सड़ रहे थे। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2021 में 11490 ऐसे विचाराधीन अपराधियों को जेलों में रखा गया था, जो पिछले पांच वर्षों से भी अधिक समय तक न्याय का इंतजार कर रहे थे। इसी तरह वर्ष 2022 में कुल 573220 दोषी विभिन्न जेलों में थे जिनमें से 434302 विचाराधीन कैदी ही थे। यह भी देखा गया है कि जिन कैदियों को सत्र न्यायाधीश से जमानत नहीं मिलती, वे उच्च या उच्चतम न्यायालय में गुहार लगा कर जमानत प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं, जिससे स्पष्ट है कि न्यायाधीश का व्यक्तिगत विवेक भी किसी की जमानत को निर्धारित करता है। दोषियों को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए पुलिस जांच एजेंसियां केवल यही गुहार लगाती हैं कि दोषी अपने पद का दुरुपयोग कर सकता है, गवाहों को डरा- धमका सकता है या फिर कई प्रकार के प्रलोभनों द्वारा आकर्षित कर सकता है। यहां पर सोचने की बात यह है कि क्या ट्रायल के समय दोषी के सगे संबंधी गवाहों को प्रभावित नहीं कर सकते? हां, वो ऐसा आराम से करते ही हैं तथा यही कारण है कि गवाहों के मुकर जाने से ही दोषी सजामुक्त हो जाते हैं। जमानत न देने से किसी कैदी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि उसे अपराधी तो एक ट्रायल के बाद ही ठहराया जा सकता है। अगर हम आर्थिक अपराधों में सजा की दर की बात करें तो यह केवल 32.6 प्रतिशत है। आखिर क्या कारण है कि ऐसे अपराध जो कि दस्तावेजों के साक्ष्यों पर आधारित होते हैं, उनमें भी अधिकतर दोषी सजा से मुक्त हो जाते हैं। पुलिस व न्यायालय दोषियों की जमानत रद्द करने-करवाने में ही लगे रहते हैं तथा पूरी न्यायिक प्रक्रिया को मजबूत करने की तरफ ध्यान नहीं दिया जाता। जमानत के समय तथ्यों की कोई विस्तृत पड़ताल करने की आवश्यकता नहीं होती। इस संबंध में उच्चतम न्यायालय ने संजय चंद्र बनाम सीबीआई (2012) वाले केस में कहा था कि जमानत का उद्देश्य न ही सजा देने का है और न ही कोई अपराध की रोकथाम करना है। यह तो केवल मुलजिम को पुलिस या न्यायालय में पूछताछ में शामिल होने के लिए केवल एक प्रतिज्ञापत्र है।

न्यायालय जमानत देते समय उसके कानून व व्यवस्था पर पडऩे वाले प्रभावों का पूर्ण अवलोकन करता है। यह बात ठीक है कि जमानत देना या न देना किसी न्यायाधीश के व्यक्तिगत विवेक पर भी निर्भर करता है। आखिर जमानत क्या है? किसी भी अपराधी को गिरफ्तारी से बचने के लिए न्यायालय के सामने कोई निश्चित धन राशि या सम्पत्ति जमा करवाने या फिर अमुक धन राशि को न्यायालय के दिशा निर्देशों की अवहेलना न करने के लिए एक ऐसा बांड/प्रतिज्ञा पत्र होता है जो अपराधी व उसकी जमानत देने वाले को लिख कर देना होता है तथा दी गई शर्तों के अनुसार उसे अपना व्यवहार सुनिश्चित करना होता है। सात वर्ष तक की सजा वाले अपराधों में पुलिस को ही जमानत लेने का अधिकार दे दिया गया है।

आप का नजरिया

पुर्जे-पुर्जे शिकायत

धर्मपुर बस डिपो की चलती बस के टायर ही नहीं खुले, बल्कि पथ परिवहन निगम प्रबंधन की ढीली चूलें भी सामने आ गई हैं। लापरवाही का नजराना किसे मिला, यात्रियों को जो-बाल-बाल बच गए या चालक को- जो सारी नालायकी का जिम्मेदार बना दिया गया। अब अपनी जांच के ढीले पुर्जों को दुरुस्त करने की दृष्टि से एचआरटीसी प्रबंधन ने धर्मपुर बस डिपो के मुख्य व कार्यकारी मुख्य मैकेनिक निलंबित कर दिए, तो चालक संघ ने आंदोलन का शंखनाद करते हुए यह मांग कर डाली कि जांच के फंदे में आरएम और डीएम को भी निलंबन की सूची में डालें। आश्चर्य यह कि जिस बस को जोगिंद्रनगर से अमृतसर जाना था, उसकी चालन क्षमता व पुर्जों की उपयोगिता इतनी थी ही नहीं कि इसे डिपो से बाहर निकलने की अनुमति मिलती। वैसे जो सरकारी बसें सडक़ों पर तथाकथित रूप से चल रही हैं, उनमें कइयों की स्थिति धर्मपुर बस सरीखी ही है। आश्चर्य यह कि लंबे और अंतरराज्यीय बस रूटों पर भी सुरक्षित आवागमन की गारंटी नहीं। बेशक एचआरटीसी पर आज भी यात्रियों का भरोसा है और वे इसे ब्रांड हिमाचल की दृष्टि से अहमियत देते हैं, लेकिन वर्तमान स्थिति में सरकारी बसों की छवि जगह-जगह ब्रेकडाउन के कारण खराब हो रही है। यही वजह है कि प्रदेश के स्थानीय रूटों पर निजी बसों को यात्रियों की प्राथमिकता मिल रही है। वोल्वो बसों के संचालन में भी एचआरटीसी पिछड़ चुकी है, जबकि निजी क्षेत्र के कारण हिमाचल पर्यटकों को सुविधाजनक यात्रा के माध्यम से आकर्षित कर पा रहा है। जाहिर है हिमाचल परिवहन निगम की बसें फिसड्डी साबित हो रही हैं, तो इसके अनेक कारण हैं और जिनके लिए काफी हद तक चालक, मैकेनिक, क्षेत्रीय एवं डिवीजनल मैनेजर ही दोषी नहीं ठहराए जा सकते। जब से सरकारी बसें राजनीतिक फैसलों का बोझ उठाने लगी हैं, इनकी प्रबंधकीय क्षमता के टायर पंक्चर होने लगे हैं। इसलिए धर्मपुर डिपो की बस के टायरों का किस्सा बता रहा है कि भीतर कंगाली का आलम है क्या। हिमाचल के 14 सार्वजनिक उपक्रमों के कुल 5143.46 करोड़ के घाटे में परिवहन निगम ने ही 1966.13 करोड़ गंवाए हैं। यह अजीब सी स्थिति है, जहां घाटा निरंतर बढ़ रहा है, लेकिन सियासी प्राथमिकताएं बेशर्मी से अपना रुतबा आजमा रही हैं। जो रूट होने नहीं चाहिएं, वहां खाली बसें दौड़ रही हैं। जहां बस डिपो होने नहीं चाहिएं, वहां लाभकारी डिपो से छीन कर राजनीतिक आत्म संतुष्टि की जा रही है। कांगड़ा, हमीरपुर, ऊना, मंडी व कुल्लू के निजी बस आपरेटरों से ही एचआरटीसी प्रबंधन की कला सीख ले, तो पता चल जाएगा कि एक बस चलाने के लिए कितना अर्थशास्त्र व अर्थगणित चाहिए। न्यू प्रेम बस सर्विस दर्जनों बसें चलाने के लिए डिपो जैसे नखरे तो नहीं उठाता। दूसरी ओर निजी वोल्वो बसों की बुकिंग व यात्री संबंध इस तरीके से बुने गए हैं कि राज्य के बाहर के आपरेटर लाखों कमा रहे हैं। आश्चर्य यह कि एचआरटीसी बस की सीट भले ही फटी हो, प्रबंधन के तौर तरीकों में साहबों के दफ्तर आलीशान व शानोशौकत को तसदीक करते अपना रुतबा बताते हैं।

अच्छे रिटर्न–कर छूट के साथ सुरक्षा गारंटी निवेश पर 8.25 फीसदी की दर से सालाना ब्याज

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। अगर आप नौकरीपेशा हैं तो आपको वर्तमान के साथ अपने भविष्य यानी सेवानिवृत्ति के लिए बेहतर वित्तीय योजना बनानी चाहिए। इसके लिए जरूरी है कि नौकरी के दौरान अपनी नियमित आय में से कुछ पैसे उन योजनाओं में निवेश करें, जिनमें अच्छे रिटर्न और कर लाभ के साथ सुरक्षा की भी गारंटी हो। ऐसी ही एक योजना है...वॉलेंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ)।इसमें योगदान ईपीएफ में किए जाने वाले 12 फीसदी से अलग होता है। आप अपनी कंपनी में वीपीएफ में अलग से निवेश शुरू करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें निवेश पर ईपीएफ खाते की तरह 8.25 फीसदी का ब्याज मिलेगा।

तीन तरह से मिलती है छूट – ईपीएफ की तरह वीपीएफ में भी निवेश पर तीन तरह से कर छूट का लाभ मिलता है। पहला...सालाना 2.50 लाख रुपये तक के निवेश पर आयकर कानून की धारा 80सी के तहत कर छूट पा सकते हैं। दूसरा... ब्याज आय पूरी तरह से करमुक्त होती है। तीसरा...मैच्योरिटी पर मिलने वाली राशि पर कर का भुगतान नहीं करना पड़ता है। वीपीएफ में जमा–निकासी पर कर नहीं लगता है। हालांकि, अगर आप पांच साल से पहले पैसे निकालते हैं तो इस पर कर देना होगा। पांच साल बाद फंड से निकासी करमुक्त होती है।

बीच में बंद करने की सुविधा नहीं – वीपीएफ में निवेश के लिए अलग से खाता खोलने की जरूरत नहीं है। आपके वेतन से कटा हुआ पैसा इसमें जमा हो जाता है। ध्यान देने वाली बात है कि अगर आप इसमें निवेश शुरू करते हैं तो वित्त वर्ष के बीच में बंद नहीं कर सकते हैं।

इनमें भी लगा सकते हैं पैसा – पीपीएफः पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ में 7.1 फीसदी ब्याज मिल रहा है। न्यूनतम 500 व अधिकतम 1.50 लाख निवेश कर सकते हैं। इस पर मिलने वाला ब्याज करमुक्त होता है। लॉकइन अवधि 15 साल है। सुकन्या समृद्धिः इसमें 10 वर्ष तक की उम्र की बच्ची के नाम पर खाता खोल सकते हैं। एक वित्त वर्ष में न्यूनतम 250 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। निवेश पर 8.2 फीसदी ब्याज मिल रहा है। अधिकतम 15 साल तक पैसे लगा सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

मालदीव में भी एमडीएच - एवरेस्ट मसालों की बिक्री पर रोकः कीटनाशक होने का आरोप, हॉन्गकॉन्ग-सिंगापुर में बैन, भारत और अमेरिका में चल रही जांच

नई दिल्ली। हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर के बाद मालदीव ने भी अपने यहां एवरेस्ट और एमडीएच मसालों की बिक्री पर रोक लगा दी है। मालदीव की फूड एंड ड्रग अथॉरिटी ने कहा कि भारत में बनने वाले मसालों के दो ब्रांड्स में एथिलीन ऑक्साइड पाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मालदीव सरकार अभी तक इन मसालों से होने वाले जोखिम का मूल्यांकन कर रही थी। एमएफडीए ने कहा कि इन ब्रांड्स के मसाले मालदीव में बड़ी मात्रा में इंपोर्ट और यूज किए जाते हैं। हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर में सेल पर रोक इस महीने की शुरुआत में हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर की सरकारों ने एमडीएच और एवरेस्ट मसालों में कीटनाशक बनाने वाले केमिकल होने का आरोप लगाकर मद्रास करी पाउडर, एवरेस्ट फिश करी मसाला, एमडीएच सांभर मसाला मिक्स और एमडीएच करी पाउडर मिक्स मसालों की बिक्री पर बैन लगा दिया था। भारत और अमेरिका में भी जांच कर रहीं एजेंसियां रिपोर्ट्स आने के बाद भारत सरकार ने भी इनके प्रोडक्ट्स की जांच शुरू कर दी है। वहीं, अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन भी कंपनी के मसालों की जांच कर रहा है। एफडीए के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को बताया, एफडीए को इन रिपोर्ट्स की जानकारी है और वह स्थिति के बारे में अतिरिक्त जानकारी जुटा रहा है। एमडीएच ने आरोपों को खारिज किया, कहा– प्रोडक्ट्स सेफ हालांकि, एमडीएच ने अपने प्रोडक्ट्स में कीटनाशक होने के आरोपों को खारिज किया करते हुए कहा कि ये दावे झूठे और निराधार हैं और इनके कोई ठोस सबूत नहीं है। एमडीएच ने कहा, हमारे प्रोडक्ट्स में एथिलीन ऑक्साइड होने के आरोप सही नहीं है। इसके अलावा, कंपनी को सिंगापुर या हॉन्गकॉन्ग के रेगुलेटरी अधिकारियों की ओर से कोई मैसेज नहीं मिला है। कीटनाशक है एथिलीन ऑक्साइड, इससे कैंसर का खतरा स्पाइस बोर्ड के अनुसार, 10.7 सेल्सियस से ऊपर के तापमान पर एथिलीन ऑक्साइड ज्वलनशील और रंगहीन गैस बनाता है। यह कीटाणुनाशक, स्टरलाइजिंग एजेंट और कीटनाशक के रूप में काम करता है। इसका इस्तेमाल मेडिकल इक्विपमेंट्स को स्टरलाइज करने और मसालों में माइक्रोबियल कंटेमिनेशन को कम करने के लिए किया जाता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर एथिलीन ऑक्साइड को ग्रुप 1 कार्सिनोजेन के रूप में वर्गीकृत करती है। यानी यह निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि यह मनुष्यों में कैंसर का कारण बन सकता है। एथिलीन ऑक्साइड से लिम्फोमा और ल्यूकेमिया जैसे कैंसर हो सकते हैं। पेट और स्तन कैंसर भी हो सकता है। भारत ने 32,000 करोड़ के मसाले एक्सपोर्ट किए वित्त वर्ष 2022–23 में भारत ने करीब 32,000 करोड़ रुपए के मसालों का एक्सपोर्ट किया। मिर्च, जीरा, हल्दी, करी पाउडर और इलायची एक्सपोर्ट किए जाने वाले प्रमुख मसाले हैं।

रोजगार सृजन में लगातार सुधार, युवा वर्ग में बेरोजगारी सबसे ज्यादा, पर यह अस्थायी, बोलीं एमपीसी सदस्य

नई दिल्ली । आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की सदस्य आशिमा गोयल ने कहा, देश के युवा वर्ग में बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। हालांकि, यह अस्थायी है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि युवा कौशल हासिल करने व उद्यम शुरू करने में ज्यादा समय लगाते हैं। मजबूत वृद्धि के साथ रोजगार सृजन में लगातार सुधार भी हो रहा है। उन्होंने कहा, अधिक योग्य लोगों में युवा बेरोजगारी ज्यादा है, लेकिन वे ज्यादा वेतन भी कमाते हैं। इंतजार के दौरान वे अनौपचारिक क्षेत्र में काम करते हैं या उद्यमिता में जोखिम उठाते हैं। एमपीसी सदस्य ने कहा, बेहतर स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, बीमा, शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण सुविधाओं के जरिये युवाओं के लिए अवसरों को बढ़ाया जा सकता है। स्थायी सरकारी नौकरियों के जरिये ऐसा संभव नहीं है क्योंकि उनमें ठहराव है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मुताबिक, भारत में बेरोजगारी दर घटी है। 2019 में यह 17.5 फीसदी थी, जो 2023 में घटकर 10 फीसदी रह गई। विकसित देशों में निवेश से घट रहा एफडीआई देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) घटने पर गोयल ने कहा, ऐसा इसलिए क्योंकि विकसित देशों में फिर से निवेश के प्रयास हो रहे हैं। वे आर्थिक सुरक्षा बढ़ाने के साथ निवेश को वापस आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

केंट आरओ सिस्टम्स के सीएमडी महेश गुप्ता बोले चुनौतियों को अवसर बनाएं तो जरूर मिलेगी सफलता

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

वॉटर प्यूरीफायर बनाने वाली कंपनी केंट आरओ सिस्टम्स एक जाना-पहचाना नाम है। इसके पोर्टफोलियो में वॉटर सॉफ्टनर, किचन अप्लायंसेस, एयर प्यूरीफायर, वैक्यूम क्लीनर, हेल्दी कुकवेयर और होम एंड हाइजीन समेत कई उत्पाद हैं। करीब 1,200 करोड़ रुपये की कंपनी देश के साथ विदेश में भी अपने उत्पाद बेचती है। कंपनी के संस्थापक एवं सीएमडी डॉ. महेश गुप्ता से कालीचरण की बातचीत। 20,000 रुपये से शुरू हुई केंट करीब 1,200 करोड़ की कंपनी हो गई है। इस पड़ाव तक पहुंचने में चुनौतियां क्या आईं

इस सफर में मुश्किलें तो आईं, लेकिन हमने उन्हें अवसर के रूप में देखा। पानी खराब था, यह मेरे लिए सबसे बड़ा अवसर था। अगर पानी खराब ही नहीं होता तो मैं इस बिजनेस में नहीं होता। दूसरा...पानी को शुद्ध बनाकर लोगों तक कैसे पहुंचाया जाए, इस पर अध्ययन ही नहीं हुआ। यह हमारे लिए एक और अवसर था। अगर मार्केट बहुत प्रतिस्पर्धी होता है, जहां चार–पांच कंपनियां पहले से हों तो वहां जगह बनाने में काफी समय लगता है। लेकिन, इस बिजनेस में ऐसा नहीं था और हमें खाली मैदान मिला। एक वातावरण मिला, जिसमें हम रिसर्च कर पाए। नई चीजें लेकर आए। इससे लोगों में कंपनी के प्रति भरोसा पैदा हुआ, जो कायम है।

कंपनी पहले वॉटर प्यूरीफायर बनाती थी। अब पोर्टफोलियो में कई उत्पाद हैं। आगे विस्तार की क्या योजनाएं हैं

हमने जो भी उत्पाद बनाए, उसमें इनोवेशन व गुणवत्ता का ध्यान रखा गया। हार्ड पानी की समस्या थी, हम सॉफ्टनर लेकर आए। किचन अप्लायंसेस लेकर आए। वेजिटेबल क्लीनर लाए। हमारा मकसद लोगों को स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर उत्पाद मुहैया कराना था न कि सिर्फ लाभ कमाना। जहां तक विस्तार की बात है तो मेरा मानना है कि लोगों को वो सुविधाएं दी जाए, जो उन्हें नहीं मिलती है। हम अपने उत्पाद उनके सामने पेश करते रहेंगे। उन्हें पसंद आया तो हम भी विस्तार करते रहेंगे।

पंखे के कारोबार में कैसे आए और आगे क्या संभावनाएं हैं

पहले यह समझना होगा कि हम पंखे के कारोबार में क्यों आए। हम कोई बिजनेस लेने नहीं आए। पूरे देश में 100 करोड़ पंखे हैं, जो पुरानी तकनीक पर आधारित हैं। इसमें प्रति पंखा 70 वॉट की बिजली खपत होती है। हमारा पंखा 28 वॉट की बिजली से चलता है। अगर पूरे देश के सभी पंखे बदल दिए जाएं तो 500 मेगावॉट के 50 प्लांट जितनी बिजली बचेगी। हमने एक फैसला किया कि हम जो पंखे बनाएंगे, वो बिजली बचाएंगे। इसी मुहिम को लेकर हम इसके अंदर आए। जहां तक संभावनाओं की बात है तो आसमान खुला है। लोगों को जब समझ में आ जाएगा तो वे पुराने पंखे बदलेंगे। जब ये हो जाएगा तो समझूंगा कि महायज्ञ में मैंने भी छोटी सी आहूति डाली है।

हमारा देश एक ऐसे स्तर पर पहुंच गया है, जहां से हमें ऊपर ही जाना है। हमारी अंतरराष्ट्रीय स्थिति बहुत अच्छी है। हमारे पास बड़ा श्रमबल है, जो तकनीकी रूप से काफी सशक्त हैं। उधर, चीन की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। चीन प्लस वन की पॉलिसी से भी हमें लाभ मिलेगा।

आप अमेरिकी बाजार में भी कदम रखने जा रहे हैं। ब्लैक एंड डेकर से किस तरह का करार हुआ है

हमने ब्लैक एंड डेकर का ब्रांड लाइसेंसिंग लिया है। अच्छे उत्पादों के बावजूद अमेरिका में घुसना मुश्किल है क्योंकि वह सबसे कठिन और मेच्योर मार्केट है। वहां के नियम–कायदे काफी सख्त हैं। अमेरिकी लोगों में काफी जागरूकता है। इसलिए, हमने वहां के सबसे पॉपुलर ब्रांड को साथ लिया। अमेरिकी बाजार में उत्पाद हमारा होगा और ब्रांड ब्लैक एंड डेकर का।

अमेरिका के बाद कनाडा और फिर यूरोप में पंखे लेकर जाएंगे। यूरोप में ग्लोबल वॉर्मिंग शुरू हो गई है। वहां एसी लगाने की जगह नहीं है। इसलिए, नई तकनीक से लैस हमारे पंखे की मांग तो बढ़ेगी ही।

महंगी कारों का बोझ वहन नहीं कर सकते हैं ज्यादातर भारतीय, भारत में किफायती कार ज्यादा बिकने के ये हैं प्रमुख कारण

नई दिल्ली । मुंबई, 28 अप्रैल । गी कारें उपलब्ध हैं, लेकिन सस्ती कारों की हमेशा ज्यादा मांग रही है। हम आपको भारत में किफायती कार ज्यादा बिकने के 5 प्रमुख कारण बताते हैं। भारत में प्रति व्यक्ति आय अपेक्षाकृत कम है। इसका मतलब है कि अधिकांश लोग महंगी कारों को वहन नहीं कर सकते हैं।

सस्ती कारें उनके बजट में फिट बैठती हैं और उन्हें अपनी जरूरतों के अनुसार आने–जाने की सुविधा प्रदान करती हैं।भारत में पेट्रोल–डीजल हो या सीएनजी, इनकी कीमतें अपेक्षाकृत ज्यादा हैं। इसलिए भारतीय खरीदार ज्यादा माइलेज वालीं कारों को प्राथमिकता देते हैं, जो सस्ती कारों में आम तौर पर पाई जाती हैं। सस्ती कारों को आम तौर पर कम रखरखाव की आवश्यकता होती है, जो उन्हें लंबे समय में अधिक किफायती बनाती है।भारत में ज्यादातर लोग शहरों में रहते हैं। शहरों में खास तौर पर सड़कों पर भारी ट्रैफिक होता है और छोटी दूरी की यात्रा आम होती है। सस्ती कारें आमतौर पर छोटी और हल्की होती हैं, जो उन्हें शहरों में चलाने और पार्क करने में आसान बनाती हैं।भारतीय समाज में कारें अक्सर सोशल स्टेटस का प्रतीक मानी जाती हैं। हालांकि, सस्ती कारें भी मालिकों को एक निश्चित स्तर की स्वतंत्रता और गतिशीलता प्रदान करती हैं, जो उनके लिए महत्वपूर्ण है। सरकार सस्ती कारों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहल कर रही है। उदाहरण के लिए, सरकार ने छोटी कारों पर करों को कम किया है और ऑटो लोन पर सब्सिडी प्रदान की है। भारतीय कार बाजार में सस्ती कारों की एक पूरी सीरीज उपलब्ध है। अलग–अलग कार कंपनी विभिन्न प्रकार की सुविधाओं और प्राइस पॉइंट के साथ सस्ती कारों की पेशकश करते हैं, जिससे खरीदारों को अपनी जरूरतों और बजट के अनुसार कार चुनने की स्वतंत्रता मिलती है। यह अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले वर्षों में भारत में सस्ती इलेक्ट्रिक कारों की मांग बढ़ेगी। बता दें कि भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश है और इस विकासशील देश में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री एक महत्वपूर्ण बाजार है।

ब्याज दर में कटौती की उम्मीद में चढ़ा बाजार

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी फेड रिजर्व की मंगलवार से शुरू हो रही दो दिवसीय बैठक में ब्याज दरों में कटौती किये जाने की उम्मीद में विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार ने एक प्रतिशत से अधिक की उड़ान भरी। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 941.12 अंक अर्थात 1.28 प्रतिशत की उड़ान भरकर 74,671.28 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 223.45 अंक यानी एक प्रतिशत की छलांग लगाकर 22,643.40 अंक पर बंद हुआ। बीएसई का मिडकैप 0.79 प्रतिशत उछलकर 41,918.09 अंक और स्मॉलकैप 0.07 प्रतिशत चढ़कर 47,270.05 अंक हो गया।इस दौरान बीएसई में कुल 4088 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2015 में लिवाली जबकि 1894 में बिकवाली हुई वहीं 179 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 32 कंपनियों में तेजी जबकि 18 में गिरावट रही। बीएसई में सर्विसेज और रियल्टी समूह की 0.99 प्रतिशत की तेजी को छोड़कर अन्य 18 समूहों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान बैंकिंग 2.70, कमोडिटीज 0.49, ऊर्जा 0.79, वित्तीय सेवाएं 1.81, इंडस्ट्रियल्स 0.48, यूटिलिटीज 1.12, धातु 0.40, तेल एवं गैस 1.02 और पावर समूह के शेयर 0.90 प्रतिशत मजबूत रहे। अंतर्राष्ट्रीय बाजार का रुझान सकारात्मक रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.47, जापान का निक्केई 0.81, हांगकांग का हैंगसेंग 0.54 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.79 प्रतिशत चढ़ गया जबकि जर्मनी के डैक्स में 0.08 प्रतिशत की गिरावट रही। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 253 अंक की तेजी के साथ 73,982.75 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 73,922.34 अंक के निचले स्तर पर आ गया।

लंदन की टिफिन सर्विस में दिखी मुंबई के डब्बेवालों जैसी व्यवस्था, आनंद महिंद्रा ने साझा किया वीडियो

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में डब्बावाला काफी मशहूर है। लंबे समय से मुंबई के विभिन्न इलाकों में खाना पहुंचाने का काम कर रहे ये अब इस शहर का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। इन डब्बेवालों के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा के संस्थापक आनंद महिंद्रा ने एक दिलचस्प वीडियो साझा किया। उनके पोस्ट में एक ट्विस्ट है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि लंदन की एक कंपनी डब्बे में खाना भरकर बेच रही है। वीडियो के साथ आनंद महिंद्रा ने इसे उल्टा साम्राज्यवाद बताया है। वीडियो साझा करते हुए महिंद्रा एंड महिंद्रा के संस्थापक ने अपने पोस्ट में लिखा, उल्टा साम्राज्यवाद का बेहतर और स्वादिष्ट सबूत और कुछ नहीं है। उनके इस वीडियो में लंदन की एक कंपनी को मुंबई के डब्बेवालों की प्रणाली अपनाते हुए देखा गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कुछ लोग डब्बे में खाना भरकर उसे साइकिल जैसे वाहन में रखकर विभिन्न इलाकों में पहुंचा रहे हैं।

यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया – बता दें कि इस वीडियो को 28 अप्रैल को शेयर किया गया था। वीडियो को पोस्ट करने के बाद से इसे चार लाख से ज्यादा दर्शकों ने देखा है। इस वीडियो पर नौ हजार लाइक्स और कई सारे कमेंट्स भी किए गए हैं। इस वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने कहा, डब्बावाला एक कारण से केस स्टडी बन गया है। एक दूसरे यूजर ने लिखा, मुंबई के डब्बेवालों का सिस्टम अलग है। वे विभिन्न लोगों के घर से उनके खाने का डब्बा उठाते हैं और उनके दफ्तरों तक पहुंचाते हैं। यह कुछ फुड डिलीवरी एप जैसा है, जहां एक ही खाना विभिन्न लोगों को पहुंचाया जाता है।

निवेश पर रिटर्न ही नहीं- जोखिम भी जरूर देखें, अंगुलियां जलाने के बजाय विशेषज्ञों की लें मदद

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

लोग अक्सर निवेश करते समय यह देखते हैं कि वे इससे कितना रिटर्न कमा सकते हैं और वहीं रुक जाते हैं। हालांकि, निवेश रिटर्न के बारे में नहीं है। यह निवेश से जुड़े जोखिम, आप जो जोखिम उठा सकते हैं। मेरा एक पड़ोसी था, जिसने 49 साल की उम्र तक अपना पैसा कभी स्टॉक या यहां तक कि म्यूचुअल फंड में नहीं लगाया था। हालांकि, हाल के वर्षों में शेयर बाजार की बढ़त देखकर उन्हें कुछ पैसे कमाने का प्रलोभन हुआ और वे निवेश करना चाहते थे, और उन्होंने ऐसा ही किया। जैसा कि किस्मत में लिखा था, तीन महीने बाद उनके निवेश का मूल्य कम हो गया और वह चिंतित दिखाई देने लगे। वास्तविकता यही है कि जब आप कुछ नहीं जानते हैं, तो किसी ऐसे व्यक्ति से सीखना सबसे अच्छा तरीका है जो आपको सिखा सकता है या ध्यान से देख सकता है और आपके अंदर के कौशल को जगा सकता है।

निवेश का मतलब 100 फीसदी लाभ नहीं

मेरे पड़ोसी की बात करें तो, उसने पिछले दो वर्षों में हर किसी को पैसा कमाते हुए सुना था। लेकिन, उसने पैसे खोने वाले लोगों की तलाश करने के लिए कोई होमवर्क नहीं किया था। इसलिए, जब उन्होंने अपना पैसा लगाया, तो उन्होंने निवेश की कोई समय सीमा नहीं रखी थी और न ही निवेश के साथ जोखिम लेने की कोई सीमा रखी थी। उनकी अपेक्षाएँ वास्तविकता से काफी अलग थीं। इस प्रक्रिया में उन्हें पैसे का नुकसान हुआ। फिर मैंने उससे कहा कि वह इस बात पर विचार करें कि वह कितना जोखिम उठा सकते हैं और क्या वह निवेश करते समय पैसे खोने का सामना कर सकते हैं वह शुरू में उलझन में थे और बताया कि जिस किसी से भी वह मिले थे सबने केवल पैसा कमाया था। तब मैंने उनसे कहा कि निवेश का मतलब 100 फीसदी रिटर्न नहीं है। इसका मतलब है कि समय के साथ उसके निवेश के मूल्य में वृद्धि और यह वृद्धि निवेश की समय सीमा और वह किस प्रकार के जोखिम उठा सकता है, उस पर निर्भर करता है।

एफडी में निश्चित कमाई, पर पर्याप्त नहीं

फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में पैसा जोखिम से मुक्त प्रतीत होता है, लेकिन रिटर्न महंगाई दर से कम हो तो इसमें मुद्रास्फीति को मात न देने का जोखिम होता है। उसी तरह, अगर कोई हर दिन इसकी कीमत में बदलाव देखता है तो स्टॉक एक्सचेंज पर किसी बड़ी और प्रतिष्ठित कंपनी में निवेश करना जोखिम भरा लग सकता है। लेकिन, एक दशक में इसकी कीमत बढ़ाने के लिए यह एक अच्छा दांव हो सकता है।

मुनाफे के प्रकार को समझें

किसी वित्तीय साधन के काम करने के तरीके, निवेश से जुड़े जोखिम और इससे मिलने वाले रिटर्न के प्रकार को समझें। निवेश से जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका समय के साथ निवेश को वित्तीय लक्ष्यों से जोड़ना है। इस तरह, सेवानिवृत्ति जैसा लक्ष्य 20–30 साल बाद हो सकता है और इसमें निवेश के लिए विभिन्न वित्तीय साधनों की जरूरत होती है। इसके विपरीत, आपात स्थिति के लिए पैसा बचत बैंक खाते या एफडी में रखा जाता है। जब आपके पैसे की बात आती है, तो अपनी अंगुलियां जलाने के बजाय विशेषज्ञों की मदद लेने का प्रयास करें।

रिटर्न से अलग कर न देखें

हम अक्सर निवेश को रिटर्न से अलग करके देखने की गलती करते हैं। यह सही नहीं है। किसी निवेश को निवेश के मूल्य में वृद्धि के रूप में देखना चाहिए और उसके आधार पर ही निवेश को प्राथमिकता देने के लिए वित्तीय जरूरतों को समझना चाहिए। उदाहरण के लिए, यदि आपको अब से कुछ महीनों में पैसे की जरूरत है, तो आप उसे किसी वित्तीय साधन में निवेश नहीं कर सकते हैं, जो बहुत जोखिम भरा है और आप अपने निवेश का 20 फीसदी खो सकते हैं। हालांकि, वही निवेश 18 महीने की अवधि में 20 फीसदी का अच्छा रिटर्न दे सकता है। इसलिए, किसी को निवेश के साधन से जुड़े जोखिम को उतना ही समझना चाहिए जितना उन्हें अपनी जोखिम लेने की क्षमताओं को समझने की जरूरत है।

टी-20 वर्ल्ड कप-टीम इंडिया का ऐलान 1 मई को संभव: टीम का पहला बैच 22 मई को हो सकता है रवाना, जून में होगा टूर्नामेंट

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान 1 मई को हो सकता है। आईसीसी की ओर से वर्ल्ड कप के लिए टीम की घोषणा की आखिरी तारीख भी 1 मई है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए आईपीएल मैच को देखने के लिए विशेष रूप से दिल्ली आए थे, ताकि उन्हें कप्तान रोहित के साथ बातचीत करने का मौका मिल सके।

22 मई को रवाना हो सकता है पहला बैच- इस दौरान दोनों के बीच एक अनऑफिशियल मीटिंग हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1 मई को डेडलाइन खत्म होने के दिन भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। टीम का पहला बैच 22 मई को उन खिलाड़ियों के साथ वर्ल्ड कप के लिए रवाना होने वाला है जो तब तक आईपीएल से बाहर हो जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि सिलेक्शन कमेटी आईपीएल के परफॉर्मेंस को देखते हुए सिलेक्शन नहीं करेगी। कमेटी का मानना है वेस्टइंडीज में स्थिति यहां से काफी अलग होगी।

दूसरा विकेटकीपर कौन होगा - रिपोर्ट के मुताबिक, टी-20 वर्ल्ड कप में जो दूसरी मीटिंग होने वाली है, उसमें कई ऐसे मुद्दें हैं, जिन पर चर्चा हो सकती है। विकेटकीपर के लिए ऋषभ पंत के साथ संजू सैमसन और केएल राहुल के नामों को लेकर भी संशय है। पंत का चयन तय माना जा रहा है। वहीं, दूसरे विकेटकीपर को लेकर चर्चा जारी है।

मिडिल ऑर्डर में पावर हिटर्स - सबसे बड़ी चुनौती मिडिल ऑर्डर में पावर हिटर्स को रखना होगा। रोहित और विराट कोहली लगातार रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं, लेकिन बड़े स्कोर बनाने की जिम्मेदारी मिडिल और लोअर मिडिल ऑर्डर के पावर-हिटर्स पर होगी। हार्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा की स्ट्राइक रेट इतनी इम्प्रेसिव नहीं रही हैं। इस भूमिका के लिए रिंकू सिंह अच्छे ऑप्शन हैं। शिवम दुबे भी एक ऑप्शन बनकर उभरे हैं। बॉलिंग को लेकर भी चीजें फाइनल नहीं तेज गेंदबाजी और स्पिनरों को लेकर भी चीजें फाइनल नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल में अब तक केवल राजस्थान रॉयल्स की ही जगह पक्की पांच टीमें बराबर अंकों पर जबकि तीन का बाहर होना तय

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अब तक केवल राजस्थान रॉयल्स की ही प्लेऑफ लिए जगह पक्की हुई है। पांच टीमें बराबर अंकों पर हैं जबकि तीन का बाहर होना तय नजर आ रहा है। अब तक 46 मुकाबले हुए हैं। इसके बाद जो तस्वीर उभरकर आयी है उसमें संजू सैमसन की टीम राजस्थान रॉयल्स ने 9 मैच में से 8 में जीत हासिल करके 16 अंक हासिल कर प्लेऑफ के लिए अपनी जगह पक्की की है। वह अंक तालिका में नंबर एक पर बनी हुई टीम के पास पहले स्थान पर बने रहते हुए क्वालीफाई करने का अच्छा अवसर है। वहीं दूसरे स्थान के लिए मुकाबला कड़ा है। राजस्थान रॉयल्स को छोड़ दें तो अब तक टूर्नामेंट में सबके लिए उतार चढ़ाव भरा सीजन रहा है क्योंकि कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर), चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स सभी के 5 जीत के साथ ही 10 अंक हैं. इसमें से सिर्फ एक दिल्ली है जिसने 10 मैच खेले हैं जबकि कोलकाता ने 8 ही मैच खेला है। अन्य टीमों ने 9 मुकाबले हैं। ऐसे में श्रेयस अय्यर की केकेआर का टीम दूसरे नंबर की प्रबल दावेदार नजर आती है। वहीं चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स पर बार होने का खतरा है। इन्हें जीत के लिए अपने सभी मुकाबले जीतने होंगे।

नाडा पैनल से हरी झंडी मिलने के बाद इंडियन ग्रां प्री एक में वापसी करेंगी हिमा दास

नई दिल्ली। भारत की स्टार धाविका हिमा दास पिछले महीने सुनवाई के बाद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के अनुशासनात्मक पैनल द्वारा हरी झंडी दिये जाने के बाद बेंगलुरु में इंडियन ग्रां प्री एक में वापसी करेंगी। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। पिछले साल नाडा ने 12 महीने में तीन दफा अपने रहने के स्थान की जानकारी देने में विफलता के बाद 24 वर्षीय हिमा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा 30 अप्रैल को होने वाले इंडियन ग्रां प्री 1 की महिलाओं की 200 मीटर रेस की प्रविष्टि सूची में हिमा का नाम शामिल है। भारतीय एथलेटिक्स टीम के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, पिछले महीने नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल की सुनवाई में उन्हें प्रतियोगित में हिस्सेदारी के लिए हरी झंडी मिल गयी। हालांकि सूत्र ने यह नहीं बताया कि नाडा के पैनल ने उन्हें फिर से प्रतिस्पर्धा करने की मंजूरी कैसे दी। हिमा ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 400 मीटर का व्यक्तिगत रजत पदक जीता था। वह जकार्ता में स्वर्ण पदक जीतने वाली महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर और रजत पदक जीतने वाली मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले चौकड़ी का हिस्सा थीं। चोट के कारण असम की इस धाविका को पिछले साल हांग्झोउ एशियाई खेलों में शामिल नहीं किया गया था।

युवा मुक्केबाजों ने बिखेरा जलवा, जादुमणि-आकाश युवा चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। एम जादुमणि (51 किग्रा) और आकाश गोरखा (60 किग्रा) एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। जादुमणि ने अंडर-22 वर्ग के दूसरे दौर में आरएससी (रैफरी द्वारा मुकाबला रोकने) निर्णय के साथ मंगोलिया के अल्दरखिशिग बटुल्गा को मात दी। आकाश को मंगोलिया के गनबातार गान एर्डीन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। भारतीय मुक्केबाज ने पहले दौर में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 4-1 से जीता। दोनों मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेंगे। इससे पहले, जतिन (57 किग्रा), सागर जाखड़ (60 किग्रा) और यशवर्धन सिंह (63.5 किग्रा) भी अगले दौर में पहुंच गए थे। जतिन और यशवर्धन ने अपने-अपने मुकाबले 5-0 के अंतर से जीते, जबकि सागर को वॉकओवर मिला था। लक्ष्मी (50 किग्रा), तमन्ना (54 किग्रा), यात्री पटेल (57 किग्रा) और श्रुष्टी साथे (63 किग्रा) सहित 11 मुक्केबाज महिलाओं के वर्ग में चुनौती पेश करेंगे।

कोलकाता ने दिल्ली को सीजन में दूसरी बार हराया,16.3 ओवर में चेज किया टारगेट

फिल सॉल्ट की फिफ्टी, चक्रवर्ती ने झटके 3 विके

कोलकाता, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल - 2024 के 47वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हरा दिया। कोलकाता ने दिल्ली को इस सीजन में दूसरी बार हराया है। टीम ने 154 रन का टारगेट 16.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कैपिटल्स ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 153 रन बनाए। केकेआर से फिल सॉल्ट ने 33 बॉल पर 68 रनों की पारी खेली। उन्होंने सीजन में चौथी फिफ्टी जमाई। सुनील नरेन ने 15 और रिंकू सिंह ने 11 रन का योगदान दिया। अक्षर पटेल को 2 विकेट मिले।

इससे पहले, डीसी के कुलदीप यादव ने 26 बॉल पर नाबाद 35 रन बनाए, जबकि कप्तान ऋषभ पंत ने 27 रन का योगदान दिया। वरुण चक्रवर्ती ने 3 विकेट चटकाए, जबकि वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा को 2-2 सफलताएं मिलीं। मिचेल स्टार्क और सुनील नरेन को एक-एक विकेट मिला। 10वें ओवर में कोलकाता ने तीसरा विकेट गंवाया। रिंकू सिंह 11 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें लिजार्ड विलियम्स ने कुलदीप यादव के हाथों कैच कराया। 10 ओवर के बाद कोलकाता का स्कोर 104/3 रहा। 9वें ओवर में कोलकाता ने दूसरा विकेट गंवाया। यहां फिल सॉल्ट 68 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अक्षर पटेल ने पहली बॉल पर बोल्ड कर दिया। अक्षर ने सुनील नरेन (15 रन) जैक फ्रेजर-मैगर्क के हाथों कैच कराया। इसी ओवर में कोलकाता ने 100 रन का आंकड़ा हासिल कर लिया। 7वें ओवर में कोलकाता ने पहला विकेट गंवाया। यहां सुनील नरेन 15 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अक्षर पटेल ने जैक फ्रेजर-मैगर्क के हाथों कैच कराया। नरेन के आउट होने के बाद रिंकू सिंह पहली बार नंबर-3 पर उतरे हैं। 7 ओवर के बाद कोलकाता का स्कोर 84/1 रहा। पावरप्ले के बाद रणनीति ब्रेक के दौरान दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत कोच रिकी पोंटिंग से बहस करते देखे गए। 154 रन का टारगेट चेज कर रही कोलकाता ने तेज शुरुआत की है। टीम ने पावरप्ले के 6 ओवर में बिना नुकसान के 79 रन बना चुकी है। खलील अहमद के ओवर की चौथी बॉल पर फिल सॉल्ट ने छक्का जमाकर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने सीजन की चौथी फिफ्टी जमाई। युवा बॉलर रसिख सलाम के पहले ओवर से 15 रन आए। वे पारी का 5वां ओवर डालने आए। यहां नरेन-सॉल्ट की जोड़ी ने रसिख के ओवर में 3 चौके जमाए। इस जोड़ी ने फिफ्टी पार्टनरशिप भी पूरी कर ली। ओवर के बाद कोलकाता का स्कोर 61/0 रहा। तीसरे ओवर में फिल सॉल्ट ने लिजार्ड विलियम्स की बॉल पर लगातार दो छक्के जमाए। इस ओवर से 13 रन आए। लिजार्ड दो ओवर में 36 रन खर्च कर चुके हैं। 3 ओवर के बाद कोलकाता का स्कोर 40/0 रहा। दूसरे ओवर की पहली बॉल पर फिल सॉल्ट को जीवनदान मिला। खलील की बॉल पर लिजार्ड विलियम्स ने मिडऑन पर हाई कैच छोड़ दिया। इस ओवर के बाद कोलकाता का स्कोर 27/0 रहा। 154 रन का टारगेट चेज कर रही कोलकाता ने पहले ओवर में 23 रन बना लिए हैं। सॉल्ट और नरेन की ओपनिंग जोड़ी ने लिजार्ड विलियम्स के ओवर में चार बाउंड्री जमाई। कुलदीप यादव ने पारी के आखिरी ओवर में आंद्रे रसेल की बॉल पर चौका जमाते हुए टीम को 150 के पार पहुंचाया। कुलदीप ने 26 बॉल पर नाबाद 35 रन की पारी खेली। 19वें ओवर में हर्षित राणा ने कोलकाता को नौवां विकेट दिलाया। उन्होंने रसिख सलाम को पवेलियन भेजा। रसिख 8 रन बनाकर आउट हुए।

तमिलनाडु सरकार ने गुकेश को किया सम्मानित, दिया 75 लाख रुपए का नकद पुरस्कार

चेन्नई, 29 अप्रैल।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने हाल ही में टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को सम्मानित किया। स्टालिन ने गुकेश को 75 लाख रुपये देने की घोषणा की। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही गुकेश को एक शील्ड और शॉल भी प्रदान किया। इस मौके पर राज्य के खेल मंत्री उदयानिधि स्टालिन के अलावा आला अधिकारी और गुकेश के माता-पिता मौजूद थे। मालूम हो कि तमिलनाडु सरकार ने गुकेश को कैंडिडेट्स टूर्नामेंट की तैयारी के लिए 15 लाख रुपये की मदद दी थी।

गुकेश ने तोड़ा था गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड

भारतीय ग्रैंडमास्टर ने टोरंटो में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का खिताब जीतकर गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ा था। वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने थे। वह विश्वनाथन आनंद के बाद कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय भी हैं। गुकेश ने 14वें और अंतिम राउंड में अमेरिकी हिकारू नाकामुरा के साथ आसान ड्रॉ खेला और टूर्नामेंट को 14 में से नौ अंकों के साथ समाप्त किया था। इस जीत के साथ ही गुकेश मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को इस साल के आखिर में होने वाले मुकाबले में चुनौती दे सकेंगे।

स्वदेश लौटने पर हुआ था भव्य स्वागत

कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाले युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश का स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत हुआ था। गुकेश का एयरपोर्ट पर उनके फैंस इंतजार कर रहे थे और बाहर आने पर फैंस ने गुकेश को माला पहनाई और पुलिस को उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए मेहनत करनी पड़ी थी। गुकेश की मां पदमा जो एक माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं वह भी परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गुकेश का स्वागत करने के लिए एयरपोर्ट पर मौजूद थीं।

आईपीएल के इस सत्र में 500 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने विराट

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 70 रनों की पारी खेलने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। विराट ने इस पारी के साथ ही अपने 500 रन पूरे किये। वह इस सत्र में इतने रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। विराट ने अपनी इस पारी के दौरान और भी कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। विराट इसी के साथ ही आईपीएल इतिहास में सातवीं बार इस आंकड़े तक पहुंची है।

गुजरात ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 रन बनाए पर आरसीबी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 16 ओवर में ही मैच जीत लिया। विराट ने 44 गेंद पर नाबाद 70 रन बनाये। इसी के साथ ही विराट के अब आईपीएल में अब पूरे 500 रन हो गए हैं। उन्होंने 10 पारियों में 71.42 की औसत और 147.49 की स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं। कोहली ने इन मैचों में एक शतक और 4 अर्धशतक लगाये हैं।

इस प्रकार वह ऑरेंज कैप की रैस में प्रबल दावेदार हैं क्योंकि कोई अन्य उनके करीब भी नहीं है। ऑरेंज कैप की रेस के दूसरे दावेदार गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन 418 रनों के साथ ही दूसरे नंबर पर है। इस प्रकार विराट और साई सुदर्शन के बीच 82 रन का अंतर है। इस लिस्ट में संजू सैमसन 385 रन बनाकर तीसरे वह केएल राहुल 378 और ऋषभ पंत 371 रन बनाकर चौथे और पांचवें नंबर पर हैं।

बिश्नोई और कुलदीप को टी20 विश्व कप के लिए शामिल करें: इरफान पठान

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा कि जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में पांच विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ ही दो कलाई के स्पिनरों को भी शामिल किया जाना चाहिये। पठान ने कहा कि ऐसे में रवि बिश्नोई और कुलदीप यादव जैसे कलाई के स्पिनरों को टीम में रखा जाना चाहिये।

पठान ने कहा, 'विश्वकप के लिए आपको पांच अच्छे गेंदबाजों की जरूरत है। इसके साथ ही आप विकेटकीपिंग विकल्प में किसे रख रहे हैं। ये भी देखना होगा। साथ ही कहा कि जब आप रविंद्र जडेजा को आठवें नंबर और बतौर स्पिन ऑलराउंडर रखते हैं तो दो कलाई के स्पिनरों भी रखा जाना चाहिये। उन्होंने कहा, 'मैं दो कलाई के स्पिनरों को खेलते हुए देखना चाहूंगा जो मेरी अंतिम एकादश में बिश्नोई और कुलदीप होंगे। अगर आप बिश्नोई के आंकड़े देखो तो जब भी वह खेला है उसने अच्छा प्रदर्शन किया है।

पठान के अनुनासर युजवेंद्र चहल की विश्व कप टीम में जगह नहीं बनती है हालांकि अभी वह आईपीएल में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'हां, हम इस समय आईपीएल के प्रदर्शन की वजह से चहल के बारे में बात कर रहे हैं पर उनका क्षेत्ररक्षण बेहद कमजोर है। अगर आपको क्षेत्ररक्षण में संतुलन बनाना है तो आपको देखना होगा कि एक गेंदबाज एक विशेष जगह पर कहां गेंदबाजी कर सकता है।

पठान ने कहा कि तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी की कमान संभालेंगे पर बुमराह के अलावा आपको कम से कम दो और तेज गेंदबाज चाहिए जो नियमित अंतिम एकादश का हिस्सा बन सके।

उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी समस्या तेज गेंदबाजी संयोजन की है। संयोजन तय करना बहुत ही अहम है इसलिये अनुभव को वरीयता देनी चाहिए। पठान ने कहा, 'बुमराह के साथ इस समय मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह को ही रखा जा सकता है क्योंकि अनुभवी मोहम्मद शमी अभी फिट नहीं हैं।

1996 वनडे वर्ल्ड कप के बाद पाकिस्तान में पहला आईसीसी इवेंट होगा

चैंपियंस ट्रॉफी 2025...पीसीबी ने तीन वेन्यू का प्रपोजल रखा

मुंबई, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को तीन वेन्यू का प्रपोजल दिया है। यह तीन वेन्यू लाहौर, कराची और रावलपिंडी हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान को मिली है। हालांकि, भारत टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का यात्रा करेगा या नहीं, यह अभी साफ नहीं है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी ने टूर्नामेंट के वेन्यू का ड्राफ्ट आईसीसी को सौंप दिया है। टूर्नामेंट के आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में होना है। वनडे वर्ल्ड कप 1996 के बाद यह पहला मौका है जब पाकिस्तान को किसी आईसीसी इवेंट की मेजबानी दी गई है। हम लगातार आईसीसी के संपर्क में बने हुए- नकवी पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने लाहौर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान में होने वाले मैचों का शेड्यूल भेज दिया है। आईसीसी की सिक्योरिटी टीम आई थी और हमारी बहुत अच्छी मीटिंग हुई। हम लगातार आईसीसी के संपर्क में बने हुए हैं। हम इस बात की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि हम अच्छा टूर्नामेंट होस्ट करें।

टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने पर संशय

पिछले महीने एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इसे एशिया कप की तरह 'हाइब्रिड मॉडल' पर करा सकता है। आईसीसी के कार्यकारी बोर्ड के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा था, यदि भारत सरकार टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजना नहीं चाहती तो, आईसीसी वहां के बोर्ड पर दबाव नहीं बना सकती है। उसे विकल्प तलाशना होगा। भारत के कहने पर एशिया कप के मैच श्रीलंका में हुए थे पिछले साल भी एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी। तब भी भारत के वहां नहीं जाने पर यह टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल' पर हुआ था। भारत के मुकाबले श्रीलंका में कराए गए थे। कोलंबो में हुए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर चैंपियनशिप जीती थी।

टूर्नामेंट में 8 टीमें हिस्सा लेंगी

पिछला चैंपियंस ट्रॉफी 2017 में इंग्लैंड और वेल्स में खेला गया था। इसके फाइनल में भारत को हराकर पाकिस्तान चैंपियन बना था। टूर्नामेंट का शेड्यूल अभी नहीं आया है। माना जा रहा है, आईसीसी के वेन्यू के निरीक्षण करने के बाद फाइनल शेड्यूल आ सका है। इस टूर्नामेंट में 8 टीमें हिस्सा लेंगी और इसके दो हफ्ते तक चलने की उम्मीद है।

इनविक्टस गेम्स के लिए ब्रिटेन आएंगे प्रिंस हैरी, कैंसर से जूझ रहे पिता और भाभी से मिलने पर संशय

लंदन, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के शाही परिवार के सदस्यों की सेहत कुछ ठीक नहीं है। राजकुमारी केट मिडलटन बता चुकी हैं कि उन्हें कैंसर है, उधर किंग चार्ल्स भी कैंसर से जूझ रहे हैं। इन सबके बीच राजकुमार हैरी के ब्रिटेन आने पर लगातार संशय बना हुआ है। जहां थोड़े दिन पहले कहा जा रहा था कि सुरक्षा कारणों के चलते राजकुमार हैरी ब्रिटेन नहीं आएंगे। वहीं अब बताया जा रहा है कि वह अगले महीने होने वाले इनविक्टस गेम्स के लिए ब्रिटेन लौटने के लिए तैयार हैं।

इस दिन आएंगे राजकुमार हैरी – राजकुमार हैरी आठ मई को लंदन के सेंट पॉल कैथेड्रल में इनविक्टस गेम्स की शुरुआत के 10 साल पूरे होने के अवसर पर एक समारोह को संबोधित करेंगे। बता दें, अपने पिता राजा चार्ल्स के कैंसर होने की जानकारी मिलने पर फरवरी में राजकुमार हैरी ब्रिटेन आए थे। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि हैरी ब्रिटेन की यात्रा के दौरान अपने पिता और भाभी से मिलेंगे या नहीं।

घर छोड़ने के बाद पहले भी आ चुके हैं – हैरी अपनी पत्नी मेघन और अपने दो बच्चों के साथ घर छोड़कर साल 2020 में कैलिफोर्निया चले गए थे। उस समय से पिता और पुत्र के बीच संबंध खराब होने लगे थे। हालांकि, कैलिफोर्निया के जाने के बाद भी वह बीच-बीच में ब्रिटेन आते रहते हैं। इससे पहले वह साल 2022 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए यहां आए थे। उसके बाद पिछले साल अपने पिता के राज्याभिषेक में शामिल हुए।

मेघन समारोह में शामिल होंगी या नहीं –

राजकुमार की पत्नी मेघन इनविक्टस गेम्स में उपस्थित होंगी या नहीं यह फिलहाल साफ नहीं है। इसका कारण यह है कि छह मई को उनके बेटे आर्ची का जन्मदिन है। इस बीच, बकिंघम पैलेस ने एलान किया है कि इलाज करा रहे राजा चार्ल्स जल्द ही सार्वजनिक कामों को फिर से शुरू करेंगे। उम्मीद है कि वह जून में जापान के सम्राट नारुहितो और महारानी मसाको का राजकीय यात्रा पर स्वागत करेंगे। प्रिंस हैरी ब्रिटेन में अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर परेशान इससे पहले राजकुमार हैरी के ब्रिटेन नहीं जाने की जानकारी सामने आई थी। एक मीडिया रिपोर्ट में कुछ सूत्रों के हवाले से कहा गया था कि जब भी हैरी ब्रिटेन जाते हैं, तो उनकी यात्राएं हमेशा इस बात पर निर्भर करती हैं कि वह कितनी सुरक्षित है। इसलिए इनविक्टस गेम्स समारोह में भाग लेना है या नहीं यह तय करने से पहले उनकी सुरक्षा टीम को यह सुनिश्चित करना होगा कि सेंट पॉल को मेट्रोपॉलिटन पुलिस द्वारा पर्याप्त रूप से संरक्षित किया गया है या नहीं। इसके साथ ही टीम को यह भी देखना होगा कि जब प्रिस हैरी लंदन में हों तब उनकी सुरक्षा में कोई कमी न रहे।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन पहुंचे सऊदी अरब, इजराइल-हमास संघर्ष विराम पर होगी चर्चा

रियाद । हमास और इजराइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सऊदी अरब के रियाद पहुंचे। बता दें, ब्लिंकन सऊदी अरब के बाद जॉर्डन और इजराइल भी जाएंगे। ब्लिंकन की यात्रा का मकसद मध्य पूर्व में शांति प्रक्रिया में तेजी लाना और इजराइली बंधकों की रिहाई है। संघर्ष विराम को लेकर होगी चर्चा अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, सऊदी अरब में ब्लिंकन क्षेत्रीय सुरक्षा पर समन्वय को आगे बढ़ाने के लिए खाड़ी सहयोग परिषद की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे। बताया जा रहा है कि वह वैश्विक सहयोग और विकास के लिए ऊर्जा पर विश्व आर्थिक मंच की विशेष बैठक में भी शामिल होंगे। अमेरिका के अरब भागीदारों से मिलने के लिए 29 अप्रैल से एक मई की अपनी यात्रा के दौरान, ब्लिंकन गाजा में संघर्ष विराम के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा करेंगे। इसके अलावा, गाजा को दी जा रही मानवीय सहायता में हालिया वृद्धि पर भी बात करेंगे। कैदियों की रिहाई पर जोर ब्लिंकन साथ ही कैदियों की रिहाई पर बात करेंगे जो फलस्तीनी लोगों और युद्धविराम के बीच एक दीवार है। बता दें कि, इजराइल ने मिस्र के मध्यस्थों के माध्यम से हमास को पहले ही बता दिया है कि, अगर 33 कैदियों को फौरन रिहा नहीं किया गया तो साउथ गाजा पट्टी में राफा इलाके पर जमीनी आक्रमण शुरू हो जाएगा। इजराइल ने यह भी कहा है कि अगर सियासी चर्चा नाकाम हो जाती है तो उसकी फौज राफा क्षेत्र में दाखिल हो जाएगी। सऊदी के अधिकारियों और मंत्रियों से मिलेंगे ब्लिंकन बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा बंधकों की रिहाई के बदले गाजा पट्टी में हमले रोकने पर चर्चा हुई। इसके ही कुछ घंटों बाद ब्लिंकन रियाद पहुंचे। विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विदेश मंत्री गाजा के भविष्य के संबंध में सऊदी के अधिकारियों और मंत्रियों से मिलेंगे। वहीं एंटनी ब्लिंकन युद्ध को रोकने पर जोर देंगे और क्षेत्र में स्थायी शांति और सुरक्षा प्राप्त करने के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा करेंगे। विदेश विभाग ने एलान किया है कि शीर्ष अमेरिकी राजनयिक इजराइल और जॉर्डन की भी यात्रा करेंगे। फरवरी में भी गए थे सऊदी अरब बता दें कि, फरवरी में भी अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सऊदी अरब का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात करके कई अहम पहलूओं पर चर्चा की थी। बता दें कि, इजराइल और हमास जंग का छठा महीना चल रहा है। इजराइली फौज गाजा पट्टी में लगातार हमले कर रही हैं।

युवा दिखने की चाह में फल-फूल रहा नकली बोटॉक्स का काला कारोबार; चेतावनियों के बावजूद जान से खेल रहे डॉक्टर

वाशिंगटन । युवा दिखने की चाहत में अमेरिका में नकली बोटॉक्स इंजेक्शन का काला धंधा परवान पर

है। स्थिति ऐसी है कि संघीय एजेंसियां (एफडीए) इंजेक्शन में इस्तेमाल के लिए नकली या अस्वीकृत बोटॉक्स खरीदने वाले डॉक्टरों और चिकित्सा केंद्रों को दो हजार से अधिक चेतावनियां दे चुकीं हैं, पर कमाई की ऐसी लूट मची है कि वे जान से खेलने से हिचक नहीं रहे। ऐसे चिकित्सकों व चिकित्सा केंद्रों को 2012 से ही चेतावनी जारी की जा रही है, पर कोई असर नहीं हो रहा। यहां हालात इतने खराब है कि प्रमाणित डॉक्टर भी नकली बोटॉक्स का इंजेक्शन लगाते पाए गए हैं। एफडीआई और राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों ने नकली या गलत तरीके से लगाई गई बोटॉक्स से 11 राज्यों में 22 बीमार लोगों की पहचान की है। जांच के दौरान एफडीए को इंटरनेट पर खोजने पर कई वेबसाइटें ऐसी मिलीं, जो ऐसे उत्पाद बेच रही थीं, जो उसके नकली बोटॉक्स के विवरण से मेल खाते थे और जांच की जा रही बीमारियों से जुड़े थे। न्यूयॉर्क शहर में गैर-चिकित्सा प्रदाताओं से इंजेक्शन लेने के बाद तीन लोग बीमार हो गए थे। स्थिति ऐसी हो गई कि वहां के स्वास्थ्य अधिकारियों ने ब्यूटीशियन या एस्थेटीशियन से बोटॉक्स लेने को लेकर चेतावनी तक देनी पड़ी। एफडीए ने जारी की है नकली पैकेजिंग की तस्वीरें एफडीए ने लोगों को बचने की चेतावनी देते हुए नकली पैकेजिंग की तस्वीरें जारी की हैं। इसमें 150 यूनिट लिखे बोटॉक्स बॉक्स भी जारी किए गए हैं और बताया है कि असली बोटॉक्स इस यूनिट में नहीं आता है। 2021 में ही यहां लॉस एंजिल्स के होटल में एक महिला को गिरफ्तार किया गया था, जो अंडरकवर एजेंटों को नकली बोटॉक्स इंजेक्शन बेचने की पेशकश कर रही थी।

अमेरिका में तेज हुए विरोध-प्रदर्शन, हार्वर्ड विश्वविद्यालय में लगाया गया फलस्तीन का झंडा

वाशिंगटन, 29 अप्रैल ।

अमेरिका के विश्वविद्यालयों में फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शन और तेज हो गए हैं। यहां पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी एक और सप्ताह जारी रही। पुलिस ने चार अलग-अलग विश्वविद्यालयों के परिसरों से करीब लगभग 275 लोगों को गिरफ्तार किया।

हमास और इजराइल बीते छह महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। देशभर में लोग इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। यह विरोध कॉलेज परिसरों में भी जारी हैं। पुलिस ने सप्ताहांत में करीब 275 लोगों को गिरफ्तार किया है।

आइए जानते हैं अब तक क्या कुछ हुआ-

अमेरिका के विश्वविद्यालयों में फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शन और तेज हो गए हैं। यहां पुलिस की कार्रवाई और गिरफ्तारी एक और सप्ताह जारी रही।

हार्वर्ड विश्वविद्यालय में प्रदर्शनकारियों ने, जहां अमेरिका का झंडा लगा होता है, वहां फलस्तीनी झंडा लगाया।

इसके अलावा, हिल्टन होटल में व्हाइट हाउस के पत्रकारों का भोज होना था। यहां जो बाइडन के रात्रिभोज को संबोधित करने की उम्मीद थी। कार्यक्रम से पहले यहां फलस्तीनियों का समर्थन कर रहे लोग पहुंच गए। इनमें से कुछ ने होटल की सबसे ऊपरी मंजिलों में से एक पर फलस्तीनी झंडा लगा दिया। घटनास्थल पर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने इस पर तालियां बजाईं।

प्रदर्शनकारियों ने फलस्तीनी केफिए और तरबूज के प्रतीक वाले कपड़े पहने थे। उन्होंने वाशिंगटन हिल्टन के बाहर फलस्तीनी मुक्त के नारे लगाए। साथ ही कहा कि हम कवरेज की मांग करते हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि इजराइल और गाजा की खबरों को अधिक से अधिक दिखाने के मकसद से यह प्रदर्शन किया जा रहा है।

पुलिस ने चार अलग-अलग विश्वविद्यालयों के परिसरों से करीब लगभग 275 लोगों को गिरफ्तार किया। बता दें, बोस्टन में नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी से 100, सेंट लुइस में वाशिंगटन विश्वविद्यालय से 80, एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी से 72 और इंडियाना विश्वविद्यालय से 23 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

यूसीएलए में इजराइल और फलस्तीनी समर्थकों के बीच झड़पों की सूचना मिली थी, जहां पिछले सप्ताह एक टेंट शिविर तैयार किया गया था।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर संज्ञान लिया। व्हाइट हाउस का कहना है कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किए जाने चाहिए।

प्रदर्शनकारी लगातार हमास-इजराइल युद्ध में संघर्ष विराम को लेकर आह्वान कर रहे हैं। इन लोगों का कहना है कि देश ऐसे लोगों से संबंध खत्म कर दे, जिनका कहना है कि गाजा में संघर्ष से लाभ होता है।

विश्वविद्यालय प्रशासन के लिए यह विरोध-प्रदर्शन एक बड़ी चुनौती बन गए हैं। प्रशासन शिकायतों के साथ स्वतंत्र अभिव्यक्ति के प्रति प्रतिबद्धताओं को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है।

जो बाइडन ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बात की। इस दौरान, उन्होंने गाजा सीमावर्ती शहर राफा पर संभावित हमले पर अपनी स्थिति स्पष्ट की।

हमास ने सात अक्तूबर को इजराइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 30000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

खालसा दिवस पर ट्रूडो के सामने लगे खालिस्तान समर्थक नारे पीएम बोले- हम करेंगे आपकी रक्षा

ओटावा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

कनाडा के टोरंटो में खालसा दिवस मनाया गया, जिसमें काफी संख्या में सिख समुदाय के लोग एकत्र हुए। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने उनको संबोधित करते हुए कहा कि आपके अधिकारों की रक्षा के लिए हम मौजूद हैं। इस बीच उपस्थित लोगों ने खालिस्तान के नारे लगाना शुरू कर दिया। उन्होंने सिख समुदाय को आश्वासन देते हुए कहा कि कनाड़ा विविधता के कारण ही मजबूत है। टोरंटो में खालसा दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें कनाडा पीएम जस्टिन ट्रूडो भी उपस्थित हुए। यहां उन्होंने सिख समुदाय के अधिकारों के साथ-साथ भारत के साथ समझौता करने आदि के बारे में बात की।

उन्होंने कहा कि कनाड़ा की सबसे बड़ी शक्ति यहां की विविधता है। उन्होंने कहा कि यहां कई मतभेद हैं, लेकिन यही मतभेदों के कारण ही मजबूत भी हैं।

देश में सिख समुदाय आठ लाख लोग हैं, जिनके अधिकारों की रक्षा के लिए हम हमेशा मौजूद हैं। उन्होंने आश्वासन देते हुए कहा कि वे हमेशा सिख समुदाय की नफरत और भेदभाव से उनकी रक्षा करेंगे। उन्होंने सिख समुदाय के लोगों से कहा कि वे बिना डर के अपने धर्म का पालन करें, कनाडाई चार्टर में मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता की गारंटी है, और इसके लिए वे उनके साथ हैं। इसी दौरान मौजूद भीड़ ने खालिस्तान के नारे लगाने शुरू कर दिए।

भारत के साथ समझौते की कोशिश

पीएम ट्रूडो ने कहा कि मुझे पता है कई लोग अपने परिजनों, रिश्तेदारों से मिलना चाहते हैं, लेकिन इसलिए वे भारत सरकार से नए समझौते पर बातचीत करेंगे। जिसमें दोनों देशों के बीच वायुमार्ग को वापस पटरी पर लाया जा सके। अमृतसर सहित अन्य शहरों की उड़ान भर सके।

भारत और कनाडा के संबंध में खटास

भारत और कनाडा के मधुर संबंध उस वक्त से खराब हुए जब कनाडा में हुए एक हमले का जिम्मेदार उसने भारत को ठहराया। 18 जून 2023 को भारत द्वारा नामित आतंकवादी हरदीप सिंह की ब्रिटिश कोलंबिया में मार गिराया था। इसके बाद पीएम टूडो का आरोप था कि इसमें भारत सरकार का हाथ है, हालांकि भारत ने इस आरोप को खारिज कर दिया था।

ओकलाहोमा में आए शक्तिशाली चक्रवात से कम से कम चार की मौत, बिजली गुल के बीच 12 काउंटी के लिए आपातकाल घोषित

वॉशिंगटन, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के ओकलाहोमा में आए एक शक्तिशाली चक्रवात ने तबाही मचा दी। यहां चक्रवात के कारण बिजली गुल हो गई और इमारतें भी ध्वस्त हो गईं। भारी तबाही के बीच कम से कम चार लोगों की जान जाने की भी जानकारी मिली है।

करीब 30 हजार लोगों को अंधेरा में रहना पड़ा

ओकलाहोमा के गवर्नर केविन स्टिट ने बताया कि चक्रवात आने के बाद करीब 30 हजार लोगों को अंधेरा में रहना पड़ा। करीब पांच हजार लोगों के एक शहर सल्फर में भारी नुकसान हुआ। यहां इमारतें मलबे में बदल गई थीं और 15-ब्लॉक के दायरे में घरों से छतें गिर गई थीं।

सब कुछ तबाह हो गया

उन्होंने कहा कि आप विश्वास नहीं कर सकते सब कुछ तबाह हो गया। ऐसा लगता है कि शहर में कुछ नहीं बचा है। स्टिट ने कहा कि

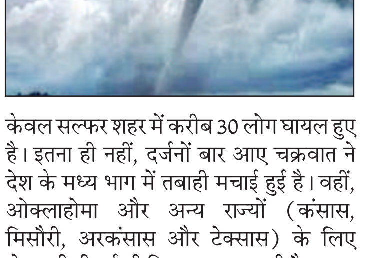

केवल सल्फर शहर में करीब 30 लोग घायल हुए है। इतना ही नहीं, दर्जनों बार आए चक्रवात ने देश के मध्य भाग में तबाही मचाई हुई है। वहीं, ओक्लाहोमा और अन्य राज्यों (कंसास, मिसौरी, अरकंसास और टेक्सास) के लिए चेतावनी दी गई थी कि बाढ़ आ सकती है।

होल्डनविले में भी आया तूफान

ह्यूजेस क्षेत्र के आपात चिकित्सा सेवा ने कहा कि ओकलाहोमा में करीब पांच हजार लोगों की आबादी वाले शहर होल्डनविले में आए तूफान में दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

चीन में पहली कोरोना वैक्सीन तैयार करने वाले वैज्ञानिक पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

चीन की संसद से किए गए बर्खास्त

बीजिंग,29 अप्रैल (एजेंसियां)। **चीन के** जिस वैज्ञानिक ने कोरोना महामारी के दौरान साल 2020 में कोविड-19 वैक्सीन को तैयार किया था, उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर संसद से बर्खास्त कर दिया गया है। चीन के नेशनल फार्मास्युटिकल ग्रुप की सहायक कंपनी चाइना नेशनल बायोटेक ग्रुप (सीएनबीजी) के अध्यक्ष यांग श्याओमिंग पर भ्रष्टाचार और कानून के उल्लंघन के आरोप लगाए गए हैं। इस वजह से नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) से उनकी सदस्यता खत्म कर दी गई है। एनपीसी द्वारा इसे लेकर बयान जारी करते हुए कहा गया है कि यांग के खिलाफ पहले से ही पार्टी की अनुशासनात्मक समिति द्वारा जांच की जा रही थी। चीन में चल रहा भ्रष्टाचार विरोधी

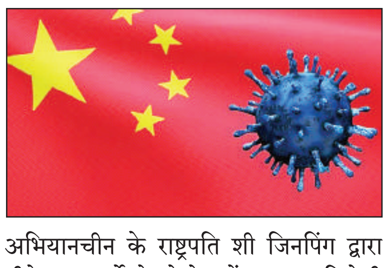

अभियानचीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा बीते कुछ वर्षों से पूरे देश में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान चलाया जा रहा है और इस बीच यांग की बर्खास्तगी चीन के हेल्थ सेक्टर पर की गई सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस कार्रवाई का उद्देश्य स्वास्थ्य के क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना है। कार्रवाई के दौरान बीते वर्षों में चीन के कई अस्पतालों के प्रमुखों को हिरासत में लिया गया है। इसके अलावा सिनोफार्म के एक अन्य पूर्व वरिष्ठ अधिकारी झोउ बिन को भी जांच के दायरे में रखा गया है।यांग ने ईजाद की थी पहली कोरोना वैक्सीन62 वर्षीय यांग श्याओमिंग एक अनुभवी शोधकर्ता हैं, जिन्होंने उस टीम का नेतृत्व किया जिसने चीन की पहली कोरोनावायरस वैक्सीन बीबीआईबीपी-कोर्व को विकसित किया था। बाद में इस वैक्सीन के सामान्य उपयोग को मंजूरी दी गई थी। कोरोनावायरस का पहला मामला मार्च 2020 में चीन के वुहान शहर से सामने आया था और बाद में दुनिया भर में फैल गया था। इसके बाद इस बीमारी से दुनियाभर में कई लोगों की मौत हो गई थी।

यांग की टीम द्वारा विकसित की गई कोविड-19 वैक्सीन को दिसंबर 2020 में सामान्य उपयोग के लिए मंजूरी दी गई थी।

इससे पहले कोरोनावायरस महामारी से लड़ने में अहम भूमिका निभाने के लिए यांग को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

आईएमएफ से बार-बार मदद मांगना दिखाता है कि हम नाकाम रहे, सरकार पर निशाना साध बोले पूर्व पीएम अब्बासी

इस्लामाबाद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की आर्थिक हालत किसी से छिपी नहीं है। कर्ज में डूबा देश आए दिन अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सामने हाथ फैला देता है। कुछ दिनों पहले ही एक बार फिर इसने आईएमएफ से राहत पैकेज देने का औपचारिक अनुरोध किया। इस बीच नकदी संकट से जूझ रहे देश के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने अपनी नाकामी को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि आईएमएफ से बेलआउट (आर्थिक सहायता) मांगने का सरकार का फैसला इस बात का सबूत है कि हम नाकाम रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि अर्थव्यवस्था के सभी संकेत नकारात्मक हैं।

देश का आर्थिक विकास रुक जाता है

लाहौर में अस्मा जहांगीर सम्मेलन को संबोधित करते हुए अब्बासी ने कहा, आईएमएफ के साथ किए समझौतों की वजह से देश का आर्थिक विकास रुक जाता है और महंगाई बढ़ जाती है। हालांकि, आईएमएफ आपको जिंदा रखने में मदद करता है, लेकिन आपकी आर्थिक स्थिति हर मापदंड पर बिगड़ती जाती है।

उन्होंने कहा कि लोग अक्सर वार्षिक बजट में राहत के बारे में बात पूछते हैं। वहीं, सरकारें हर चीज के लिए उधार लेना शुरू कर देती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक न्याय व्यवस्था में सुधार नहीं होता तब तक पाकिस्तान में कोई निवेश नहीं होगा।

राजनीतिक मुद्दे अनसुलझे रहेंगे तो...

सरकार की हालिया पहलों पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए पूर्व पीएम अब्बासी ने कहा कि सरकारें अक्सर गरीब लोगों की मदद को आटा बांटती हैं। फिर भी इस प्रक्रिया में इसका 40 प्रतिशत गबन हो जाता है। उन्होंने कहा कि यदि राजनीतिक मुद्दे अनसुलझे रहेंगे तो उद्योग कामयाब नहीं हो सकता, क्योंकि सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है। यह भ्रम न रखें कि चीजें अपने आप सुधर जाएंगी। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि आईएमएफ के साथ किए समझौते विकास में बाधा बनते हैं और महंगाई बढ़ाते हैं। आईएमएफ के बेलआउट को आईसीयू के इलाज से जोड़ते हुए उन्होंने पाकिस्तान द्वारा बार-बार ऐसे उपायों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आईसीयू में लंबे समय तक रहने से बीमारी ठीक नहीं होगी। सरकार ऐसे एक रुपये की सहायता भी दिखाए, जिसका इस्तेमाल राजस्व उत्पन्न करने के लिए किया गया हो। इसके अलावा, आंतरिक ऋण को पाकिस्तान की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए उन्होंने अपनी समस्याओं को हल करने में सरकार की अक्षमता की आलोचना की।

पाकिस्तान में न तो मार्शल लॉ है और न ही लोकतंत्र

वहीं, बलूचिस्तान नेशनल पार्टी-मेंगल (बीएनपी-एम) के प्रमुख अख्तर मेंगल ने कहा कि पाकिस्तान में न तो मार्शल लॉ है और न ही लोकतंत्र। उन्होंने कहा कि यह हरे झंडे में छिपी तानाशाही है। सभी राजनीतिक दलों का अब राष्ट्रवादी एजेंडा है जिसमें पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पंजाबी राष्ट्रवाद का समर्थन करती है और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी सिंध का प्रतिनिधित्व करती है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता अली अमीन गंडापुर के हालिया बयानों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यहां तक कि इमरान खान की पार्टी ने खैबर-पख्तूनख्वा राष्ट्रवाद की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है।

ऐसा जाप जिसमें न कोई नियम न परहेज, लेकिन इसके अनगिनत लाभ आपको चौंका देंगे

जाप करने की कई विधियां हैं। शास्त्रों में जाप करने के लिए मुख्य तौर पर तीन प्रकार की विधियों का उल्लेख मिलता है- मानसिक जाप विधि, वाचिक जाप विधि और अपांशु जाप विधि । लेकिन प्रश्न यह है कि किस विधि से किया गया जाप श्रेष्ठ होता है। इस प्रश्न का उत्तर जानने के पहले इन तीनों जाप विधियों के बारे में जान लेते हैं-

मानसिक जाप:- मानसिक जाप वह होता है जिसमें कोई साधक मंत्रों का उच्चारण बोलकर करने के बजाय मन में करता है। इसे ही मानसिक जाप कहते हैं। इस जाप के दौरान साधक के होंठ तक नहीं हिलते, यहां तक कि पास बैठे लोगों को भी यह मालूम नहीं होता कि, साधक द्वारा मंत्रों का जाप किया जा रहा है।

वाचिक जाप- मंत्रों को ऊंचे स्वर में पढ़कर या बोलकर जाप करने की विधि वाचिक जाप कहलाती है। पूजा-पाठ, हवन या कर्म काण्डों के दौरान अधिकतर वाचिक जाप किए जाते हैं।

अपांशु जाप:- अपांशु जाप वास्तव में मानसिक जाप और वाचिक जाप का मिलाजुला रूप है। इसमें मंत्र को बिना बोले केवल पढ़ा जाता है। इसमें साधक द्वारा बोले गए मंत्र किसी को सुनाई नहीं देते, लेकिन होंठ हिलते हैं, जिससे पता चलता है कि मंत्रों का जाप किया जा रहा है। मानसिक जाप कैसे किया जाता है और इसके क्या आध्यात्मिक या स्वास्थ्य लाभ हैं, जानते हैं-

मानसिक जाप के आध्यात्मिक लाभ

श्रद्धा, प्रेम, भक्ति, निष्ठा आंतरिक चीजें हैं, जिसे चीख-पुकार कर व्यक्त नहीं किया जा सकता। लेकिन इसका अर्थ यह कदापि नहीं कि वाचिक जाप अर्थहीन है। लेकिन आंतरिक भाव का आनंद अमूल्य है।

ईश्वर-प्राणिधान में मानसिक जाप श्रेष्ठ है, क्योंकि जिसका भाव मन लेता है, उस भाव का उच्चारण भी मन कर लेता है। मन ही उस भाव की बात सुनता है।

वेदों में भी प्रार्थना या मंत्रोच्चारण करने की अनेक विधियां बताई गई हैं। ईश्वर हमारे मन के भाव या कुभाव को भलि-भांति जानते हैं। इसलिए मात्र शब्दों से न खेंले।

मानसिक जाप के लाभ

इसमें होंठ नहीं हिलती और आंखे बंद होती है। हमारा ध्यान आज्ञा चक्र या ध्यान चक्र में होता है। भगवान का स्वरूप हमारे सामने होता है और हम मन में मंत्र जाप कर रहे होते हैं। ऐसे में मन में भटकाव नहीं होता और धीरे-धीरे मन स्थिर होना शुरू हो जाता है। जैसे ही मन स्थिर होता है हमारी एकाग्रता शुरू हो जाती है और आज्ञा चक्र या हृदय चक्र में स्थित शक्तियां और सिद्धियां प्राप्त होने लगती है।

जप में एकाग्रता जरूरी होती है, जोकि मानसिक जाप में होती है। क्योंकि इसमें माला या संख्या में जप नहीं होते। जब हम 108 मंत्रों का जाप या एक माला की जप करते हैं तो माला को मध्यमा ऊंगली पर रखकर ऊंगूठे की मदद से एक-एक मनके को आगे बढ़ाया जाता है। एक मंत्र के पूर्ण होने के बाद दूसरे मनके को आगे बढ़ाना होता है। लेकिन मानसिक जाप में ऐसा नहीं होता है।

मानसिक जाप में आप पूरी एकाग्रता के साथ मन में जाप या ध्यान कर सकते हैं। क्योंकि इसमें किसी भी प्रकार के नियम की बाध्यता नहीं है। यहां तक कि सोते, चलते, यात्रा आदि के दौरान भी जाप का अभ्यास किया जा सकता है। मानसिक जाप सभी दिशाओं और दशाओं में किए जाने का प्रावधान है।

जाप के स्वास्थ्य लाभ

जाप एक प्राचीन प्रथा है, जिसका उपयोग आध्यात्मिक विकास और भावनात्मक विचार को बढ़ावा देने के लिए सदियों से किया जा रहा है। जाप से मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

वर्तमान में विश्व स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं जैसे अवसाद, तनाव, चिंता का स्तर बढ़ रहा है। जाप या मंत्रोच्चारण को स्वास्थ्य लाभ से जोड़ा जाता है। क्योंकि जाप से तनाव को कम करने, एकाग्रता को बढ़ाने और अनिद्रा आदि की समस्या को कम किया जा सकता है।

मनोवैज्ञानिक कल्याण में सुधार के संदर्भ में तनाव कम करने के लिए तकनीक के रूप में मानिसक जाप या ध्यान का उपयोग किया जाता है। हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म में भी ऐसी कई परंपराएं हैं, जिससे ध्यान विकसित हुआ है।

जाप का प्रभाव किसी व्यक्ति आंतरिक स्थिति पर पड़ता है। अध्ययन में पाया गया है कि, कम से कम दो महीने मानसिक जाप करके मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों को काफी हद तक सुधारा जा सकता है।

न्यूरो थियोलॉजी: मस्तिष्क और धर्म के बीच संबंध

क्या है न्यूरो थियोलॉजी :- न्यूरो थियोलॉजी विशेष तौर पर मानव मस्तिष्क और धर्म के बीच संबंध को बताते का प्रयास करता है। इसे आध्यात्मिक तंत्रिका विज्ञान के रूप में भी जाना जाता है। इसमें आध्यात्मिक अनुभवों को समझने के लिए सबसे पहले न्यूरोलॉजिकल आधार को समझा जाता है। हाल ही दिनों में इस क्षेत्र में काफी रुचि बढ़ी है। एल्डस हक्सले ने पहली बार न्यूरोथियोलॉजी शब्द का प्रयोग यूटोपियन उपन्यास आइलैंड में किया था।

इसमें धर्मशास्त्र के साथ ही धार्मिक अध्ययन, धार्मिक अनुभव आदि भी शामिल है। जब हम बात कर रहें हैं मानसिक जाप और मानसिक स्वास्थ्य की तो, हमें न्यूरो थियोलॉजी के बारे में भी जरूर जानना चाहिए, क्योंकि यह धर्म और मस्तिष्त के बीच संबंधों को बताने का प्रयास करता है।

मस्तिष्क कार्य और धार्मिकता पर न्यूरोथियोलॉजी

आपने कभी सोचा है कि आखिर, धार्मिक अवधारणाएं कैसे प्राप्त होती हैं? दरअसल मस्तिष्क में विशेष रूप से दाएं गोलार्ध में समग्र अवधारणाओं को समझने की क्षमता होती है। इस कारण हम चीजों का संपूर्णता से देखते और समझते हैं। धार्मिक या फिर आध्यात्मिक दृष्टिकोण से भी हम ईश्वप से संबंधित एक पूर्ण एकता की अवधारणा को समझ सकते हैं। जैसे-जैसे ब्रह्मांड की सीमा को लेकर मानव ज्ञान का विस्तार हुआ, वैसे ही ईश्वर की धारणा ने ब्रह्मांड की समग्रता के इस विस्तारित अर्थ को भी शामिल कर लिया।

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी कल

पूजा मुहूर्त और ऐसे करें कान्हा को प्रसन्न

हिंदू धर्म में श्रीकृष्ण का जन्मदिवस भाद्रपद माह में मनाया जाता है लेकिन भगवान हर महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन जो बाल गोपाल की विधि विधान से पूजा करता है उन्हें संतान सुख, धन में वृद्धि, परिवार में खुशहाली और सुखी वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

लड्डू गोपाल को प्रसन्न करने के लिए मासिक कृष्ण अष्टमी पर खास मिष्ठानों का भोग लगाएं। जानें इस साल मई 2024 में मासिक कृष्ण जन्माष्टमी कब है, सही तारीख और पूजा मुहूर्त देखें।इस साल मई में मासिक कृष्ण जन्माष्टमी 01 मई 2024 को है। इसी दिन वैशाख की कालाष्टमी भी है। इस दिन व्रत रखने से शुभ फल की प्राप्ति होती है। इस दिन लड्डू गोपाल की आराधना कर दान-पुण्य करना चाहिए।

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी 2024 मुहूर्त

वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 01 मई 2024 दिन को सुबह 05 बजकर 45 मिनट से शुरू होगी और 02 मई 2024 दिन गुरुवार को सुबह 04 बजकर 01 मिनट पर समाप्त होगी।

सुबह पूजा का समय - सुबह 05.40 - सुबह 08.59

पूजा मुहूर्त - रात 11:57 - प्रात: 12:39

(कृष्ण जन्म रात में हुआ था, इसलिए रात्रि पूजा का खास महत्व है)

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी महत्व

कृष्ण को श्रीहरि विष्णु का सबसे सुंदर अवतार माना जाता है। मान्यता है कि जन्माष्टमी पर कान्हा की पूजा करने से अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता और व्यक्ति स्वर्गलोक में स्थान पाता है। श्रीकृष्ण की पूजा से संसार के समस्त सुख का आनंद मिलता है। संतान प्राप्ति के लिए इस दिन कान्हा की पूजा अधिक फलदायी मानी गई है।

मासिक जन्माष्टमी पर कान्हा को करें प्रसन्न

मासिक कृष्ण जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल की पूजा करें और श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ अवश्य करें। कृष्ण चालीसा का पाठ करना भक्तों के लिए कल्याणकारी माना गया है। साथ ही जीवन के दुख समाप्त हो जाते हैं।मासिक जन्माष्टमी को भगवान श्री कृष्ण को मोरपंख चढ़ाएं। मानयता है इससे घर में सुख शांति का वास होता है। इससे नकारात्मकता बाहर जाती है और घर मे सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

श्रीकृष्ण को प्रसन्न करने के लिए इस दिन माखन मिश्री का भोग लगाएं और फिर इसे छोटे-छोटे बच्चों में बांट दें। इससे धन में बढ़ोत्तरी होती है, संतान सुख की कामना पूरी होती है।

श्रीकृष्ण के मंत्र

ओम क्लीम कृष्णाय नम:
कृं कृष्णाय नम:
ॐ देविकानन्दनाय विधमहे
वासुदेवाय धीमहि तन्नो कृष्ण:प्रचोदयात

कंगाल को भी करोड़पति बना सकती है आपकी ये 5 आदत

गुरुड़ पुराण में छिपा है इसका राज

गरुड़ पुराण के अनुसार अपनी कमाई का एक

हिस्सा दान, धर्म कर्म के मामले में खर्च करने वालों को धन का कभी अभाव नहीं रहता। ये ऐसा काम है जो व्यक्ति को फर्श से अर्श तक ले जा सकता है। इसके प्रभाव से कंगाल भी करोड़पति बन जाता है।

कहते हैं पैसा कमाना तो आसान है लेकिन उसे बरकरार रखना उतना ही मुश्किल। गुरुड़ पुराण में बताया गया है कि जो लोग अपने धन का अहंकार नहीं करते, पैसों का रौब नहीं दिखाते मां लक्ष्मी सदा उनके घर वास करती है। ऐसे लोगों को कभी दर-दर की ठोकरे नहीं खानी पड़ती।

उधार लिया पैसा हमेशा पूरा चुकाना चाहिए, साथ ही गरुड़ पुराण में वर्णित है कि, धन के लिए लालच करने, धोखा देने या चोरी करने वालों के पास मां लक्ष्मी कभी नहीं ठहरती हैं। इसलिए इन बातों का विशेष ध्यान रखें।

कुचैलिनं दन्तमलो-
पधारिणं ब्रह्वाशिनं
निष्ठुरवाक्यभाषिणम्।
सूर्योदये ह्यस्तमयेपि
शायिनं विमुश्चति
श्रीरपि चक्रपाणिम्।।

- गुरुण पुराण में लिखे इस श्लोक के अनुसार मैले वस्त्र, गंदे दांत, ज्यादा खाने वाले, निष्ठुर वाणी वाले और सूर्योदय व सूर्यास्त के समय सोने वाले अगर स्वयं विष्णु भगवान भी हो तो भी देवी लक्ष्मी उनका त्याग देती हैं। ऐसे में इन नियमों का सख्ती से पालन करें।

गरुड़ पुराण के अनुसार विचार में शुद्धता और वाणी पर संयम रखने वालों पर मां लक्ष्मी सदा मेहरबान रहती है।

सनातन धर्म के अनुसार ये है पूजा का सही समय

सनातन धर्म में पूजा दिन, समय और विधि के नियमों का पालन करना बहुत महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि इन नियमों का पालन करने से पूजा अधिक फलदायी होती है। पूजा धार्मिक और आध्यात्मिक अनुष्ठान है जो भक्ति और समर्पण की भावना को व्यक्त करता है। पूजा के माध्यम से भक्त अपने ईश्वर या देवता की उपासना करते हैं और उनसे संवाद करते हैं। पूजा के द्वारा भक्त अपने मन को शुद्ध करते हैं, अपने अंतर को शांति और स्थिरता से भरते हैं। यह ध्यान, ध्येय, और ध्यान में एकाग्रता विकसित करता है और भक्त को आत्मा के साथ संबंध स्थापित करता है।

सनातन धर्म में पूजा का अनेक प्रकार होते हैं, जैसे की मंदिरों में दिन-रात आरती, प्रतिदिन अलग-अलग प्रकार की पूजा-अर्चना, व्रत, उत्सव, आदि। इन सभी अनुष्ठानों का मूल उद्देश्य भगवान की प्रसन्नता प्राप्ति है और अपने जीवन को धार्मिक और नैतिक मूल्यों पर आधारित बनाना है। अगर आप अपनी सहूलियत के अनुसार किसी भी समय पूजा कर लेते हैं तो जान लें कि सनातन धर्म में पूजा करने का सही समय क्या है।

पूजा का सही समय

ब्रह्म मुहूर्त:- सुबह 4:00 बजे से 6:00 बजे तक पूजा करनी चाहिए। यह समय देवताओं की पूजा के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। इस समय में मन शांत और एकाग्र होता है और पूजा का अधिक लाभ मिलता है। सूर्योदय के समय पूजा करना सबसे उत्तम माना जाता है। इस समय मन शांत होता है और वातावरण सकारात्मक होता है। सूर्य देवता को अर्घ्य देने का यह सबसे उत्तम समय है। सूर्य देवता को अर्घ्य देने से स्वास्थ्य, समृद्धि और सफलता प्राप्त होती है।

मध्याह्न:- दोपहर 12:00 बजे के आसपास भी पूजा की जा सकती है। यह समय सूर्य देवता की पूजा के लिए भी उत्तम माना जाता है। इस समय में सूर्य देवता अपनी पूर्ण तेज में होते हैं। संध्याकाल: सूर्यास्त के समय की जाने वाली पुजा है जो सूर्यास्त से लेकर 1 घंटे की बीच उत्तम मानी जाती है। इस समय देवताओं की आराधना और दीपदान करने से नकारात्मक ऊर्जा कम होती है और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। सूर्यास्त के समय भी पूजा कर सकते हैं। इस समय भगवान विष्णु की पूजा करना शुभ माना जाता है।

रात्रि के समय:- अगर आप सुबह या शाम पूजा नहीं कर सकते हैं तो आप मध्याह्न के समय भी पूजा कर सकते हैं। रात 10:00 बजे के बाद का समय देवी देवताओं की उपासना और ध्यान करने का उत्तम समय है। इस समय में मन शांत होता है और एकाग्रता बढ़ती है।कुछ विशेष दिन और तिथियां पूजा के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। जैसे कि, रविवार को सूर्यदेव, सोमवार को शिवजी, मंगलवार को हनुमानजी, बुधवार को गणेशजी, गुरुवार को विष्णुजी, शुक्रवार को माता लक्ष्मी और शनिवार को शनिदेव की पूजा करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा, कुछ विशेष तिथियां भी पूजा के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। जैसे कि, एकादशी, पूर्णिमा, अमावस्या, संक्रांति आदि। पूजा करने से मन शांत होता है और नकारात्मक विचार दूर होते हैं। ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख और समृद्धि आती है। पूजा करने से धर्म के प्रति आस्था बढ़ती है और चरित्र में सुधार होता है। सनातन धर्म में पूजा का बहुत महत्व है। पूजा का सही समय और विधि का पालन करके आप ईश्वर की कृपा प्राप्त कर सकते हैं और जीवन में तरक्की की ओर बढ़ सकते हैं। व्यक्तिगत स्तर पर, पूजा व्यक्ति को ईश्वर या अपने चुने गए देवता के साथ आत्मीयता की भावना से भर देती है, जिससे उसका मन और आत्मा संतुलित और प्रसन्न रहता है। सम्पूर्ण रूप से, सनातन धर्म में पूजा का महत्व धार्मिक और आध्यात्मिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो व्यक्ति को उच्चतम सत्य की ओर ले जाता है।

बच्चे का पढ़ाई में नहीं लगता है मन तो अपनाएं फेंगशुई के ये टिप्स

बेहद असरदार हैं ये उपाय

जीवन में सफलता हासिल करने और बड़े मुकाम तक पहुंचने के लिए पढ़ाई करना बेहद जरूरी होता है। हर पेरेंट्स की यह चाहत होती है कि उनका बच्चा अच्छे से पढ़ाई-लिखाई करें और तरक्की हासिल करें। इसके लिए न सिर्फ बच्चों बल्कि अभिभावकों को भी कड़ी मेहनत करनी होती है। लेकिन इसके बाद भी अभिभावकों की यह शिकायत होती है कि उनके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लगता है। वहीं लाख कोशिशों के बाद भी बच्चे को पढ़ा हुआ याद नहीं रहता है। ऐसे में कई बार न सिर्फ बच्चे बल्कि पेरेंट्स भी हताश हो जाते हैं।वहीं कई बार तमाम सुख-सुविधाओं के होने के बाद भी बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लगता है। ऐसे में उनके अंदर निराशा की भावना जन्म लेने लगती है। बच्चे का मन एकाग्र करने और पढ़ाई में मन लगाने के लिए आप फेंगशुई के बताए कुछ टिप्स

अपना सकती हैं। बता दें कि जैसे भारत में वास्तु शास्त्र बेहद लोकप्रिय है, ठीक वैसे ही चीन में फेंगशुई के नियमों का पालन किया जाता है। इसको चीनी वास्तु शास्त्र भी कहा जाता है। फेंगशुई में कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताया गया है, जो आपके जीवन में खुशहाली ला सकते है। इन्हीं चीजों की मदद से आपके बच्चे का पढ़ाई में मन लगने लगेगा। फेंगशुई में बताई गई इन वस्तुओं को बच्चे के स्टडी रूम में सही दिशा में रखने से बच्चे की पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ती है, तो आइए जानते हैं फेंगशुई की इन वस्तुओं के बारे में।

बच्चे की पढ़ाई में एकाग्रता

अगर बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लगता है, तो सबसे पहले बच्चे की स्टडी रूम की दिशा पर ध्यान देना चाहिए। फेंगशुई के अनुसार हमेशा पूर्व दिशा में स्टडी रूम होना चाहिए। वहीं पढ़ाई के लिए भी यह दिशा सही मानी जाती है। पूर्व दिशा बच्चे की पढ़ाई में एकाग्रता को बढ़ाने का काम करती है और इस दिशा में बैठकर पढ़ाई करने के बच्चे को किसी तरह का तनाव नहीं होता है।

एजुकेशन टावर

बता दें कि कुछ लोग घर में सजावट के तौर पर एजुकेशन टावर का इस्तेमाल करते हैं। फेंगशुई के मुताबिक इसको स्टडी रूम में रखना काफी शुभ माना जाता है। एजुकेशन टावर को चाइनीज पैगोड़ा का प्रतीक माना जाता है। साथ ही चाइनीज पैगोड़ा को बौद्ध धर्म के लोग ज्ञान, एकाग्रता और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में अगर आप बच्चे के स्टडी रूम में एजुकेशन टावर रखते हैं, तो इससे बच्चे की एकाग्रता बढ़ती है और पढ़ाई में मन लगता है। इसको उत्तर दिशा में रखना सही माना जाता है।

ग्लोब या पिरामिड

फेंगशुई के मुताबिक बच्चे के स्टडी रूम में ग्लोब या पिरामिड रखना चाहिए। इसको स्टडी टेबल पर रखने से बच्चे का पढ़ाई में मन लगता है। साथ ही बच्चे में एकाग्रता आती है। आप चाहें तो बच्चे के स्टडी रूम में मां सरस्वती की प्रतिमा या तस्वीर भी लगा सकते हैं। क्योंकि हिंदू धर्म में मां सरस्वती को ज्ञान की देवी माना जाता है। मां सरस्वती की पूजा व आराधना करने से ज्ञान का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

तेलंगाना सहित पूरा देश मोदी सरकार को तीसरे कार्यकाल के लिए चुनने को तैयार: नड्डा

भद्राद्रि कोठागुडेम, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को विश्वास जताया कि तेलंगाना सहित संपूर्ण देश ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए मोदी सरकार को चुनने के लिए तैयार है।

श्री नड्डा ने कोठागुडेम और महबूबाबाद में उत्साही भीड़ को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय ताने-बाने में विशेष रूप से आदिवासी और गैर-आदिवासी समुदायों के एकीकरण पर जोर देते हुए समग्र विकास और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर और स्वामी बालाजी, जमालपुर वेंकटेश्वर मंदिर में श्रद्धा के साथ अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए बंजारा समुदाय के उत्थान के लिए सेवालाल महाराज के समर्पण को नमन किया।

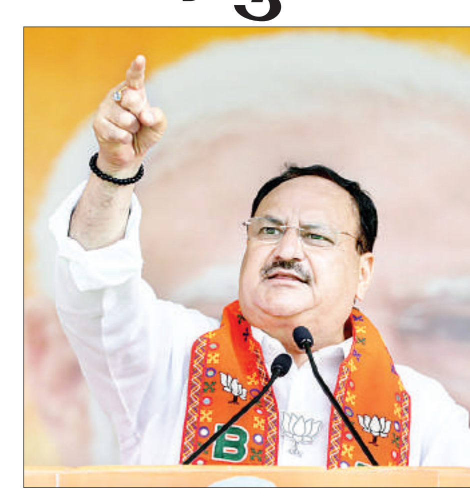

उन्होंने कोठागुडेम और महबूबाबाद में भाजपा उम्मीदवारों टी विनोद राव और प्रोफेसर अजमीरा सीताराम नाइक के लिए स्पष्ट समर्थन का उल्लेख किया, जो राष्ट्रीय प्रगति के लिए भाजपा के दृष्टिकोण और संकल्प को उजागर करता है। श्री नड्डा ने पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवर्तनकारी नेतृत्व की सराहना की और विकास-केंद्रित राजनीति की ओर बदलाव पर जोर दिया। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह और जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियों को भाजपा की अपने वादों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की आर्थिक उन्नति पर विचार करते हुए, श्री नड्डा ने इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल और खिलौना निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और पीएम आवास योजना जैसी पहलों को रेखांकित किया, जिनका उद्देश्य वंचितों का उत्थान करना और सम्मानजनक जीवन स्थितियां प्रदान करना है।

श्री नड्डा ने बढ़े हुए बजट आवंटन और स्मार्ट सिटी पहल तथा रेलवे विद्युतीकरण जैसी बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं का हवाला देते हुए तेलंगाना के विकास पर प्रधानमंत्री के फोकस की सराहना की। उन्होंने आगामी आर्थिक गलियारों की रूपरेखा तैयार की जो तेलंगाना की प्रगति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे।

भाजपा अध्यक्ष ने विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उन पर भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद तथा राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक भावनाओं का फायदा उठाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने मतदाताओं से 'घमंडिया गठबंधन' को खारिज करने और परिवर्तनकारी तीसरे कार्यकाल के लिए श्री मोदी को फिर से चुनने का आग्रह किया। श्री नड्डा ने समावेशी शासन के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता दोहराई और मतदाताओं से समृद्ध भारत के लिए भाजपा के दृष्टिकोण पर अपना भरोसा रखने का आग्रह किया।

किशन रेड्डी ने बीआरएस, कांग्रेस, एमआईएम पर लगाया साजिश रचने का आरोप

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी. किशन रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और कांग्रेस पर आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा की संभावनाओं को विफल करने के उद्देश्य से गठबंधन बनाने का आरोप लगाया है।

श्री रेड्डी ने इसके साथ ही इन दोनों पार्टियों पर भाजपा के खिलाफ गलत बातें फैलाने के लिए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) के साथ सहयोग करने का भी आरोप लगाया है।

पार्टी के राज्य कार्यालय में पेद्दापल्ली के मौजूदा सांसद वेंकटेश नेता, पूर्व मंत्री पेद्दीरेड्डी सहित बीआरएस और कांग्रेस के कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए श्री रेड्डी ने विरोधी दलों पर निशाना साधा और गलत सूचना का प्रचार- प्रसार करने का आरोप लगाया।उन्होंने विरोधी दलों द्वारा भय पैदा करने के प्रयासों का उल्लेख किया है और कहा कि विर-ोधी दलों द्वारा आरक्षण हटाने और हैदराबाद को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के झूठे दावे किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों की सेवा करने की भाजपा की प्रतिबद्धता दोहराई तथा कथित तौर पर विभाजनकारी राजनीति का सहारा लेने के लिए बीआरएस और कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने झूठे वादों और आरोपों के सहारे धोखे से जीत हासिल की थी। उन्होंने श्री रेवंत रेड्डी द्वारा आरक्षण खत्म करने को लेकर भाजपा पर लगाए गए आरोपों के लिए उनसे माफी की मांग की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा अगले चुनाव में 400 सीटें हासिल करेगी। उन्होंने श्री नरेंद्र मोदी के शासन की सराहना की तथा तेलंगाना के निवासियों से झूठे प्रचार को खारिज करने और विकास के लिए भाजपा के एजेंडे का समर्थन करने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने आधारहीन आरोप फैलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री रेवंत धार्मिक और जाति-आधारित भेदभाव को दे रहे बढ़ावा : भाजपा

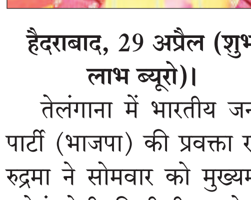

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रवक्ता रानी रुद्रमा ने सोमवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की तीखी आलोचना की और उनकी बयानबाजी की तुलना याचक से की। राज्य पार्टी कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए रुद्रमा ने मुख्यमंत्री पर धार्मिक और जाति-आधारित भेदभाव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि श्री रेड्डी की हरकतें एक आतंकवादी जैसी हैं, उन्होंने श्री रेड्डी पर भाषणों के माध्यम से झूठ फैलाने का आरोप लगाया। श्रीमती रुद्रमा ने कहा कि विकास को बढ़ावा देने के बजाय मुख्यमंत्री राज्य में पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बीच भय पैदा कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट पर अमित शाह और बंडी संजय द्वारा दिये गये बयानों की चर्चा करते हुए श्रीमती रुद्रमा ने श्री रेड्डी पर जानबूझकर नफरत भड़काने का आरोप लगाया।

श्रीमती रुद्रमा ने कसम खाई कि भाजपा यह सुनिश्चित करने के लिये संघर्ष करेगी कि आरक्षण सही तरीके से पिछड़े वर्गों को आवंटित किया जाए। उन्होंने कांग्रेस पर धोखे से चुनाव जीतने का आरोप लगाया। श्रीमती रुद्रमा ने श्री रेड्डी के अभियान को झूठा बताते हुए मात्र संसदीय चुनावों में जीत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रेरित बताया।

दमरे महाप्रबंधक ने 10 कर्मचारियों को मैन ऑफ द मंथ सुरक्षा पुरस्कार से नवाजा

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दमरे महाप्रबन्धक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित एक सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान जोन में कर्तव्य के प्रति अनुकरणीय सतर्कता और समर्पण दिखाने वाले 10 कर्मचारियों को मैन ऑफ द मंथ सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। बैठक में सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ अपर महाप्रबंधक आर. धनंजयुलु ने भी भाग लिया। सभी छह मंडलों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

श्री अरुण कुमार जैन ने सतर्कता दिखाने के लिए 10 कर्मचारियों सिकंदराबाद डिवीजन से 02, हैदराबाद डिवीजन से 01, विजयवाड़ा डिवीजन से 04, गुंतकल डिवीजन से 01, नांदेड़ डिवीजन से 01 और गुंटूर डिवीजन से 01 कर्मचारी को मैन ऑफ द मंथ सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। महाप्रबंधक ने असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए समय पर कार्रवाई करने हेतु पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और अत्यंत समर्पण के साथ कर्तव्यों का पालन करने की प्रतिबद्धता के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को सुरक्षा के प्रति समर्पण के साथ ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे रेलवे को ट्रेनों के सुरक्षित संचालन और सभी पहलुओं में अच्छा प्रदर्शन हासिल करने में मदद मिलेगी। कर्मचारी विभिन्न श्रेणियों जैसे लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, तकनीशियन, पॉइंट मैन, की/गेट मैन और ट्रैक मेंटेनर आदि से संबंधित थे।

बाद में, अरुण कुमार जैन ने जोन पर ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने सतर्कता सुनिश्चित करने और अप्रिय घटनाओं से बचने के लिए जोन पर सुरक्षा अभियान जारी रखने और औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को लोको पायलट, ट्रैक मेंटेनर, गार्ड आदि सहित सभी फील्ड स्तर के कर्मचारियों के लिए नियमित परामर्श सत्र आयोजित करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने स्टेशन उन्नयन कार्यों की प्रगति पर भी विस्तृत समीक्षा की।

अधिकारियों ने चल रहे कार्यों और प्रगति की स्थिति पर पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने अधिकारियों को स्टेशन उन्नयन कार्यों में और तेजी लाने के प्रयास जारी रखने की सलाह दी ताकि आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके और निर्धारित लक्ष्यों को हासिल किया जा सके।

मोदी को भारत की बेटियों से माफी मांगनी चाहिए: ओवैसी

हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
ऑल इंडिया मजलिस- ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (ए आई एम आई एम) प्रमुख एवं हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कर्नाटक के हासन से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना के पक्ष में वोट मांगने के लिए भारत की बेटियों से माफी मांगनी चाहिए, जिन पर कथित तौर पर घटिया वीडियो बनाकर महिलाओं को ब्लैकमेल करने का आरोप है।

एआईएमआईएम प्रमुख ने एक्स पर पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री ने मैसुरु में हासन से राजग के उम्मीदवार के लिए प्रचार किया। इस उम्मीदवार पर महिलाओं का यौन शोषण करने और उनके साथ जबरदस्ती करने, उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए हजारों वीडियो बनाने का आरोप है। उन्होंने कहा कि भाजपा को इस व्यक्ति की पृष्ठभूमि के बारे में पता था और प्रधानमंत्री ने फिर भी उसका समर्थन किया। ओवैसी ने कहा, मोदी के नारी शक्ति, मंगल सूत्र की रक्षा आदि के दावों का क्या हुआ? उन्होंने यह जानकारी दी कि रेवन्ना अब कथित तौर पर भारत से भाग गये हैं। उन्होंने कहा, मोदी को भारत की बेटियों से माफी मांगनी चाहिए और उन्हें बताना चाहिए कि उन्होंने भारत की बेटियों की गरिमा के बजाय राजनीतिक सत्ता को क्यों चुना।

सात बच्चों की मां ने पांच बच्चों के पिता से की शादी, कोर्ट से लगाई सुरक्षा की गुहार

हाई कोर्ट ने कहा- अपने बच्चों के भविष्य का कुछ तो ख्याल करो

चंडीगढ़, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
घर से भागकर प्रेम विवाह करने वाले जोड़े हाईकोर्ट में अकसर आते हैं, लेकिन अपने आप में एक अलग मामला हाईकोर्ट के सामने पहुंचा है। सात बच्चों की मां ने पांच बच्चों के पिता से विवाह के बाद साथ रहने के लिए सुरक्षा की मांग कर दी। हाईकोर्ट ने हैरानी भरे स्वर में कहा कि देश की जनसंख्या का कुछ तो ख्याल करो, अपने बच्चों के भविष्य पर ही विचार करो। हाईकोर्ट की फटकार के बाद जोड़े ने याचिका वापस ले ली।

याचिका दाखिल करते हुए मेवात निवासी दंपत्ति ने एडवोकेट नफीस अहमद के माध्यम से बताया कि दोनों मुस्लिम हैं और महिला विधवा है। उसके सात बच्चे हैं। पुरुष ने बताया कि वह भी पहले से शादीशुदा है और उसके पहले विवाह से पांच बच्चे हैं। दोनों ने मार्च में मुस्लिम रीति रिवाजों से शादी की है, लेकिन उनकी जान को खतरा बना हुआ है। मामला जब सुनवाई के लिए पहुंचा, तो पुलिस ने बताया कि दोनों को कुछ दिनों के लिए प्रोटेक्शन होम में रखा था और अब उन्हें कोई खतरा नहीं है। इस मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा कि हम इस बात पर अपनी आंखें नहीं मूंद सकते कि दोनों के पहले विवाह से कुल 12 बच्चे हैं। इन बच्चों के भविष्य के बारे में सोचे बिना इन्होंने विवाह कर लिया।

देश की जनसंख्या इतनी तेजी से बढ़ रही है, इसका ख्याल नहीं कर रहे, लेकिन अपने बच्चों के भविष्य का तो ख्याल करो।

हाईकोर्ट के इस रुख पर याचिकाकर्ताओं ने याचिका वापस लेने की छूट मांगी इसे मंजूर करते हुए हाईकोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।याचिकाकर्ताओं ने सुरक्षा को सांविधानिक अधिकार बताते हुए याचिका दाखिल की थी, इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि अधिकार के साथ कुछ जिम्मेदारियां और कर्तव्य भी होते हैं। हाईकोर्ट ने पहले याचिका को खारिज करते हुए इस मामले में दंपत्ति पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया था।

दिल्ली पुलिस के समन के बाद तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने कहा, नोटिस से नहीं डरते

बेंगलुरु/हैदराबाद, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कथित छेड़छाड़ किए गए वीडियो को लेकर दिल्ली पुलिस द्वारा उन्हें और अन्य राज्य कांग्रेस नेताओं को दिए गए नोटिस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को कहा कि वे ऐसे नोटिसों से नहीं डरते। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीबीआई, ईडी और आईटी का इस्तेमाल करने के बाद अब चुनाव जीतने के लिए दिल्ली पुलिस का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम डरने वालों में से नहीं हैं। हम ही हैं जो जवाब देते हैं। उन्होंने कर्नाटक के सेदम में कांग्रेस की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा। मोदी जी और अमित शाह जी अब तक चुनाव जीतने के लिए ईडी, आईटी और सीबीआई का इस्तेमाल कर रहे थे। मुझे अभी सूचना मिली है कि दिल्ली पुलिस तेलंगाना कांग्रेस पार्टी कार्यालय पहुंची है। किसी ने सोशल मीडिया पर (वीडियो) पोस्ट किया और वे तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के लिए नोटिस लेकर गांधी भवन पहुंच गए। इसका मतलब यह है कि ईडी, आईटी और सीबीआई का उपयोग करने के बाद, मोदी जी चुनाव जीतने के लिए दिल्ली पुलिस का उपयोग कर रहे हैं।

रेवंत रेड्डी ने कर्नाटक के लोगों को आगाह किया कि अगर उन्होंने भाजपा को वोट दिया, तो वे एससी, एसटी और अल्पसंख्यक आरक्षण खो देंगे। उन्होंने कहा, अगर आप कांग्रेस को वोट देंगे तो आरक्षण जारी रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस केंद्र में सरकार बनाएगी। बताते चलें कि दिल्ली पुलिस ने आरक्षण के बारे में अमित शाह के एक विकृत वीडियो पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, तेलंगाना कांग्रेस के सोशल मीडिया प्रभारी, राज्य समन्वयक और प्रवक्ता को तलब किया। दिल्ली पुलिस की एक टीम राज्य कांग्रेस मुख्यालय गांधी भवन पहुंची और पार्टी के सोशल मीडिया प्रभारी मन्ने सतीश, राज्य समन्वयक नवीन पेटेम और प्रवक्ता असमा तस्लीम को नोटिस दिया। कथित तौर पर आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 91/160 के तहत नोटिस दिया गया है और नेताओं को 28 अप्रैल को दर्ज मामले की जांच के लिए 1 मई को दिल्ली पुलिस के विशेष सेल के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। उन्हें जानकारी प्रदान करने के लिए कहा गया है उनके एक्स हैंडल पर उनके द्वारा ट्वीट/री-ट्वीट किए गए वीडियो के बारे में। उनसे अपने मोबाइल/लैपटॉप/टैबलेट या वीडियो बनाने/अपलोड/ट्वीट करने के लिए उपयोग किए जाने वाले किसी अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण के साथ-साथ वीडियो अपलोड करने और ट्वीट करने से पहले वीडियो रिकॉर्ड करने के उद्देश्य से उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लाने के लिए भी कहा गया था। दिल्ली पुलिस ने आईपीसी की धारा 153, 153ए, 465, 469, 171जी के साथ 66-सी आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

25 अप्रैल को मेडक जिले के सिद्दीपेट में भाजपा की चुनावी रैली में अमित शाह द्वारा दिए गए भाषण के वीडियो को कथित तौर पर छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर प्रसारित किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा था कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो वह मुस्लिम आरक्षण को खत्म कर देगी और इसे एससी, एसटी और ओबीसी के बीच वितरित कर देगी। वीडियो के साथ छेड़छाड़ की गई ताकि यह सन्देश दिया जा सके कि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण हटा दिया जाएगा।

डेरा सच्चा सौदा का स्थापना दिवस मनाने उमड़ी साध-संगत, राम रहीम ने जेल से भेजा पत्र

सिरसा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
हरियाणा के सिरसा में डेरा सच्चा सौदा का स्थापना दिवस सोमवार को मनाया गया। शाह सतनाम-शाह मस्ताना जी धाम व मानवता भलाई केंद्र डेरा सच्चा सौदा सिरसा में खराब मौसम और दिनभर बूंदाबांदी के बावजूद देशभर से बड़ी तादाद में साध-संगत पहुंची। इस दौरान डेरा सच्चा सौदा की ओर से किए जा रहे 162 मानवता भलाई कार्यों की फेहरिस्त में पालतू संभाल का काम भी जोड़ दिया गया। उपस्थित साध-संगत ने अपने दोनों हाथ खड़े कर पालतू संभाल कार्य करने का प्रण लिया। इस दौरान क्लॉथ बैंक मुहिम के तहत जरूरतमंद बच्चों को कपड़े वितरित किए गए। इस मौके पर डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह की ओर से जेल से भेजी गई 19वीं चिट्ठी पढ़कर साध-संगत को सुनाया गया। जिसे सुनकर साध-संगत भाव-विभोर हो गई। चिट्ठी के माध्यम से डेरा प्रमुख ने डेरा सच्चा सौदा की साध-संगत द्वारा किए जा रहे भलाई कार्यों के लिए उनका हौसला बढ़ाया।

लिखा कि आप सब जैसे सृष्टि भलाई के कार्य दिन-रात करते रहते हैं वो जज्बा कमाल का है और इसे बढ़ाएं, कम न होने दें। इस मौके पर कविराजों ने भक्तिमय भजनों से सतगुरु की महिमा का गुणगान किया। बाद में सत्संग पंडाल में लगाई गई बड़ी-बड़ी एलईडी स्क्रीनों द्वारा साध-संगत ने डेरा प्रमुख के वचनों को एकाग्रचित होकर श्रवण किया। डेरा प्रमुख ने साध-संगत को संबोधित करते हुए फरमाया कि साईं जी का लगाया गया बीज सच्चा सौदा आज वट वृक्ष बन चुका है। पूरी दुनिया में लोग राम-नाम गाने लगे हैं। नशा छोड़ने, बुराइयां छोड़ने और अपने टूटे तार फिर से राम-नाम से जोड़ने के लिए लोग सच्चे सौदे में आते हैं तथा मालिक से यही दुआ है कि राम-नाम से उनका तार फिर से जुड़ जाएं और उनको वो दातार (परम पिता परमात्मा) फिर से मिल जाएं। कुदरत ने क्या-क्या जगह बना रखी है और साईं जी ने भी ऐसी जगह को चुना। शाह मस्तान जी, शाह सतनाम जी धाम दोनों ही जगह ऐसी है। शाह सतनाम जी महाराज को जब साईं जी ने गुरु-गद्दी पर बैठाया तो साईं ने अपने वचना अनुसार फरमाया कि जिसको दुनिया बाहर ढूंढती रहती है, उसको हमने सब के सामने बैठा दिया है। वचन फरमाए कि हम थे, हम है और हम ही रहेंगे, कभी जाएंगे नहीं। लेकिन इसके लिए भी आंख देखने वाली होनी चाहिए। अगर रूहानियत के किसी फकीर के नजारे लूटने हो, खुशियां लेनी हो, ओम, परम पिता परमात्मा को देखना हो तो इंसान को अपने मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराना होगा। पावन भंडारे की खुशी में आयोजित नामचर्चा सत्संग के दौरान डेरा प्रमुख द्वारा युवाओं को नशों से दूर रहने के लिए प्रेरित करते गाए गए गाना मेरे देश की जवानी और आशीर्वाद मांओं का चलाए गए। गाने के माध्यम से नशे में बर्बाद होते युवाओं को राम-नाम का जाप कर नशा छोड़ने का सशक्त संदेश दिया गया। इसके अलावा इन भजनों पर साध-संगत ने नाच गाकर खुशियां मनाई। नामचर्चा सत्संग भंडारे के दौरान डेरा सच्चा सौदा के स्थापना दिवस से संबंधित एक डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। जिसमें बेपरवाह साईं शाह मस्ताना महाराज द्वारा 1948 में डेरा सच्चा सौदा की नींव रखने से लेकर परम पिता शाह सतनाम जी महाराज व गुरमीत राम रहीम की रहनुमाई में किए जा रहे 162 मानवता भलाई कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

बनास से मिली युवक की लाश का स्वयंसेवी संस्था ने किया अंतिम संस्कार

नहीं मिल पाई परिजनों की जानकारी

राजसमंद, 29 अप्रैल (एजेंसियां)।
तीन दिन पहले जिले के नाथद्वारा थाना क्षेत्र के कुंचोली गांव में बनास नदी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, तीन दिनों तक मृतक के परिजनों की तलाश करने के बाद भी पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिली, जिसके चलते सोमवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर पुलिस ने अंतिम संस्कार के लिए स्वयंसेवी संस्था से संपर्क कर उनके सहयोग से शव का दाह संस्कार करवाया। एएसआई रामचंद्र ने बताया कि शुक्रवार को बनास नदी से एक युवक का शव मिला था लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी।

ऐसे में शव को स्थानीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर परिजनों की तलाश की गई लेकिन तमाम प्रयासों के बाद भी परिजनों का पता नहीं चलने पर पुलिस ने नगर की स्वयंसेवी संस्था मां तुलसी सेवा संस्थान की अध्यक्ष रेखा माली से संपर्क कर संस्थान की मदद से शव का विधिवत अंतिम संस्कार करवाया।

शेयर मार्केट

बीएसई : 74,671.28
+941.12 +1.28% ↑
एनएसई :22,643.40
223.45 (1%) ↑

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए । आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। जीवनसाथी के साथ आज की शाम वाक़ई कुछ ख़ास होने वाली है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आपको कुछ कर दिखाने की ज़रूरत है। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रुपये–पैसे के हालात और उससे जुड़ी समस्याएँ तनाव का कारण साबित हो सकती हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में आपसी समझ नहीं रहती । लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक होने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

नफ़रत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहन–शक्ति घटाती है, बल्कि आपके विवेक को भी ज़ंग लगा देती है और रिश्तों में हमेशा के लिए दरार डाल देती है। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाख़िला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन खुशनुमा हो सकता हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खेल–कूद में हिस्सा लेने की ज़रूरत है । आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल–कूद को शामिल किया जाना चाहिए। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। अपने जीवनसाथी के स्नेह से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। शादी के ठीक पहले के ख़ूबसूरत दिनों की याद ताज़ा हो सकती है ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने ऊर्जा–स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज–मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 30 अप्रैल 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रात: 07:07 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा उत्तर रात्रि 04:10 तक
योग : साध्य रात्रि 10:23 तक
करण : वणिज प्रात: 07:07 तक
चन्द्रराशि : धनु प्रात: 10:37 तक
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:3, सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा प्रात: 07:06 से
सायं 06:29 तक , शुक्र तारा अस्त है

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी सुरक्षा एजेंसियां

जयपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली। किसी अज्ञात ने एयरपोर्ट की ऑफिशियल आईडी पर ई–मेल भेजकर बम से उड़ाने की धमकी दी। धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सोमवार को संयुक्त रूप से गहन जांच की। ई–मेल कहां से आया इसकी जांच में विजिलेंस टीम जुटी हुई है। एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के एसएचओ मोती लाल ने कहा कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने एयरपोर्ट अधिकारियों को बम विस्फोट की धमकी वाला एक ईमेल भेजा था। एयरपोर्ट सुरक्षा जवानों ने पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने एयरपोर्ट पर सर्च अभियान चलाया है। हवाईअड्डे की पूरी जांच की गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इसी तरह की धमकी 26 अप्रैल को भी दी गई थी। उन्होंने कहा कि भेजने वाले की पहचान और पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

जैन समाज सदैव मदद करता है : बंडारू दत्तात्रेय

चंडीगढ़, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि हमारे देश में जैन धर्म के अनुयाई अल्पसंख्यक समुदाय में छठे नंबर पर होने के बावजूद भी उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज कल्याण जैसे विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण और समाज को नई दिशा देने में सदैव अग्रणीय रहा है, जिसके लिये वह समस्त जैन समाज और जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) हार्दिक बधाई देते हैं।श्री दत्तात्रेय ने यह उद्गार शनिवार रात जीरकपुर में यहां आयोजित जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गनाईजेशन के 71वें शुभ शुरुआत स्थापना एवं शपथ ग्रहण समारोह में संबोधित करते हुये व्यक्त किये। उन्होंने जीतो को हृदय से मुबारकबाद देते हुये कहा कि समाज में जब भी कोई प्राकृतिक आपदा आती है, जैन समाज सदैव आगे रहकर मदद करता है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि जैन धर्म शांति सद्भावना और भाईचारे का संदेश देने वाला अनोखा धर्म है।

मतदान के बाद कांग्रेस में छिड़ा नया घमासान

प्रचार के लिए नहीं पहुंचे नेताओं से नाराज प्रत्याशी

जयपुर, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान की सभी 25 सीटों पर लोकसभा चुनाव पूरे होने के साथ ही कांग्रेस में घमासान छिड़ गया है। एक तरफ कांग्रेस ने बाड़मेर में अपने पूर्व विधायक अमीन खान को पार्टी से निलंबित कर दिया और बांसवाड़ा लोकसभा में डूंगरपुर विधायक गणेश घोघरा को नोटिस थमा दिया। दूसरी तरफ अब पार्टी में इस बात को लेकर घमासान छिड़ गया है कि सचिन पायलट कई नेताओं के प्रचार में नहीं पहुंचे। वहीं, पूर्व सीएम अशोक गहलोत को लेकर भी सोशल मीडिया पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने बाड़मेर में कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम की जगह निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी को जितवाने के लिए लॉबिंग की।

कांग्रेस ने बांसवाड़ा में जो गठबंधन बीएपी से किया था, उसे लेकर वहां कांग्रेस के विधायक गणेश घोघरा नाराज थे। उन्होंने बीएपी के लिए न प्रचार किया और न ही वहां प्रचार के लिए पहुंचे न कांग्रेस नेताओं की सभा में शामिल हुए।

वहीं अजमेर से कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी ने भी सचिन पायलट को लेकर आरोप लगाया कि बार–बार बुलाने पर भी पायलट ने उनके लिए प्रचार नहीं किया। रामचंद्र चौधरी का बयान आया मैं खुद पायलट साहब को बुलाने जयपुर उनके घर गया था, उनसे प्रार्थना करके आया था और रोज करीब 5–6 बार उनके स्टाफ से बात कर रहे थे, लेकिन वो पहले छत्तीसगढ़ चले गए और फिर केरला और हमको टाइम नहीं दिया। नागौर से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हनुमान बेनीवाल ने भी सचिन पायलट को लेकर बयान दिया है कि पायलट उनके बुलाने पर भी प्रचार के लिए नहीं पहुंचे। बेनीवाल ने कहा मैंने सचिन पायलट से सभा के लिए टाइम मांगा था, लेकिन पूरे चुनाव में सचिन पायलट की यहां कोई भी रैली या सभा नहीं हो पाई, उनकी तरफ से टाइम नहीं मिल पाया।

दो दिन पहले चारा लेने गई महिला का मिला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

दौसा, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। जिले के मेहंदीपुर बालाजी थाना इलाके में अनीता पत्नी रामकेश निवासी नांदरी का शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि लापता होने से पहले अनीता मीणा पशुओं के लिए चारा लेने गई थी।

जानकारी के अनुसार मेहंदीपुर बालाजी थाना अधिकारी गौरव प्रधान ने बताया कि 27 अप्रैल को रात 10 बजे के आसपास अनीता खेत में पशुओं के लिए चारा लेने गई थी। उसके बाद वो लौटी नहीं। इसके बाद परेशान परिजनों ने इधर–उधर उधर तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चला।

उधर, काफी ढूंढने के बाद भी अनीता का कोई पता नहीं चला तो उसके पति रामकेश ने पत्नी के गुमशुदा होने की रिपोर्ट मेहंदीपुर बालाजी थाने पर 28 अप्रैल को दर्ज करवा दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान सोमवार सुबह गुमशुदा अनीता मीना का शव मिला। महिला का शव गांव में ही ठाकर बाबा के स्थान के नजदीक मिला।

शव मिलने की सूचना मिलते ही मेहंदीपुर बालाजी थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। बालाजी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। मौके पर दौसा एफएसएल और एमओबी टीम भी पहुंची। इसके बाद अब मेडिकल बोर्ड से डेड बॉडी का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। थाना प्रभारी गौरव प्रधान ने बताया कि महिला के पति ने 28 अप्रैल को अपनी पत्नी अनीता के गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। बालाजी थाना अधिकारी ने बताया कि महिला की हत्या की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। खबर लिखे जाने तक मृतका अनीता के परिजनों ने कोई रिपोर्ट दाखिल नहीं कराई थी।

श्रीकिशन शर्मा व उनकी धर्मपत्नी का ग्रामीणों ने किया सम्मान

गुरुग्राम, 29 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबर सिटी के कारोला गांव के सरपंच ने गांव की पंचायत बुलाई। पंचायत में एडवोकेट श्रीकिशन शर्मा हैदराबाद वाले और उनकी धर्मपत्नी मौजूद थीं। गांव में मौजूद एडवोकेट श्रीकिशन शर्मा जी के कुलदेवी का मंदिर है, उस मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए गांव के सैकड़ो की संख्या में उपस्थित लोगों के बीच में एडवोकेट साहब ने मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए जितनी भी सहयोग राशि अपेक्षित है उसके लिए हां कहा। इस कार्य के लिए गांव के लोगों ने एडवोकेट श्री कृष्ण शर्मा और उनके धर्मपत्नी का पगड़ी व शाल द्वारा सम्मान किया।

चौधरी भजनलाल के साथ 2004 में धोखा हुआ कांग्रेस से सावधान रहो : मनोहर लाल

हिसार, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व सीएम मनोहरलाल आदमपुर में जनसभा में डैमेज कंट्रोल करते दिखे। उन्होंने मंच से चौधरी भजनलाल, कुलदीप बिश्नोई, भव्य बिश्नोई की खूब तारीफ की। मंच पर पहुंचने से पहले चौधरी भजनलाल के स्मृति स्थल पर पहुंच कर नमन किया। मंच पर लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम मनोहर लाल ने कहा कि चौधरी भजनलाल ने इस विधानसभा क्षेत्र की सेवा की। उनके सेवा भाव को कुलदीप बिश्नोई, भव्य बिश्नोई आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2004 में चौधरी भजनलाल के साथ धोखा हुआ। चौधरी भजनलाल को सीएम बनाने के लिए जनता ने कांग्रेस को जिताया। भजनलाल की बजाए भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कुर्सी हथिया ली। उन्होंने कहा सावधान रहो, कांग्रेस से सावधान रहो। बताते चलें कि पूर्व सीएम मनोहरलाल 10 अप्रैल को नलवा विधानसभा के गांव कैमरी में रैली को संबोधित करने पहुंचे तो उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर एक टिप्पणी की थी। जिसे पूर्व सीएम चौधरी भजनलाल से जोड़ कर देखा जा रहा था। जिसके बाद से कुलदीप बिश्नोई, भव्य बिश्नोई के अलावा बिश्नोई समाज के लोगों में खासी नाराजगी थी। इसी नाराजगी को दूर करने के लिए पूर्व सीएम मनोहरलाल आदमपुर रैली में पहुंचे। इस रैली में लाने के लिए सीएम नायब सिंह सैनी कुलदीप तथा भव्य को मनाने दिल्ली पहुंचे थे। सोमवार को आदमपुर में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम मनोहर लाल ने कहा कि आदमपुर विधानसभा उपचुनाव के बाद पहली बार आया हूं। उस दिन तो इतना अपनापन नहीं दिखाई दिया जितना आज दिखाई दे रहा है। उस दिन तो हमने भव्य को कली पकड़ाई थी। आपने कमल का फूल खिलाकर भेजा इस कारण अपनापन नजर आ रहा है। आदमपुर पहली बार कमलमय हुआ है।

कुलदीप बिश्नोई ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कोई नाराजगी, मन में मलाल नहीं रखना। जितने वोट आपने भव्य को दिए उससे अधिक वोट रणजीत सिंह को देंगे तो आपके बेटे की लाज बचेगी। कोई भूपेंद्र सिंह हुड्डा के कार्यकाल को कैसे भूल सकता है। उनके कार्यकाल में भू माफिया घोटाला किया। दस साल की सरकार में आदमपुर से सबसे अधिक भेदभाव किया। किसी बहकावे में नहीं आना। हमने नरेंद्र मोदी, मनोहरलाल को देखा है। इन दोनों के कारण देश–प्रदेश का विकास हो रहा है।आप परिवार के लोग सब बाते समझते हो। मनोहर लाल बढ़िया नेता हैं। लोग उल्ट सुल्ट बकवास कर देंगे। हर एक मुख्यमंत्री पर जाने अनजाने में भ्रष्टाचार के लांछन लगे हैं। मनोहरलाल के साढ़े 9 साल के कार्यकाल में कोई एक आदमी बता दें, जिनके कारण इन पर भ्रष्टाचार के शक की सुई भी हिली हो। ऐसे ईमानदार आदमी का आपको साथ देना चाहिए। अफवाहों के चक्कर में मत आना।

हरियाणा में नामांकन शुरू, भिवानी–महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट पर पहले दिन आया एक फॉर्म

नारनौल, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा के छठे चरण के लिए सोमवार से नामांकन शुरू हो गए है। हरियाणा में भी छठे चरण में चुनाव होना है। सोमवार को एसयूसीआई कम्युनिस्ट के प्रत्याशी कामरेड रोहतास सैनी ने नामांकन दाखिल किया है। अभी नामांकन के लिए सात दिन शेष बचे हैं। जिसकी वजह से भाजपा, जजपा व कांग्रेस उम्मीदवार मई माह में ही नामांकन दाखिल करेंगे। हालांकि इस बार प्रत्याशी को ऑनलाइन नामांकन करने की सुविधा दी गई है। बता दें कि भिवानी–महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट के लिए 25 मई को मतदान होना है। जिसकी प्रशासन की तरफ से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उपायुक्त ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया 6 मई तक चलेगी। नामांकन सुबह 11 से दोपहर बाद तीन बजे तक किया जा सकता है। आवेदन पत्र कमरा नंबर 114 प्रथम तल लघु सचिवालय में सुबह 11 से लेकर शाम 3 बजे तक जमा कर सकेंगे। नामांकन की छंटनी का काम 7 मई को सुबह 11 बजे होगी। नाम वापसी के लिए 9 मई 2024 को दोपहर बाद 3 बजे से पहले डिप्टी कमिश्नर कोर्ट कमरा नंबर 114 प्रथम तल लघु सचिवालय नारनौल में आकर सूचना देनी होगी। इसके तुरंत बाद चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। मतदान आगामी 25 मई को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक होगा। भिवानी–महेंद्रगढ़ लोकसभा के लिए भाजपा, जजपा और कांग्रेस ने अपने–अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है।

लोकसभा चुनाव 2024

कांग्रेस धर्म आधारित कोटा की योजना बना रही है, मैं ऐसा नहीं होने दूंगा : पीएम मोदी

विशाल चुनावी रैली को किया संबोधित

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर वोट बैंक की राजनीति के लिए देश में धर्म आधारित आरक्षण की योजना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह प्रस्ताव अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए है क्योंकि एससी/एसटी और ओबीसी समुदाय अब बीजेपी के साथ है। कर्नाटक में, कांग्रेस ने संविधान को बदलने और एससी/एसटी और ओबीसी के अधिकारों को छीनने के लिए एक अभियान शुरू किया है।

हमारा संविधान धर्म-आधारित आरक्षण को स्वीकार नहीं करता है। लेकिन कर्नाटक सरकार ने ओबीसी आरक्षण का एक हिस्सा समुदाय विशेष को दे दिया है। जिला मुख्यालय शहर में एक विशाल चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा वे (कांग्रेस) इससे समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने पहले भी अपने घोषणापत्र में धर्म-आधारित आरक्षण प्रदान करने के लिए एक कानून लाने के बारे में कहा था। ऐसा ही कुछ इस बार अपने घोषणापत्र में संकेत दिया है।

मैं अपने दलित, एससी/एसटी और ओबीसी भाई-बहनों को कांग्रेस के इरादों से अवगत कराना चाहता हूं। ये लोग धर्म के आधार पर, अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए, बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा दिए गए आपके संवैधानिक अधिकार को लूटने की योजना बना रहे हैं।

वयोवृद्ध भाजपा नेता बीएस येदियुरप्पा, बागलकोट और विजयपुरा से भाजपा उम्मीदवार और सांसद पी सी गद्दीगौदर और रमेश जिगाजिनागी रैली में उपस्थित थे। यह देखते हुए कि संसद में अधिकांश एससी, एसटी और ओबीसी सांसद भाजपा से हैं, मोदी ने कहा इसलिए उन्हें लगता है कि एससी, एसटी और ओबीसी भाजपा के साथ हैं।

अल्पसंख्यकों का विश्वास हासिल करने के लिए, वे एससी, एसटी से लूट कर इसे अल्पसंख्यकों को देना चाहते हैं, क्या आप ऐसा होने देंगे? मैं आज अपने दलित, आदिवासी और ओबीसी भाई-बहनों को गारंटी देना चाहता हूं। मैं कांग्रेस के ऐसे इरादों को सफल नहीं होने दूंगा। आपके अधिकारों, आपके आरक्षण की रक्षा के लिए मोदी किसी भी हद तक जा सकते हैं। मैं आपको ये विश्वास दिला रहा हूं।

राज्य में गैरजिम्मेदार सरकार

इसी बीच केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य बीएस येदियुरप्पा ने अनुरोध किया कि पीसी गद्दीगौदर और रमेश जिगाजिनागी को 2 लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीतना चाहिए। उन्होंने कहा राज्य में पीने के पानी की कमी है। किसान संकट में हैं फिर भी यह सरकार अपने हाथ बांध कर बैठी है। उन्होंने कहा कि ऐसी गैरजिम्मेदार सरकार को कर्नाटक में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

विधायक बीआर पाटिल यतनाल ने जनता से सनातन धर्म को बचाने के लिए भाजपा को वोट देने का अनुरोध किया। पूर्व डीसीएम गोविंद करजोल ने कहा कि कांग्रेस धोखेबाज पार्टी है।

मोदी की गारंटी का मतलब है विकास की निश्चितता। उन्होंने सभी 28 सीटों पर बीजेपी-जेडीएस पार्टी के उम्मीदवारों को जिताने की अपील की।

मंच पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई.विजयेंद्र, उम्मीदवार रमेश जिगाजिनागी, पी.सी.गद्दीगौदर, पूर्व मंत्री, विधायक, पार्टी के राज्य और जिला पदाधिकारी, पार्टी नेता मौजूद थे। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं की लाभार्थी महिलाओं ने अपना आभार व्यक्त करने के लिए प्रधानमंत्री को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

रोहिणी ने किया नामांकन

लालू प्रसाद ने गाना गाकर मांगा समर्थन तेजस्वी ने भी गाया-तुम तो धोखेबाज हो

पटना (एजेंसियां)।
सारण लोकसभा सीट के लिए रोहिणी आचार्य ने आज नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के बाद राजेंद्र स्टेडियम में जनसभा हुई। इस दौरान तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर गाना गाते हुए फिर तंज कसा है। इतना ही नहीं इसी मंच पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने भी गाना गाकर रोहिणी के समर्थन में वोट माँगा। इस दौरान लालू प्रसाद यादव ने कहा कि बेटी रोहिणी आचार्य आपके बीच में लगातार काम कर रही है। इसे भारी मत से जिताना है। देश को बचाना है संविधान को बचाना है। हम लोकतंत्र संविधान को मिटने नहीं देंगे। पिछड़ा वर्ग, पिछड़े वर्गों के हक को भाजपा छिनना चाहती है आपसब लोग इकट्ठे रहिये। काफी धूप है, काफी लोगों ने समय दिया,मैं धन्यवादब देता हूं।

लालू प्रसाद यादव ने कहा कि इतनी कड़ी धूप में आप सभी लोग आए हैं, सबको धन्यवाद। सारण जिला हमारी कर्मभूमि है। सारण के लिए हमने बहुत काम किया। रेल का कारखाना, फ़्फ़क्ट्री, इंजीनियरिंग कॉलेज, मढ़ौरा में इंजन का कारखाना यह सब काम हमने किया है। आपलोग भी काफ़्फ़ी थक गये होंगे और मैं भी थक गया हूं। अब आपके बीच में रोहिणी है, भारी मतों से इनको जिताइए। फ़्फ़िर लालू प्रसाद यादव ने लागल झुलनिया में धक्का बालम कलकत्ता पहुँच गये गाकर

रोहिणी के लिए लोगों का समर्थन मांगा। भाजपा बाबा के संविधान को खत्म करना चाहता है। संविधान बदलना चाहता है। हम किसी भी कीमत संविधान को बदलने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा रिजर्वेशन खत्म कर देना चाहती है। इसके लिए हम सभी को इकट्ठा रहना है। जागरुक रहना है।

राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा कि भाजपा पिछड़े वर्ग के लोगों के हक को छिनना चाहती है इसलिए आपलोग इकट्ठे रहिये। लालू प्रसाद ने कहा कि पासी समाज के हमारे बहुत लोग हैं। हमारी सरकार लाइए, हम सभी पासी के लोगों की समस्या को दूर करेंगे।

तेजस्वी यादव ने भाजपा भगाओ का नारा लगाते हुए अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने कहा कि सारण हमारे पिता लालू प्रसाद यादव कि कर्म भूमि रही है और यहां से जो कार्लेय मेरे पिता ने किया है, अब हमारी बहन रोहिणी यहां से उनसे भी ज्यादा काम करेगी। उन्होंने कहा कि क्या परिस्थिति रही, मेरी बहन ने जो बलिदान दिया है उसको बताने का समय अभी हम नहीं समझते हैं। आपसब लोग जानते हैं कि इन्ह-ोने क्या त्याग दिया है। मुझे यकीन है कि इन्होने जिस तरह से अपने पिता की सेवा की और बलिदान दिया है उससे बढाकर यहां के जनता की यह सेवा करेगी।

भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि मुकेश जी के सारे विधायकों को ही भाजपा ने खरीद लिया और हमारे सीएम नीतीश कुमार को ही हाईजैक कर लिया। उन्होंने पहले मोबाइल पर प्रधानमंत्री के पुराने रिकॉर्ड को सुनाने की कोशिश की, फ़्फ़िर उनपर पर तंज कसते हुए कहा कि भाजपा का शाब्दिक अर्थ बताने की कोशिश की। तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा के लोग भारत के संविधान को बदलने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी यादव ने अंत में लोगों को साथ में गाने के लिए कहा और खुद भी गाया।

चिराग पासवान का विपक्ष पर बड़ा हमला, कहा-

आपकी संपत्ति पर इनकी नजर इसलिए इनसे रहे सतर्क

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
शहर के क्लब मैदान में आयोजित जन आशीर्वाद सभा और वैशाली की एलजेपी उम्मीदवार वीणा देवी के नामांकन के लिए पहुंचे चिराग पासवान ने कहा कि वर्तमान में एनडीए और पीएम मोदी को हराने के लिए एक बड़ी साजिश रची जा रही है।

इस साजिश के लिए विपक्ष भ्रम पैदा कर रहा है और देश में संविधान को समाप्त करने की झूठी बात कर रहा है। चिराग पासवान ने कहा कि जो लोग संविधान और लोकतंत्र की समाप्त करने की दुहाई दे कर बयानबाजी कर रहे हैं वह लोग आज से पहले इमरजेंसी और लोकतंत्र को खत्म करने का काम कर चुके हैं।

चिराग पासवान ने कहा की दस साल पहले भी 2014 के लोकसभा चुनाव में यही राजद और कांग्रेस पार्टी वाले लोग हमें डराने का काम करते थे, झूठ बोलते थे और आज भी वही काम को कर रहे हैं। चिराग पासवान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी इन दिनों फिर से 'संविधान खतरे में है' और 'लोकतंत्र को बड़ा खतरा है' करने की बात कर रहे हैं. जबकि पहले वो अपने पूर्वजों को याद करे। चिराग पासवान ने राजद और कांग्रेस पार्टी पर हमले बोलते हुए कहा कि इन लोगों की नजर आपकी सदियों की कमाई हुई संपत्ति और जायदाद पर है। इनसे आपको बड़ा खतरा है। यह लोग आपकी कमाई गई संपत्ति को ले लेंगे और आपकी उसपर कब्जा कर लेंगे। इन लोगों ने प्लान बनाया है कि आपके कुल संपत्ति का 55 फीसद की जायदाद हड़प लेंगे।

राजद उम्मीदवार शिव चंद्र राम ने नामांकन किया दाखिल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)
हाजीपुर में राजद उम्मीदवार शिवचंद्र राम साइकिल पर सवार होकर नामांकन दाखिल करने डीएम कार्यालय पहुंचे, जहां पर महुआ विधायक मुकेश रोशन भी साथ में उनके मौजूद रहे। इसके साथ ही भारी संख्या में कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

नामांकन दाखिल होने के बाद महागठबंधन के नेताओं के द्वारा जनसभा को संबोधित भी किया जाएगा। जिसमें बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव वीआईपी के सुप्रीमो मुकेश साहनी शुभई भोला राय उच्च विद्यालय के ग्राउंड में कार्यकर्ताओं संबोधित करेंगे। नामांकन कार्यक्रम में भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। जिला प्रशासन की ओर से नामांकन को लेकर भारी संख्या में समाणालय के आसपास पुलिस बल की तैनाती कि गई है।

वहीं जगह-जगह पर वीडियोग्राफी जिला प्रशासन की ओर से कराई जा रही है। तो मजिस्ट्रेट की भी तैयारी की गई है। जिला प्रशासन की ओर से हाजीपुर शहर में बड़े वाहन के प्रवेश पर भी रोक लगाया गया, जिससे ट्रैफ्कि व्यवस्था सुचारू रूप से चलाया जा सके।

इंजीनियरिंग के छात्र की बेडरूम में मिली लाश, संदेहास्पद स्थिति में मौत

आरा (एजेंसियां)।
शहर के टाउन थाना क्षेत्र अंतर्गत चित्र टोली रोड में रविवार की रात संदेहास्पद स्थिति में एक छात्र की मौत हो गई। परिजन द्वारा पट्टीदार के ही लोगों पर उसे मारने की आशंका जताई जा रही है। मृत छात्र टाउन थाना क्षेत्र के चित्र टोली रोड निवासी मनोरंजन प्रसाद का 20 वर्षीय पुत्र गौरव कुमार उर्फ़्फ़ कृष है। वह इंटर का छात्र था और चेन्नई में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। घटना को लेकर मृत छात्र के भाई विशाल कुमार ने बताया कि संपत्ति को लेकर पट्टीदार के लोगों से कुछ दिनों से विवाद चल रहा है और संपत्ति को लेकर उनके द्वारा बराबर उसके भाई को मारने की धमकी भी दी जा रही थी।

रविवार की देर शाम जब उसके पिता दूध लाने के लिए बाहर गए थे। उस समय वह भी बाहर था और घर में सिफ़्फ़र् उसकी एक बहन थी। उसके कमरे का दरव-

ाजा खुला हुआ था। दूध लेकर जब उसके पिता वापस घर लौटे तो उन्होंने देखा की वह मृत अवस्था में पलंग पर पड़ा है। इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना मिलने के बाद सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार और टाउन थानाध्यक्ष देवराज राय पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मृत छात्र के परिजनों से मिल घटना की जानकारी ली।

इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया। मृत छात्र के भाई विशाल कुमार ने अपने पट्टीदार पर ही संपत्ति हड़पने को लेकर अपने भाई को मारने की आशंका जताई है।

जबकि प्राप्त जानकारी के अनुसार मृत छात्र की मां चंदा देवी की वर्ष 2021 में किडनी खराब होने के कारण उनकी मौत हो गई थी। जिसके बाद से ही वह थोड़ा डिप्रेशन में चल रहा था। जिसके कारण उसकी तबीयत खराब हो गई थी और पांच माह से वह घर पर ही रहता था। इसी कारण उसके द्वारा खुदकुशी करने की भी बात सामने आ रही है। बहरहाल पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

एनडीए उम्मीदवार लवली आनंद ने नामांकन किया दाखिल

शिवहर (एजेंसियां)।
शिवहर लोकसभा से एनडीए उम्मीदवार लवली आनंद अपना ने अपना नामांकन दाखिल किया। जेडीयू उम्मीदवार लवली आनंद अपने काफिले के साथ शिवहर से निकली, जो नयागांव के रास्ते मधुबन पकड़ीदयाल होते हुए मोतिहारी पहुंची। बता दें कि शिवहर लोकसभा क्षेत्र में पूर्वी चंपारण जिला का मधुबन, चिरैया और ढाका विधानसभा क्षेत्र के अलावा शिवहर समेत सीतामढ़ी जिले का बेलसंड एवं रीगा विधानसभा क्षेत्र पड़ता है। शिवहर लोकसभा क्षेत्र में पहली बार दो महिलाओं के बीच आमने-सामने की टक्कर है। शिवहर लोकसभा क्षेत्र में एनडीए के तरफ़्फ़ से जदयू की लवली आनंद का सीधा

मुकाबला महागठबंधन से राजद की उम्मीदवार रितु जायसवाल से है।

नामांकन दाखिल करने के बाद जदयू उम्मीदवार लवली आनंद ने कहा कि शिवहर में कोई लड़ाई नहीं है। शिवहर की जनता ने मन बना लिया है कि इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है। वहीं बाहुबली वाले बयान पर उन्होंने कहा कि कि आनंद मोहन जी कलम के सिपाही है। उन्होंने कई पुस्तकें लिखी है। वैसे कौन क्या कह रहा है, यह सुनने का समय कहां है।

फल मंडी में लगी भीषण आग : आतिशबाजी के कारण हुआ ऐसा, 50 करोड़ की संपत्ति का नुकसान

पटना (एजेंसियां)।
पूर्णिया के फल मंडी में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते ही देखते सौ से अधिक दुकान सहित लकड़ी मिल को आग ने अपनी चपेट में ले लिया। इससे लगभग 50 करोड़ से अधिक की क्षति हुई। घटना में हुए नुकसान का सही आकलन अभी तक नहीं हो पाया है। घटना रविवार देर रात्रि सदर थाना क्षेत्र के खुश्कीबाग फ़्फ़ल मंडी की है। फल दुकानदारों और स्थानीय लो-गों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली।

इसके बाद इसकी सूचना जिला पदाधिकारी और अग्निशमन विभाग को दी गई। इसके बाद अग्निशमन विभाग की पूर्णिया सहित अररिया, कटिहार जिले के दर्जनों से अधिक गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जुट गई। आग लगने का पटका की चिंगाड़ी बताया है। इसकी पुष्टि पूर्णिया जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने की। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने कहा कि जैसे ही हमलोगों को सूचना प्राप्त हुई खुश्कीबाग फल मंडी में आग लगी हैं। सूचना पर तत्काल फ़्फ़ायर विभाग को अलर्ट कर दिया। साथ ही बड़ी दो फ़्फ़ायर टेंडर तुरंत तत्काल घटनास्थल पर पहुंच गई। बायसी, बनमनखी और धमदाहा सहित कटिहार और अररिया फ़्फ़ायर टेंडर मंगाया। उसके अलावा एयरफोर्स से क्रेस फायर बिग्रेड को भी मंगाया गया जिसमें सारी सुविधा उपलब्ध रहती हैं। उन्होने कहा कि 12 बड़ा फायर टेंडर और 14 छोटे फायर को मंगाया गया हैं।

जिला पदाधिकारी ने कहा कि आग लगने का सही कारण स्पष्ट नहीं हो पाया हैं। पूर्णिया एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा, सदर एसडीओ राकेश रमण और सदर एसडीप-ीओ सहित सारे पदाधिकारी यहां पर कैंप कर रहें हैं। उन्होने कहा कि एसडीआरफ की टीम भी आई हुई हैं मेडिकल टीम को अलर्ट कर दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शादी समारोह में आतिशबाजी के कारण आग लग गई।

17 वर्षीय छात्र की हत्या कर शव को जंगल में फेंका, पुलिस जांच में जुटी

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।
मिली जानकारी के अनुसार छात्र इंद्रदेव कल शाम से ही घर से लापता था। आज सुबह उसका शव पुल के नीचे से बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि उसकी अज्ञात अपराधियों द्वारा धरदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी गई। वहीं बदमाशों ने हत्या कर रातों पुल से डेढ़ सौ मीटर दक्षिण एक गाछी में शव को फेंक दिया गया। घटना का पता तब चला जब कुछ लोग टहल रहे थे। इसी दौरान उसकी नजर लावारिस अवस्था में शव पर पड़ी।

जिसके बाद उक्त खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरफ़्फ़ फ़्फ़ैल गई। घटना की सूचना मिलने पर भिट्ठामोड़ थानाध्यक्ष रविकांत कुमार और सशस्त्र सीमा बल के कंपनी इंचार्ज समेत अन्य पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जहां पुछताछ के बाद शव को कब्जे में लिया गया। वहीं पोस्टमार्टम के लिए शव को सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। इस संबंध में भिट्ठामोड़ थानाध्यक्ष रविकांत कुमार ने बताया कि हत्या के कारणों का पता लगाने के साथ अपराधी को जल्द पकड़ने के लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

फिलहाल अज्ञात अपराधी पुलिस के गिरफ्त से बाहर है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लेकर पुलिस जगह-जगह पर छापेमारी की जा रही है। बताया जाता है कि मृतक के पिता पान की दुकान चलाकर परिवार का भरण पोषण करते हैं। सूत्रों के मानें तो मृतक गलत नशे का आदि था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com